आज का मौसम
17.0° अधिकतम तापमान
6.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 07.06
सूर्यास्त 05.35

अमृत विचार
बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष अष्टमी 10:20 उपरांत नवमी विक्रम संवत 2082
रविवार, 11 जनवरी 2026, वर्ष 7, अंक 48, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले- कांग्रेस शासन में शुरू प्रश्न पत्र लीक संस्कृति खत्म - 12

- केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- भारत-ईयू में व्यापार समझौता होगा शीघ्र - 12

- बढ़ते तनाव पर अमेरिकी राजदूत ने कहा-भारत और अमेरिका के लिए अपार मौके - 13

- किस्मत में जो होगा उसे कोई मुझसे छीन नहीं सकता : गिल - 14

धर्म-निरपेक्षता का ठेका लेने वालों के मुंह पर चिपका टेप : मुख्यमंत्री

सीएम योगी का बांग्लादेश पर चुप्पी साधने वाले विपक्ष पर करारा हमला

- कहा-जाति, मत-संप्रदाय के नाम पर समाज को बांटना सर्वनाश की राजनीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

अमृत विचार : सीएम योगी ने शनिवार को माघ मेले में आयोजित श्रीमद् जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी के 726वें प्राकट्य महोत्सव में धर्म-निरपेक्षता के कथित ठेकेदारों व समाज को बांटने वाली राजनीति पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि धर्म-निरपेक्षता का ठेका चलाने वालों के मुंह पर जैसे फेविकोल और टेप चिपक गया है। बांग्लादेश की घटनाओं पर मौन साधने वालों को चेताते हुए कहा कि जाति, मत और संप्रदाय के नाम पर समाज को बांटना सर्वनाश की राजनीति है।

मुख्यमंत्री योगी ने सियासी और वैचारिक मोर्चे पर हमला बोलते हुए कहा कि जो ताकतें समाज को बांटती हैं, वे कभी हितैषी नहीं हो सकतीं। सत्ता में आने के बाद उनका दायरा परिवार और स्वार्थ से आगे नहीं बढ़ता। नारे बदल जाते हैं, आचरण नहीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि डबल इंजन सरकार सनातन आस्था को मजबूती देने के लिए प्रतिबद्ध है और समाज को कमजोर करने वाली किसी भी ताकत को पनपने नहीं दिया जाएगा। योगी ने विश्वास जताया कि जैसे अयोध्या में राम मंदिर पर ध्वज फहरा रहा है, वैसे ही विश्व पटल पर सनातन का झंडा लहराता रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब संत समाज जोड़ने का संकल्प लेता है, तो परिणाम आता है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर संतों की साधना और एकता का प्रतिफल है, जिसे नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार रूप मिला। योगी ने कहा कि प्रयागराज की पावन भूमि महर्षि भारद्वाज, महर्षि वाल्मीकि जैसे ऋषियों की तप-साधना से सनातन का केंद्र बनी।

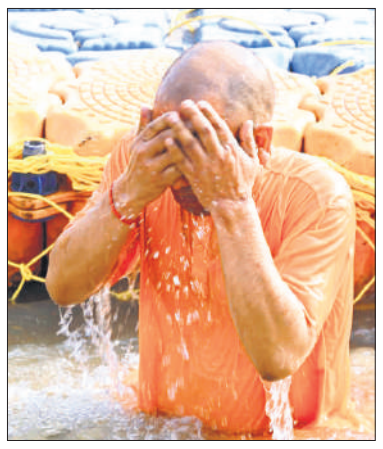

प्रयागराज : संगम में डुबकी लगाते मुख्यमंत्री योगी।

योगी ने संगम में लगाई डुबकी स्नान का बना रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री योगी ने प्रयागराज पहुंचते ही शनिवार को मंत्रियों के साथ संगम में डुबकी लगाई और त्रिवेणी की पूजा-अर्चना और आरती की। बाद में बड़े हनुमान मंदिर में भी पूजन किया। उन्होंने मेला व्यवस्था और प्रशासनिक काम-काज की समीक्षा भी की। बताया कि पौष पूर्णिमा पर 31 लाख श्रद्धालुओं ने संगम स्नान किया, जबकि पिछले पांच-छह दिनों में एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। पूरे कार्यक्रम में संतोषाचार्य जी महाराज 'सतुआ बाबा' सहित कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नंदगोपाल गुप्ता 'नंदी', विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, हर्षवर्धन वाजपेयी, पीयूष रंजन निषाद, दीपक पटेल, गुरु प्रसाद मौर्य, पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, स्वामी रामदिनेशाचार्य, स्वामी राघवाचार्य, जगद्गुरु वैदेही वल्लभ देवाचार्य, स्वामी चिदानंद सरस्वती, महंत वैष्णव दास समेत तमाम संत-धर्माचार्य मौजूद रहे।

रामानंदाचार्य प्राकट्य स्थल पर स्मारक-मंदिर बनाने का एलान

मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि दारागंज में जिस स्थल में जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी का प्राकट्य हुआ, वहां स्मारक और मंदिर निर्माण के लिए सरकार सहयोग करेगी। उन्होंने संत समाज से संवाद कर सर्वसम्मति से कार्य आगे बढ़ाने का आह्वान किया और कहा कि बिखरे समाज को जोड़ने का रामानंदाचार्य जी का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। योगी ने कहा कि महानता अचानक नहीं आती, इसके लिए दिव्य गुण, दृढ़ इच्छाशक्ति और व्यापक दृष्टि चाहिए। महामानव स्वयं के लिए नहीं, परमार्थ के लिए सोचता है। रामानंदाचार्य जी ने अलग-अलग जातियों से द्वादश शिष्यों के माध्यम से सामाजिक एकता का मार्ग प्रशस्त किया।

ईडी ने यूपी-हरियाणा में 585 करोड़ के भूखंड कुर्क किए

नई दिल्ली। ईडी ने घर खरीदारों से धोखाधड़ी के आरोप में दिल्ली-एनसीआर में स्थित रियल एस्टेट कंपनी के खिलाफ दर्ज धनशोधन मामले में हरियाणा और उत्तर प्रदेश में 580 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की सैकड़ों एकड़ जमीन कुर्क की है।

'एडेल लैंडमार्क्स लिमिटेड' और इसके प्रवर्तक हेम सिंह भड़ाना, सुमित भड़ाना के खिलाफ दर्ज मामले के तहत यह कार्रवाई की गई है। शुक्रवार को पीएमएलए के तहत उत्तर प्रदेश के मेरठ और गाजियाबाद और हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और बहादुरगढ़ में स्थित 340 एकड़ भूमि की अस्थायी कुर्की का आदेश जारी किया गया है। ईडी ने बताया कि इन भूखंड का कुल मूल्य 585.46 करोड़ है। धन शोधन का यह मामला हरियाणा और दिल्ली पुलिस द्वारा कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ दर्ज 74 प्राथमिकियों और आरोपपत्रों से जुड़ा है, जिसमें उन पर 12-19 साल की देरी के बाद भी वादे के अनुसार फ्लैट और यूनिट्स सौंपने में विफल रहकर कई घर खरीदारों को धोखा देने का आरोप लगाया गया है।

- घर खरीदारों के साथ हुई धोखाधड़ी के मामले में की गई कार्रवाई

गोल्ड इन्वेस्टमेंट का झांसा देकर 25 लोगों से 6 करोड़ रुपये ठगे

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- सुभाषनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके शुरू की जांच

अमृत विचार : लोगों को भरोसे में लेकर गोल्ड इन्वेस्टमेंट के नाम पर 25 लोगों से 6 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। इसके बाद आरोपी ने पैसे वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। महिला की शिकायत पर एसएसपी के आदेश पर सुभाषनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

सुभाषनगर थाना क्षेत्र निवासी गिरिराज किशोरी ने बताया कि शांति विहार निवासी दुर्गेश सिंह ने उनके साथ धोखाधड़ी की। महिला ने बताया कि पति के रिटायरमेंट के बाद पीएफ और उसके पुस्तैनी सोने-चांदी के जेवर गोल्ड इन्वेस्टमेंट के नाम पर ले लिए।

यही नहीं आरोपी ने आसपास के 24 अन्य लोगों को भी गोल्ड इन्वेस्टमेंट में झांसा देकर ठगी की। जालसाज ने करीब 6 करोड़ रुपये की ठगी की है। जब उन्होंने अपना जेवर और पैसे वापस मांगे तो आरोपी ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। महिला की तहरीर पर सुभाषनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

बदायूं का रहने वाला है आरोपी

सुभाषनगर इंस्पेक्टर जितेन्द्र सिंह ने बताया कि आरोपी मूल रूप से बदायूं का रहने वाला है, लेकिन पिछले चार पांच साल से वह सुभाषनगर के शांति विहार में किराये के मकान में रहता था। बताया जा रहा है कि जिन लोगों के साथ आरोपी ने गोल्ड इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगी की है कि उन्हें किसी को चाची, किसी की ताई और किसी को बहन बोलता था। संबंध अच्छे होने के बाद लोगों ने उस पर भरोसा करके पैसा लगा दिया, लेकिन आरोपी सभी का पैसा लेकर फरार हो गया।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, खाने की आदतें और हमारी मनोदशा व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

कांग्रेस भ्रष्टाचार की अम्मा, राम जी का नाम लेने में होता है पेट में दर्द : केशव

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- डिप्टी सीएम ने अन्य विपक्षी दलों पर भी बोला जोरदार हमला

अमृत विचार : डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार दोपहर सर्किट हाउस में विकसित भारत- जी राम जी अधिनियम को लेकर विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। कहा कि पहले की सरकारों में विकास सिर्फ कागजों में होता था, अब काम धरातल पर दिखे, इसलिए जी राम जी अधिनियम को लाया गया है। उन्होंने कांग्रेस को भ्रष्टाचार की अम्मा बताया।

मौर्य ने कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी और राजीव गांधी पीएम थे तो वह खुद कहते थे कि हम संसद से एक रुपया भेजते हैं तो 25 पैसे रह जाते थे। हमारी सरकार में योजनाओं का पूरा पैसा लाभार्थियों के सीधे खाते में पहुंचता है। राम जी का नाम आते ही विपक्षी दल विरोध करना शुरू कर देते हैं। राम जी का नाम सुनने से इनको पेट में दर्द होना शुरू हो जाता है। डिप्टी सीएम ने कहा कि अखिलेश यादव को तो वीबी जी राज जी योजना के बारे में कुछ नहीं पता। वहीं, कांग्रेस को उन्होंने भ्रष्टाचार की अम्मा बताया। कहा कि कांग्रेस विरोध इसलिए कर रही है ताकि भ्रष्टाचार का रास्ता बना रहे। साफ कहा अधिनियम बना चुका है, इसमें कोई बदलाव आने वाला नहीं है। देश को 2047 तक विकसित भारत बनाने में जी राम जी की भूमिका अहम रहेगी। 10 लाख करोड़ खर्च होने के बावजूद जैसा गांवों का विकास होना चाहिए था वैसा नहीं हुआ। मनरेगा का मतलब भ्रष्टाचार हो गया था। जी राम जी के माध्यम से गांव का विकास ही नहीं होगा, बल्कि सभी जरूरतें पूरी होंगी।

सम्मेलन | मोहन भागवत बोले- बस हमारी तैयारी की देरी है, हमें इसके लिए एकजुट हो जाना चाहिए

विश्वगुरु और हिंदू राष्ट्र बनकर रहेगा भारत

मथुरा, एजेंसी

सर संघचालक मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि आने वाले 20-30 साल में भारत विश्वगुरु बनेगा और हिंदू राष्ट्र बनकर रहेगा। इसके लिए बस हमारी तैयारी की देरी है। हमें इसके लिए एकजुट हो जाना चाहिए।

भागवत ने वृंदावन में सुदामा कुटी आश्रम द्वारा रामानन्दी सम्प्रदाय के प्रवर्तक रामानन्दाचार्य की 726वीं जयंती एवं सुदामा कुटी के संस्थापक संत सुदामा दास के वृंदावन आगमन के सौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित समारोह में यह बात कही। यमुना किनारे कुंभ मेला स्थल पर आयोजित शताब्दी समारोह में विशाल संत-विद्वत सम्मेलन में रामानन्दी सम्प्रदाय के अनुयायियों के अलावा देश भर के संत-महात्मा शामिल हुए। भागवत ने कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनने से कोई रोक नहीं सकता क्योंकि भारत का जन्म ही इसीलिए हुआ है। इस मौके पर मंच पर साध्वी ऋतम्भरा, गीता मनीषी संत ज्ञानानन्द, नाभा पीठाधीश्वर महंत सुतीक्ष्ण दास, मणिराम छावनी अयोध्या के पीठाधीश्वर, नेपाल से आए स्वामी रामकृष्ण दास आदि संत मौजूद थे। उन्होंने कहा, आज की परिस्थितियां भी कुछ वैसी ही है जैसी महाभारत काल के समय थीं। सारी दुनिया हार रही है। ऐसे परिस्थितियों को हमने पहले भी देखा है। ये परिस्थितियां हमारा कुछ भी बिगाड़ नहीं सकतीं।

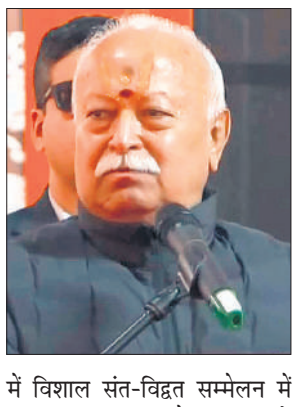

500 साल तक मुगलों की दासता झेली फिर भी पहले से मजबूत होकर पुन : उठ खड़े हुए हम

उन्होंने कहा, हिन्दू कभी दुश्मन के शौर्य, वीरता या बल के कारण नहीं पराजित हुआ। वह जब भी हारा, केवल आपसी फूट के कारण ही हारा लेकिन चिंता की बात नहीं। हमने चार-पांच सौ वर्षों तक मुगलों की दासता झेली, उनके अत्याचार सहे। परंतु सनातन फिर भी कमजोर नहीं पड़ा। उसे जितने कष्ट दिए गए, वह पहले से मजबूत होकर पुन : उठ खड़ा हुआ। भागवत ने कहा, इसीलिए मैं कहता हूं कि आने वाले बीस-तीस वर्षों में भारत विश्वगुरु बनकर सुख-शांति भरा जीवन देने वाला राष्ट्र बनेगा, हिन्दू राष्ट्र बनकर रहेगा।

अमृत विचार

बरेली , रविवार, 11 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

हज-2026 : सऊदी अरब में भारत का नेतृत्व करेंगे मंत्री दानिश

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी को हज-2026 के लिए भारत सरकार ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। सऊदी अरब में हज-2026 की व्यवस्थाओं की देखरेख के लिए भारत सरकार द्वारा गठित उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का दानिश को चेयरमैन बनाया गया है। हज-2026 की यात्रा को सुगम और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने के उद्देश्य से दानिश आजाद अंसारी के नेतृत्व में नवगठित उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल शनिवार की शाम को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सऊदी अरब के लिए रवाना हो गया। यह प्रतिनिधिमंडल एक सप्ताह तक सऊदी अरब के विभिन्न धार्मिक स्थलों का दौरा करेगा, और यह सुनिश्चित करेगा कि जब भारतीय हज यात्री यहां पहुंचें तो उनके लिए पहले से ही बेहतर इंतजाम किये जा सकें। इस प्रतिनिधिमंडल में दिल्ली और बिहार राज्य हज समिति के कार्यपालक अधिकारियों के अलावा हज कमेटी ऑफ़ इंडिया मुम्बई के उप कार्यपालक अधिकारी भी शामिल हैं।

स्टेट पर्यटन अवॉर्ड्स के लिए आवेदन आमंत्रित

अमृत विचार, लखनऊ : राष्ट्रीय पर्यटन दिवस 2026 के अवसर पर उप्र. पर्यटन विभाग ने स्टेट पर्यटन अवॉर्ड्स-2026 की घोषणा की है। इन पुरस्कारों से राज्य के उन गांवों, ग्रामीण होमस्टे और फार्म स्टे को सम्मानित किया जाएगा, जो स्थानीय संस्कृति, सामुदायिक सहभागिता और जिम्मेदार पर्यटन के जरिए ग्रामीण पर्यटन को नई पहचान दे रहे हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शनिवार को बताया कि पुरस्कारों के लिए तीन श्रेणियों में आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, बेस्ट पर्यटन गांव 2026, बेस्ट होमस्टे (ग्रामीण) और बेस्ट फार्म स्टे। खास बात यह है कि उप्र. पर्यटन विभाग में पंजीकृत न होने वाले पात्र हितधारक भी इन पुरस्कारों के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन उत्तर प्रदेश पर्यटन की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म के माध्यम से किए जाएंगे।

पवित्रता, संवाद और समन्वय से सकुशल होंगे सभी स्नान : योगी

मुख्यमंत्री ने तीर्थराज प्रयागराज पहुंचकर की माघ मेले की तैयारी की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/प्रयागराज

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को माघ मेले की तैयारी को लेकर प्रयागराज दौरे के दौरान समीक्षा करते हुए विश्वास जताया कि पवित्रता, संवाद और समन्वय के साथ सभी प्रमुख स्नान पर्व सकुशल संपन्न होंगे। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रशासन की सजगता, तकनीक के प्रभावी उपयोग और सभी विभागों के आपसी सहयोग से श्रद्धालुओं की सुविधाएं और सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष माघ मेला 3 जनवरी से प्रारंभ होकर 15 फरवरी तक चलेगा। इतने लंबे आयोजन को देखते हुए सरकार और प्रशासन सभी व्यवस्थाओं पर निरंतर निगरानी रखे हुए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि पौष पूर्णिमा पर जहां 10 से 15 लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान था, वहीं 31 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने पावन त्रिवेणी में स्नान किया। कल्पवासी एक माह के कल्पवास हेतु तप-साधना में लीन हैं, जिनकी सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी के अनुसार 14-15 जनवरी को मकर संक्रांति, 18 जनवरी को मौनी अमावस्या, 23 जनवरी को वसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा और 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के प्रमुख स्नान संपन्न होंगे। इन सभी पर्वों को सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से कराने के लिए व्यापक तैयारी की गई हैं। इस वर्ष घाटों की लंबाई बढ़ाई गई है, जिससे श्रद्धालुओं को अधिक स्थान मिल सके। स्वच्छता पर विशेष जोर दिया गया है और शीतलहर से बचाव के लिए अलाव, रैन बसेरे व स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि भीड़ प्रबंधन के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है।

माघ मेले की तैयारी परखने प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री योगी संगम पर पूजा-अर्चना करते हुए, साथ में अन्य।

श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करेगा 'माघ मेला सेवा ऐप', योगी ने किया उद्घाटन

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज में समीक्षा बैठक से पहले तीर्थयात्रियों को डिजिटल मार्गदर्शन देने वाले 'माघ मेला सेवा ऐप' का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक के माध्यम से श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। मेला प्रशासन के अनुसार, यह एप इस तरह से डिजाइन किया गया है कि मेला क्षेत्र के किसी भी हिस्से में मौजूद श्रद्धालु या पर्यटक सीधे प्रशासन से जुड़ सकेगा।

'माघ मेला सेवा ऐप' का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य।

सरकारी नौकरी के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वालों पर ईडी का शिकंजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- देशभर में 16 ठिकानों पर छापे फर्जी जॉइनिंग लेटर से लेकर डिजिटल सबूत जब्त
- लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, मुजफ्फरपुर, कोलकाता, चेन्नई, समेत कई शहरों में छापेमारी

अमृत विचार: सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर चल रहे बड़े फर्जीवाड़े के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की है। ईडी के पटना क्षेत्रीय कार्यालय की टीम ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत देश के 16 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान ईडी को बिक्री विलेख, बैंक खातों का विवरण, हस्तलिखित नोट्स, चेक, ऋण समझौते, निवेश से जुड़े कागजात, फर्जी नौकरी विज्ञापनों की प्रतियां और डिजिटल साक्ष्य सहित कई अहम दस्तावेज हाथ लगे हैं। इन सभी दस्तावेजों को जब्त कर लिया गया है। जिनके आधार पर जांच कर रही है।

प्रवर्तन निदेशालय के पटना यूनिट की टीम ने शुक्रवार को यह कार्रवाई मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, कोलकाता, एर्नाकुलम, पंडालम, अडूर, कोडूर, चेन्नई, राजकोट, गोरखपुर, प्रयागराज और लखनऊ समेत 16 शहरों में की गई। ईडी ने यह जांच बिहार के सोनपुर रेलवे स्टेशन पर नौकरी चाहने वालों को फंसाते पाए गए दीपक कुमार तिवारी और सक्षम श्रीवास्तव के खिलाफ सोनपुर जीआरपी थाना में दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की। यह एफआईआर बीएनएस 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज की गई थी। पूछताछ में सामने आया कि दोनों एक संगठित गिरोह का हिस्सा हैं, जो सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर लोगों से ठगी करता था।

रेलवे और अन्य विभागों में नौकरी का झांसा

जांच में खुलासा हुआ कि यह गिरोह भारतीय रेलवे और अन्य सरकारी विभागों में आरपीएफ, टीटीई, तकनीशियन जैसे पदों के इच्छुक उम्मीदवारों को निशाना बनाता था। गिरोह फर्जी जॉइनिंग लेटर तैयार करता था, फर्जी प्रशिक्षण केंद्र चलाता था। नकली पहचान पत्र भी बनवाता था। इतना ही नहीं, आरोपियों ने सरकारी ईमेल आईडी से मिलती-जुलती फर्जी ईमेल आईडी तैयार की थीं, जैसे 'gm .eer . rail .net .gov .in@gmail .com', ताकि रेल मंत्रालय का रूप धारण कर उम्मीदवारों को फर्जी जॉइनिंग लेटर भेजे जा सकें।

वेतन देकर बनाया भरोसा

नौकरी के ऑफर लेटर को असली दिखाने के लिए गिरोह उम्मीदवारों को दो से तीन महीने तक वेतन भी देता था। यह भुगतान सरकारी बैंक खातों जैसे "मेसर्स ट्रेजरी ऑफिस आरओ", "मेसर्स एफसीआई आरओ", "आरआरबी" और "बाय सैलरी" जैसे नामों से किए गए खातों के जरिए किया जाता था, जिससे उम्मीदवारों को नौकरी के वैध होने का भरोसा हो जाए। ईडी अधिकारियों के अनुसार मामले में धन शोधन के स्पष्ट संकेत मिले हैं। जब्त दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पूरे नेटवर्क की परत दर परत जांच की जा रही है। जल्द ही इस मामले में कई आरोपियों की गिरफ्तारी भी होगी।

3,706 करोड़ की सेमीकंडक्टर परियोजना में राहत, शासनादेश जारी

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में निवेश को गति देने के लिए एक महत्वपूर्ण शासनादेश में 3,706 करोड़ की सेमीकंडक्टर परियोजना को बड़ी राहत दी है। इसके माध्यम से यूपी सेमीकंडक्टर नीति-2024 के अंतर्गत मेसर्स वामा सुंदरी इन्वेस्टमेंट्स (दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में पूर्व में जारी लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) में संशोधन करते हुए अब इसे परियोजना कंपनी मेसर्स इंडिया चिप प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जारी करने का निर्णय लिया गया है।

यह निर्णय भारत सरकार के इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के अनुरोध पर लिया गया है। शासनादेश के अनुसार, यह परियोजना यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में स्थापित की जानी है। परियोजना का कुल निवेश लगभग 3,706 .12 करोड़ रुपये है। इसके तहत आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्टिंग सुविधा स्थापित की जाएगी।

308.59 करोड़ से खरीदे जाएंगे जूट बोरे

अमृत विचार, लखनऊ : खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत धान खरीद और सीएमआर (कस्टम मिल्ड राइस) आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए शासन ने बड़ा वित्तीय निर्णय लिया है। शासनादेश के अनुसार, भारत सरकार के 10वें आपूर्ति योजना के अंतर्गत आवंटित 87,000 जूट बोरों की खरीद के लिए 3,08,59,42,200 रुपये (लगभग 308 .59 करोड़) के अग्रिम आहरण को स्वीकृति दी गई है।

स्किल्स प्रतियोगिता के पंजीकरण में यूपी आगे

अमृत विचार, लखनऊ : इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2025 के अंतर्गत उप्र. में आयोजित होने जा रही राज्य स्तरीय स्किल्स प्रतियोगिता के लिए तैयारी अंतिम चरण में हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने 1,09,249 पंजीकरण के साथ देश में सर्वाधिक प्रतिभागियों वाला अग्रणी राज्य बनने का गौरव हासिल किया है। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने शनिवार को बताया कि जिला और मंडल स्तर की प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक संपन्न हो चुकी हैं। अब राज्य स्तरीय स्किल्स कम्पटीशन का आयोजन 12, 13, 19, 20, 22 और 23 जनवरी 2026 को लखनऊ में किया जाएगा, जबकि 24 जनवरी 2026 को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित होगा।

आगरा, वाराणसी और उन्नाव में चार बड़े एसटीपी शुरू

लखनऊ : आगरा ।वाराणसी और उन्नाव में चार बड़े सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) शुरू हो गई है। इससे करीब 50 लाख लोगों को सीधा लाभ मिलेगा और अब शहरों का गंदा पानी बिना शोधन के गंगा-यमुना में नहीं जाएगा। आगरा में 31 एमएलडी और 35 एमएलडी क्षमता के दो एसटीपी चालू हुए हैं। 842 करोड़ रुपये की इन परियोजनाओं से लगभग 25 लाख लोगों को लाभ मिलेगा। वहीं वाराणसी के अस्सी-बीएचयू क्षेत्र में 55 एमएलडी एसटीपी का संचालन शुरू किया गया है, जिस पर 308 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं और इससे 18 लाख से अधिक लोग लाभान्वित होंगे। शुक्लागंज में 65 करोड़ रुपये की लागत से 5 एमएलडी एसटीपी शुरू हुआ है, जिससे तीन लाख से अधिक आबादी को फायदा मिलेगा। राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के परियोजना निदेशक जोगिन्दर सिंह के अनुसार प्रदेश में कुल 74 सीवर शोधन परियोजनाएं स्वीकृत हैं, जिनमें से 41 पूर्ण हो चुकी हैं। वर्तमान में 152 एसटीपी संचालित हैं।

B.L. INTERNATIONAL SCHOOL
RIGHT CHOICE FOR YOUR BABAY'S FUTURE
NC to XII
CBSE AFFILIATED
ADMISSION OPEN
Digital Classes
Smart Technology
Various Sports Facilities
Creative Education
Transportation Available
Air-Conditioned Library
Best Faculty
Special Designed Lab
आवश्यकता है
All subject PRT,TGT, PGT teachers and Hindi, English Typist. Male/Female.
Rajesh Gupta
Chairman
Entire Campus Under CCTV Surveillance
C.B. Ganj, Delhi Road, Near Amrapali Mall, Bareilly E-mail: blinternationalschool@gmail.com
Cell 9927800055, 8958827301

BOOKING OPEN
Hotel Comfort INN BL
4 Star Hotel
किला से मात्र 3 किमी. दूरी पर
Wedding Season - BOOK BEST WEDDING DESTINATION in YOUR BUDGET
& Feel Difference with Wonderful Packages
सगाई से विदाई तक...
Banquet Lawn for 800 Person
Birthday | Kitty | Meeting Party | AC Hall
Largest Parking Space Available
Restaurant Veg / Non Veg / South Indian
Catering etc. Available
Luxury AC Rooms Available
A UNIT OF B.L. HOTELS & HOSPITALITY
Wedding Decoration
Lush Green Lawn
C.P.-5, Lohiya Vihar, Near Amrapali Mall, C.B. Ganj, Rampur Road, Bareilly E-mail : sales@blhotel.in
+91-9012416566, +91-8650504430/36

श्रद्धांजलि सभा
अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित किया जाता है
कि हम सबके प्रिय
प्रो० (डॉ.) श्यामबिहारी लाल जी
माननीय विधायक फरीदपुर
अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर दिनांक 02 जनवरी 2026 को प्रभु चरणों में लीन हो गये। दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना एवं श्रद्धांजलि अर्पण करने के लिए आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थित है।
रविवार, 11 जनवरी 2026 समय : अपराहन 12.00 बजे
स्थान : सत्संग भवन, फरीदपुर, बरेली
शोकाकुल परिवार
श्रीमती मंजू लता (पत्नी)
पुत्र : ईशान ग्वाल
पुत्री-दामाद :
शिल्पा ग्वाल-धनंजय विक्रम सिंह
शिवानी ग्वाल-कश्यप व्यास
भाई-भावज :
डॉ. श्रीपाल सिंह-सोनम ग्वाल
बहन-बहनोई :
प्रेम प्रकाश- मधुबाला
नाती : अगस्त्य कश्यप व्यास

न्यूज ब्रीफ

मुख्य न्यायाधीश बने वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता, ली शपथ

देहरादून, अमृत विचार : राज्यपाल गुरमीत सिंह ने शनिवार को लोक भवन देहरादून में उत्तराखंड उच्च न्यायालय के नवनियुक्त मुख्य न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता को पद की शपथ दिलायी। इस अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने राष्ट्रपति द्वारा वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता को उत्तराखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति बनाए जाने से संबंधित अधिपत्र का वाचन किया।

सोलर क्षेत्र में यूपी बना रोल मॉडल

अमृत विचार, लखनऊ : पीएम सूर्य घर योजना के तहत यूपी का रूफटॉप सोलर मॉडल अब राष्ट्रीय स्तर पर रोल मॉडल बन गया है। इसकी सफलता से प्रभावित होकर बिहार और असम ने यूपी के सोलर मॉडल को अपनाने की पहल की है। इन राज्यों के आग्रह पर यूपी के सोलर विशेषज्ञ वहां जाकर प्रशिक्षण और प्रस्तुतीकरण दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश नवीन एवं अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) के एमडी इंद्रजीत सिंह के अनुसार, यूपी का सोलर मॉडल अब पूरे देश में एक सफल केस-स्टडी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

उत्तराखंड बंद आज रहेगी कड़ी चौकसी

देहरादून, अमृत विचार : अंकिता भंडारी हत्याकांड में सीबीआई जांच की मांग को लेकर आज विभिन्न राजनैतिक एवं गैर राजनैतिक संगठनों द्वारा उत्तराखंड बंद का आह्वान किया गया है। इसको देखते हुए प्रदेश में कड़ी चौकसी रहेगी। आईजी गढ़वाल राजीव स्वरूप ने कहा कि, आम जनमानस की सुरक्षा और सुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा ताकि आम जनता को असुविधा न हो।

इसरो के मिशन अन्वेषा पर एरीज की नजर

नैनीताल, अमृत विचार : पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी) सी 62 के साथ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) नए साल में अंतरिक्ष में पहली बहुउद्देशीय छलांग लगाने जा रहा है। अन्वेषा नामक यह मिशन रक्षा और रणनीतिक उद्देश्य (बॉर्डर सर्विलांस, इंटेलिजेंस), कृषि, शहरी मैपिंग के अलावा पर्यावरण मॉनिटरिंग को लेकर लॉन्च किया जा रहा है। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के पर्यावरण वैज्ञानिकों को मिशन के प्रक्षेपण का बेसब्री से इंतजार है। एरीज के निदेशक डॉ. मनीष नाजा के अनुसार, अंतरिक्ष की दिशा में भारतीय तकनीक निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है और यह लॉन्चिंग देश को नया मुकाम प्रदान करेगी। पर्यावरण की मॉनिटरिंग भी इस मिशन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिस कारण एरीज के लिए यह मिशन महत्वपूर्ण हो जाता है।

यूपी बना संघ की बड़ी प्रयोगशाला, ढांचे में सर्जरी से मिलेगी नई दिशा

वृंदावन मंथन में हिंदुत्व का विस्तार, सामाजिक संतुलन और भाजपा-संघ रिश्तों पर फोकस

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

अमृत विचार: मथुरा के वृंदावन स्थित केशव धाम में हुई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक ने यह संकेत साफ कर दिया है कि उत्तर प्रदेश आने वाले वर्षों में संघ की सबसे बड़ी सामाजिक-राजनीतिक प्रयोगशाला बनने जा रहा है। 2027 के विधानसभा चुनाव को केंद्र में रखकर संघ ने संगठनात्मक ढांचे, सामाजिक रणनीति और भारतीय जनता पार्टी के साथ समन्वय, तीनों मोर्चों पर एक साथ हस्तक्षेप की विस्तृत रूपरेखा तैयार की है।

वृंदावन की यह बैठक बताती है कि संघ खुद को सिर्फ वैचारिक संगठन तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि सामाजिक-राजनीतिक दिशा तय करने वाली शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहता है। ढांचे की सर्जरी, ओबीसी-पसमांदा फोकस और भाजपा के साथ री-सेटेड रिश्ते, ये सभी 2027 की तैयारी की कड़ियां हैं। आने वाले महीनों में यूपी की गलियों और गांवों में संघ की बढ़ती मौजूदगी प्रदेश की राजनीति को नई दिशा दे सकती है।

- मोहल्लों तक सीधी पैठ से लेकर पसमांदा मुस्लिम रणनीति तक ढांचे में होगा बड़ा बदलाव

बैठक का सबसे अहम फैसला संघ के सांगठनिक ढांचे में प्रस्तावित बड़ा पुनर्गठन है। अब तक प्रांत स्तर पर सक्रिय प्रांत प्रचारकों की भूमिका में बदलाव कर उन्हें प्रदेश स्तर पर केंद्रित किया जाएगा, जबकि संभाग स्तर पर नए प्रचारकों की तैनाती होगी। इसका सीधा संदेश है कि संघ अब और नीचे, मोहल्लों, बस्तियों और गांवों तक सीधी पहुंच बनाना चाहता है। संघ पदाधिकारियों के अनुसार, बीते वर्षों में विस्तार के बावजूद कई क्षेत्रों में संपर्क शिथिल पड़ा है। नई व्यवस्था का उद्देश्य निष्क्रिय स्वयंसेवकों को फिर से सक्रिय करना और स्थानीय सामाजिक ताने-बाने में संघ की रोजमर्रा की मौजूदगी को मजबूत करना है। मार्च से देशभर में लागू होने वाली यह प्रणाली यूपी में प्राथमिकता के साथ जमीन पर उतरेगी।

सामाजिक समरसता का गणित

बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत का संदेश स्पष्ट रहा कि हिंदुत्व को केवल प्रतीकों और आंदोलनों तक सीमित न रखकर शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा गतिविधियों के जरिए समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। यूपी के संदर्भ में इसका अर्थ मंदिर-आंदोलन के पुराने फ्रेम से आगे बढ़कर सामाजिक नेटवर्क, सांस्कृतिक सक्रियता और सेवा कार्यों के जरिए हिंदू समाज को जोड़ना है। संघ के आकलन में ओबीसी वर्ग यूपी की राजनीति की निर्णायक धुरी है। इसलिए 'सामाजिक समरसता' को हिंदुत्व की व्यापक अवधारणा से जोड़ा जा रहा है।

2024 से सबक 2027 पर नजर

वृंदावन में भाजपा नेतृत्व के साथ हुई समन्वय बैठकों में संगठन महामंत्री बीएल संतोष सहित शीर्ष पदाधिकारी शामिल रहे। 2024 के लोकसभा चुनाव में लगे झटके के फीडबैक, फॉलो-अप और समन्वय पर खुली चर्चा हुई।

पसमांदा मुस्लिम रणनीति संवेदनशील पर दूरगामी दांव

बैठक का सबसे संवेदनशील और चर्चित मुद्दा पसमांदा मुस्लिमों को लेकर बनी रणनीति रही। कारीगर, बुनकर और मजदूर तबके से जुड़े पसमांदा समाज को मुख्यधारा से जोड़कर मुस्लिम समाज के भीतर वैकल्पिक विमर्श खड़ा करने की कोशिश मानी जा रही है, जो राजनीतिक रूप से जोखिम भरी, लेकिन दूरगामी असर वाली रणनीति है।

समरस मैराथन आज जुटेंगे देशभर के धावक

अमृत विचार, लखनऊ : अभ्युदय यूथ क्लब के तत्वावधान में 'समरस मैराथन' का आयोजन 11 जनवरी (रविवार) को लखनऊ में किया जा रहा है। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित मैराथन स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरित है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह झंडी दिखाकर पांच किलोमीटर की मैराथन का शुभारंभ करेंगे। जिसमें देशभर से पुरुष एवं महिला धावक प्रतिभाग करेंगे। सुबह 7 बजे से शुरू होने वाली मैराथन का स्थल कुड़ियाघाट (ग्रीन कॉरिडोर रोड), घंटाघर, निर्धारित किया गया है। पुरुष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 10,000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 5,000, तृतीय पुरस्कार 3,000, 7 धावकों को 500-500 रुपये के सांत्वना पुरस्कार और महिला वर्ग में भी कुल 10 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

एटीएस की रिपोर्ट में देश विरोधी गतिविधियों का हुआ खुलासा

मुबारकपुर स्थित मदरसा के मामले में चौंकाने वाले तथ्य मिले

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: आजमगढ़ के मुबारकपुर स्थित मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत मदरसा अशरफिया (मिस्बाहुल उलूम) पर लगे देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की पुष्टि एटीएस की रिपोर्ट में हुई। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) वाराणसी यूनिट ने 23 जुलाई 2025 को अपनी रिपोर्ट शासन को भेजी थी। जिसमें मदरसे और उससे जुड़े व्यक्तियों के विरुद्ध चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

एटीएस समेत अपर जिलाधिकारी प्रशासन, अपर पुलिस अधीक्षक, उपनिदेशक अल्पसंख्यक कल्याण और पुलिस उपाधीक्षक द्वारा की गई संयुक्त जांच में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी शमशुल हुदा खान वर्ष 2007 से ही मैनचेस्टर (ब्रिटेन) में रह रहा था। 19 दिसंबर 2013 को उसने स्वेच्छा से भारतीय नागरिकता त्याग कर ब्रिटिश नागरिकता प्राप्त कर ली, इसके बावजूद 31 जुलाई 2017 तक मदरसा अशरफिया में सहायक अध्यापक के पद पर रहते हुए अवैध रूप से वेतन प्राप्त करता रहा। रिपोर्ट के अनुसार शमसुल हुदा खान की नियुक्ति 12 जुलाई 1984 को सहायक अध्यापक (आलिया) पद पर हुई थी। जांच में यह भी सामने आया कि लगभग पांच वर्षों तक बिना सेवा दिए ही उसने वेतन लिया।

इस पूरे प्रकरण में तत्कालीन प्रधानाध्यापक मोहम्मद अहमद मिस्बाही, बाद के प्रधानाध्यापक निजामुद्दीन रिजवी और मदरसा संचालक हाजी सरफराज अहमद की मिलीभगत से यह संभव हुआ। एटीएस और शासन की रिपोर्ट में इन तथ्यों की गंभीरता को देखते हुए मदरसा अशरफिया, शमसुल हुदा खान द्वारा संचालित मदरसा कुलियातुल बनातीर रजबिया गर्ल्स मदरसा, संबंधित एनजीओ और रजा फाउंडेशन की विस्तृत जांच कराते हुए दोनों मदरसों और एनजीओ की मान्यता निरस्त करने तथा संबंधित विभागों द्वारा एफआईआर दर्ज कर विधिक कार्रवाई किए जाने की सिफारिश की गई है।

शमशुल ने ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सिंगापुर, श्रीलंका और पाकिस्तान की बार-बार की यात्राएं

एटीएस की रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि नौकरी के दौरान शमशुल हुदा खान ने ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सिंगापुर, श्रीलंका और पाकिस्तान की बार-बार यात्राएं कीं। विदेशों में रहते हुए उसने मदरसे के लिए फंड एकत्र करने, कमीशनखोरी और दलाली करने के आरोप भी लगाए गए हैं। जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि उसने कुलियातुल बनातीर रजबिया एजूकेशनल एंड वेलफेयर सोसाइटी और रजा फाउंडेशन नामक एनजीओ बनाकर तथा खलीलाबाद में एक मदरसे का निर्माण कराकर विदेशी फंडिंग जुटाई। रिपोर्ट में शमसुल हुदा खान की गतिविधियों को संदिग्ध बताते हुए कहा गया है कि वह विदेशों में इस्लामी विषयों पर ऑफलाइन और ऑनलाइन तकरीरें करता रहा, भारत के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों को जोड़कर धर्म प्रचार के नाम पर इस्लामीकरण को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया।

- ब्रिटेन की नागरिकता हासिल करने वाले मौलाना को देते रहे वेतन विदेशी फंडिंग भी कराई गई

मृतक बीएलओ के परिजनों को सपा ने सौंपे दो लाख के चेक

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय में मुरादाबाद और देवरिया के मृतक बीएलओ के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

इसी क्रम में उन्होंने शनिवार को मुरादाबाद के मृतक बीएलओ सर्वेश सिंह जाटव (सहायक अध्यापक) की पत्नी बबली देवी को दो लाख रुपये का चेक सौंपा।

राम मंदिर में नमाज पढ़ने की कोशिश, जांच शुरू

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : राम मंदिर में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक मुस्लिम व्यक्ति ने दक्षिणी परकोटे के पास नमाज पढ़ने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद सुरक्षा बलों ने तत्परता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया, इस दौरान उसने धार्मिक नारे भी लगाए।

आरोपी के पास मिले आधार कार्ड से उसकी पहचान अब अहद शेख निवासी शोपियां जम्मू कश्मीर के रूप में हुई। विभिन्न जांच एजेंसियों के अधिकारी आरोपी से पूछताछ कर रहे हैं। इसके लिए जम्मू कश्मीर पुलिस से भी संपर्क साधा गया है। आरोपी ने शनिवार दोपहर श्रीराम जन्मभूमि पथ से सामान्य दर्शन वाली लाइन में लगकर मंदिर परिसर में प्रवेश किया। वह डी-वन क्रॉसिंग से होकर गर्भगृह तक पहुंचा व रामलला के दर्शन किए। इसके बाद वह दक्षिणी परकोटे के पास एक खाली स्थान पर जमीन पर बैठकर नमाज पढ़ने की कोशिश कर रहा था, तभी वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों ने उसे दबोच लिया।

आगरा में क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर 100 करोड़ की ठगी

आगरा, एजेंसी: जिले में क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर 100 करोड़ से अधिक रुपए की ठगी करने वाले दो शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शनिवार को थाना साइबर सेल दो शातिर विनोद और विनय को गिरफ्तार किया। विनोद बागपत जिला का रहने वाला है जबकि विनय लखनऊ का रहने वाला है। इस गैंग का एक आरोपी अजय को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है। पुलिस के मुताबिक फर्जी वेबसाइट बना कर क्रिप्टो करेंसी में इन्वेस्ट करके रकम को कई गुना करने का लालच दिया करते थे।

मेरठ कपसाड़ कांड का आरोपी हरिद्वार से गिरफ्तार, युवती सकुशल बरामद

मेरठ, एजेंसी

मेरठ में सरधना क्षेत्र के कपसाड़ गांव में मां की हत्या कर बेटी का अपहरण करने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने वारदात के तीसरे दिन शनिवार को हरिद्वार में गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तारी के साथ ही वह युवती भी सकुशल बरामद कर ली गई, जिसकी तलाश में पूरा प्रशासन पिछले दो दिनों से अलर्ट मोड पर था। पुलिस के अनुसार आरोपी पारस सोम को हरिद्वार के एक होटल से दबोचा गया जहां वह युवती के साथ छिपा हुआ था। बरामदगी और गिरफ्तारी के बाद दोनों को पुलिस टीम मेरठ लेकर आई। इससे पहले इस मामले में पारस के सहयोगी सुनील सोम को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पारस सोम और रूबी एक ही गांव के इंटर कॉलेज में साथ पढ़ते थे।

38 बांग्लादेशी नागरिकों को निर्वासित किया गया

आगरा, एजेंसी: जिले में अवैध रूप से प्रवास कर रहे 38 बांग्लादेशी नागरिकों को निर्वासित करके उनके देश वापस भेजने के लिए शनिवार को यहां से रवाना किया गया। सहायक पुलिस आयुक्त (अभिसूचना) दिनेश सिंह ने बताया कि आगरा के सिकंदरा थानाक्षेत्र के सेक्टर-15 में अवैध रूप से रह रहे 38 बांग्लादेशी पकड़े गए और किसी के भी पास कोई वैध दस्तावेज नहीं था।

बेटे के जन्म से एक घंटा पहले पिता की मौत

संवाददाता, तिलहर (शाहजहांपुर)

मनोज।

- परिजन ने गला दबाकर हत्या करने का लगाया आरोप

अमृत विचार: बेटे के जन्म से ठीक एक घंटा पहले एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर नगरिया मोड़ के पास ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक की जान चली गई। युवक अपनी गर्भवती पत्नी को राजकीय मेडिकल कॉलेज से तिलहर के निजी अस्पताल भेजकर खुद बाइक से पीछे आ रहा था।

तिलहर थाना क्षेत्र के गांव रोशनपुर निवासी 27 वर्षीय मनोज की पत्नी सरस्वती को प्रसव पीड़ा हुई थी। मनोज उसे शुक्रवार शाम करीब आठ बजे राजकीय मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचा था, लेकिन वहां डॉक्टर न होने के कारण भर्ती नहीं किया गया। स्टाफ ने बताया कि महिला का ऑपरेशन होगा और डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए मरीज को कहीं और ले जाएं। इसके बाद मनोज ने अपनी पत्नी को दूसरे वाहन से तिलहर के एक निजी अस्पताल भिजवा दिया और खुद बाइक से पीछे-पीछे चल पड़ा। रात करीब 12 बजे नगरिया मोड़ के पास तेज रफ्तार ट्रक ने मनोज की बाइक को टक्कर मार दी।

वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अतुल श्रीवास्तव

नवजात शिशु को विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है। उनकी त्वचा नाजुक होती है और शिशु की त्वचा अधिक संवेदनशील होते हैं। यहां कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए हैं :

शरीर का तापमान
- **परतें :** शिशु को कपड़ों की परतें पहनाएं ताकि जरूरत पड़ने पर आसानी से उतार सकें।
- **हाथ-पैर :** सुनिश्चित करें कि शिशु के हाथ-पैर हमेशा ढके रहें।
- **ओवरहीटिंग से बचें :** शिशु को ज्यादा गर्म कपड़े न पहनाएं। इससे उन्हें असहज महसूस हो सकता है और गर्मी लग सकती है।

त्वचा की देखभाल
- **मॉइस्चराइज :** शिशु की त्वचा को नम रखने के लिए नियमित रूप से मॉइस्चराइजर लगाएं।
- **नहाना :** गुनगुने पानी से नहाएं और तुरंत सूखें।
- **तेल मालिश :** तेल मालिश शिशु की त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करती है।

कपड़े
- **सूती कपड़े :** सूती कपड़े सबसे अच्छे होते हैं क्योंकि वे हवादार और त्वचा के लिए मुलायम होते हैं।
- **सिर :** शिशु का सिर हमेशा ढका रहना चाहिए।
- कंबल : शिशु को कंबल से ढकें लेकिन ध्यान रखें कि वे सांस ले सकें।

घर का तापमान
- आरामदायक तापमानरू घर का तापमान 22-24 डिग्री सेल्सियस के बीच रखें।
- हीटर : हीटर का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतें। शिशु को हीटर से दूर रखें।

धूप
- सीमित धूपरू धूप में थोड़ी देर के लिए ले जा सकते हैं लेकिन सीधी धूप से बचाएं।

खानपान
- मां का दूध मां का दूध शिशु के लिए सबसे अच्छा भोजन है।

स्वास्थ्य
- नियमित जांच नियमित रूप से डॉक्टर से जांच कराएं।
- समस्या होने पर किसी भी समस्या होने पर तुरंत डश्वक्टर को दिखाएं।

अन्य टिप्स
- **स्तनपान :** शिशु को ज्यादाा से ज्यादा स्तनपान कराएं।
- **अकेला न छोड़ें :** शिशु को कभी अकेला न छोड़ें।
- **साफ-सफाई :** शिशु को साफ-सफाई रखें।

अतिरिक्त सुझाव :
- **नहाने का समय :** सर्दियों में शिशु को रोज न नहलाएं। हफ्ते में 2-3 बार नहलाना पर्याप्त होता है।
- **नमी :** घर में ह्यूमिडिफायर का उपयोग करके हवा को नम रखें।
- **बाहर निकलना :** जब बाहर निकलें तो शिशु को अच्छी तरह से ढकें और कम समय के लिए ही बाहर रहें।

ध्यान दें : यह जानकारी केवल सामान्य जानकारी के लिए है और किसी भी चिकित्सा सलाह के विकल्प के रूप में नहीं ली जानी चाहिए। किसी भी चिंता के लिए अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

कंगारू मदर केयर : नवजात शिशुओं के लिए एक वरदान कंगारू मदर केयर एक ऐसी विधि है जिसमें नवजात शिशु को, खासकर कम वजन वाले या समय से पहले पैदा हुए शिशुओं को, मां की छाती से चिपकाकर रखा जाता है। यह त्वचा से त्वचा का सीधा संपर्क शिशु और मां दोनों के लिए कई फायदेमंद होता है।

कंगारू मदर केयर क्यों महत्वपूर्ण है?
- शरीर का तापमान मां की छाती का तापमान स्थिर रहता है, जिससे शिशु का शरीर का तापमान भी स्थिर रहता है।
- स्तनपान : यह स्तनपान को बढ़ावा देता है, क्योंकि शिशु मां के स्तन के संपर्क में रहता है और आसानी से दूध पी सकता है।
- शारीरिक विकास : यह शिशु के शारीरिक विकास में मदद करता है।
- भावनात्मक जुड़ाव यह मां और शिशु के बीच भावनात्मक जुड़ाव को मजबूत बनाता है।
- संक्रमण से बचाव यह शिशु को संक्रमण से बचाने में मदद करता है।

कंगारू मदर केयर कैसे करें?
- तैयारीरू शिशु को नहलाएं और सूखाएं।
- स्थिति शिशु को मां की छाती पर रखें, ताकि शिशु का सिर मां के कंधे पर और मुंह स्तन की ओर हो।
- ढकें शिशु को एक पतले कपड़े से ढक दें।
- समय कम से कम 8 घंटे या जितना हो सके उतना समय तक शिशु को मां की छाती से चिपकाकर रखें।

कंगारू मदर केयर के फायदे
- शिशु के लिए
- शरीर का तापमान स्थिर रहता है।
- स्तनपान बढ़ता है।
- शारीरिक विकास होता है।
- संक्रमण का खतरा कम होता है।
- भावनात्मक रूप से सुरक्षित महसूस करता है।

मां के लिए
- स्तनपान को बढ़ावा मिलता है।
- शिशु के साथ भावनात्मक जुड़ाव बढ़ता है।

डिप्रेशन का खतरा कम होता है।

कब करें कंगारू मदर केयर?
- कम वजन वाले शिशु
- समय से पहले पैदा हुए शिशु
- सांस लेने में समस्या वाले शिशु

डा. अतुल श्रीवास्तव
एम.बी.बी.एस., एम.डी.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ

किन बातों का ध्यान रखें?
- शिशु को हर 3 घंटे में दूध पिलाएं।
- शिशु को गर्म रखें लेकिन ज्यादा गर्म न करें।
- शिशु को नियमित रूप से जांचें।
- किसी भी समस्या के लिए डॉक्टर से संपर्क करें।

कंगारू मदर केयर एक सरल और प्रभावी तरीका है जिससे नवजात शिशुओं को स्वस्थ और मजबूत बनाया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

सीरियस बच्चों के लिए
- वेंटिलेटर चाहिए
- CPAP चाहिए
- दौरे पड़ रहे हैं
- बेहोश है
- BP कम हो गया है
- पेशाब बंद/कम
- दूध नहीं पी रहा है
- सांस बहुत तेज चल रही है

कपया ध्यान दें : यह जानकारी केवल सामान्य जानकारी के लिए है और किसी भी चिकित्सा सलाह के विकल्प के रूप में नहीं ली जानी चाहिए। किसी भी चिंता के लिए अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

RUCHI IVF
निकट टेलीफोन एक्सचेंज, चौपला बरेली
मो. 9927077872

advt

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 11 जनवरी 2026

बरेली देहात

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता

M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक
एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक

सुविधायें

ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन

Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location

सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

छह माह के प्यार में किशोरी ने प्रेमी पर किया भरोसा, हुआ अपहरण

कोचिंग जाते समय किशोरी का किया था अपहरण, पुलिस ने तीन युवकों को पकड़ा

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार : छात्रा का अपहरण करने वाले तीनों ही आरोपी शनिवार को पुलिस ने जेल भेज दिए। जेल भेजे जाते समय आरोपियों के परिजन फूट फूटकर खूब रोए। पुलिस ने छात्रा को नारी निकेतन भेज दिया।

पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी अर्जुन ने बताया कि उसने दीपकबाबू और सनी के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया। तीनों ही गोंच पीलीभीत के रहने वाले हैं। आरोपी प्रेमी अर्जुन ने छात्रा के अपहरण और फिरौती कांड का पूरा सच कबूल कर लिया। बताया कि करीब छह माह पहले उसकी दोस्ती इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी। वर्तमान में वह दिल्ली के कृष्णा नगर स्थित मन्नत होटल में हाउसकीपिंग का काम करता है,

नवंबर माह में मजाक-मजाक में उसने छात्रा से पूछ लिया था कि यदि वह उसे लेकर चला जाए तो उसके घरवाले कितने रुपये देंगे। इस पर

अपहरण व फिरौती के तीनों आरोपियों को जेल भेजती पुलिस। ● अमृत विचार

किशोरी छात्रा ने बताया था कि वह घर में अकेली है और उसके घरवाले उसके लिए 10 से 15 लाख रुपये तक दे सकते हैं। यह बात सुनकर अर्जुन के मन में लालच जाग गया।

कुछ समय बाद आरोपी ऑनलाइन गेम में 60 हजार रुपये हार गया, जिसके बाद उस पर कर्ज का दबाव बढ़ गया। पैसों की जरूरत पूरी न होने पर उसने अपने गांव के ही रहने वाले सन्नी और दीपक बाबू के साथ मिलकर अपहरण और फिरौती की योजना बनाई। दोनों साथी वर्तमान में नवाबगंज कस्बे में ही किराए पर रहकर पढ़ाई और पार्ट-टाइम काम करते हैं।

योजना के तहत आरोपी ने प्यार में बहला-फुसलाकर छात्रा को बरेली बुलाया। सन्नी ने उसे दीपक के साथ मोटरसाइकिल बैठाकर बरेली भेज दिया, जबकि आरोपी स्वयं बरेली सैटेलाइट पहुंचा। वहां छात्रा का मोबाइल फोन सन्नी के पास छोड़कर आरोपी ने उसके व्हाट्सएप का एक्सेस अपने फोन में ले लिया।

इसके बाद आरोपी ने छात्रा को बहाने से दिल्ली ले जाकर एक जानकार के होटल में ठहराया और उसके व्हाट्सएप

- फूट फूटकर रोए आरोपी और परिजन, नवाबगंज में रहकर पढ़ाई कर रहे थे दो आरोपी
- मुख्य आरोपी दिल्ली के एक होटल में हाउसकीपिंग का काम करता था

के जरिए परिजनों से फिरौती की मांग शुरू कर दी। आरोपी और उसके साथियों ने किशोरी के पिता के अलावा उसके चचेरे भाई और कोचिंग शिक्षक को भी मैसेज भेजे। जब परिजन रुपये देने में आनाकानी करने लगे तो आरोपी ने किशोरी को जान से मारने की धमकी देकर जबरन एक ऑडियो रिकॉर्डिंग करवाई, जिसे परिजनों को भेजा गया।

आरोपी ने बताया कि उसका इरादा फिरौती की रकम लेकर छात्रा को छोड़ देने का था। मिलने वाली रकम में से एक-दो लाख रुपये वह अपने साथियों को देता और बाकी रकम से अपना कर्ज चुकाने की योजना थी।पुलिस के अनुसार आरोपियों के इस कबूलनामे के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत, गले पर मिले निशान

संवाददाता, क्योलड़िया

मृतक प्रियंका।

- मायके से आए भाई ने डायल 112 को दी सूचना, हुआ विवाद मारपीट की नौबत

अमृत विचार : संदिग्ध हालात में महिला की मौत हो गई। महिल के भाई ने पुलिस को सूचना दी तो घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। फारेसिंक टीम ने भी पड़ताल की तो महिला के गले में निशान मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की जांच की जाएगी।

बरखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव आमदार के धर्मपाल ने बेटी प्रियंका (30) की शादी जुलाई 2018 में क्योलड़िया के थाना क्षेत्र के गांव असुआ के अशोक कुमार से की थी। दोनों पति-पत्नी से एक बेटा (5) और एक बेटी (3) हैं। शुक्रवार की रात संदिग्ध हालात में महिला की मौत हो गई। अशोक ने अपनी ससुराल में प्रियंका की मौत की खबर दी। सूचना पाकर मायके वाले पहुंचे तो यहां मृतका के भाई दीपक ने डायल 112 को सूचना दी साथ ही ग्रामीणों नेभी पुलिस को सूचना दे दी।

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर देखा मृतका के भाई चार बीघा जमीन को बच्चों के नाम कराने पर पति से बहस कर रहे थे। पति इसके लिए राजी नहीं था। इसी बात पर दोनों तरफ से मारपीट की नौबत आ गई। दोनों पक्षों में धक्का मुक्की शुरू हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फारेंसिक टीम ने भी जांच की।

महिपाल और गैंग पर मुकदमा दर्ज

मीरगंज, अमृत विचार : अपराधी महिपाल एवं उसके गैंग के सदस्यों के खिलाफ गिरोहबंद मामले में मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रभारी निरीक्षक संजय तोमर की तहरीर पर आरोपी महिपाल निवासी कमालपुर अलीगंज, नरेश निवासी गौंटिया डालचंद सिरौली एवं राजकुमार उर्फ डोरी निवासी मानपुर आंवला के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। महिपाल गैंग लीडर है। वह अपने गैंग से मिलकर संगठित गिरोह बनाकर नशे की तस्करी करता है।

आठ माह बाद दो नामजद भेजे जेल

नवाबगंज, अमृत विचार : गांव हसनपुर में युवक छत्रपाल की हत्या के मामले में पुलिस आठ माह बाद शनिवार को बहुचर्चित हत्याकांड में नामजद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। अन्य आरोपी अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं।

घटना 4 मई 2025 की है, जब गांव हसनपुर निवासी छत्रपाल अपने परिचित रामसिंह के पुत्र की लगन की दावत में शामिल होने गया था। देर रात तक घर न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। अगले दिन गांव के ही गन्ने के खेत में छत्रपाल का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था।

गंभीर घटना के बावजूद पुलिस ने तत्काल कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की। परिजनों की मशक्कत और दबाव के बाद करीब तीन माह बाद जाकर पुलिस ने गांव के मदन सिंह, जोगेंद्र, गुलाब सिंह और प्रेम सिंह के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया।

अब आठ माह बीत जाने के बाद पुलिस ने नामजद आरोपियों में से मदन सिंह और जोगेंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करे सरकार

संवाददाता, बरेली

आंवला के एक बैंक्वेट हाल में हुए कार्यक्रम में राष्ट्रीय बजरंग दल के संस्थापक डॉ. प्रवीण तोगड़िया और कार्यकर्ता।

- आंवला में डा. तोगड़िया ने बांग्लादेशी अत्याचारों पर किए तीखे प्रहार
- मंगलवार और शनिवार को सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ करने पर दिया जोर

अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद व राष्ट्रीय बजरंग दल के संस्थापक डॉ. प्रवीण तोगड़िया शनिवार को आंवला के पैलेस में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के लिए भारत सरकार से 1971 की तरह हस्तक्षेप करने की मांग की।

डॉ. तोगड़िया ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। देश में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने पर जोर दिया। कहा यदि किसी परिवार में तीन से अधिक बच्चे हों, तो उन्हें सरकारी स्कूल में प्रवेश, अस्पताल सुविधा, नौकरी, राशन या किसी सरकारी योजना का लाभ न मिले। साथ ही, ऐसे परिवारों का वोट देने का अधिकार भी समाप्त हो जाना चाहिए।

डॉ. तोगड़िया ने हिंदुओं की घटती आबादी पर चिंता जताते हुए हर मंगलवार व शनिवार को सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ करने पर जोर दिया। जम्मू के वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज का जिक्र करते हुए कहा कि हिंदुओं के पैसे से बने इस कॉलेज में दूसरे समुदाय के बच्चों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। कार्यक्रम में काफी भीड़ रही। उन्हें सुनने वाले भारी संख्या में आए।

भारत में किसी बांग्लादेशी को वोट का अधिकार न देने और एसआईआर के मुद्दे पर चुनाव आयोग के पक्ष में बोलते हुए उन्होंने पूरे देश में एक लाख से अधिक सामूहिक हनुमान चालीसा केंद्र स्थापित करने की घोषणा की, ताकि हिंदू एकजुट हो सकें। कस्बे में भव्य यात्रा निकाली गई। जिसका कस्बेवासियों ने जोरदार स्वागत किया। राष्ट्रीय बजरंग दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज, प्रांत महामंत्री सुनील गुप्ता, अनुपम शंखधार, प्रेमपाल सोलंकी, शोखी अग्रवाल, रामगोपाल गुप्ता, अनुपम शंखधार, पवन हिंदू, हिमांशु सोलंकी, विमल गुप्ता, जूही वर्मा, शिव चौधरी, हरेंद्र, नितिन पांडे आदि मौजूद रहे।

Lifelines MEDICAL OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा।
TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आंख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी स्कैन द्वारा पर्दे की जांच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जांच व उपचार
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ड्यूलिप ग्राउंड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
महीने के प्रत्येक रविवार को समय : सुबह 10 बजे से 5 बजे तक
निःशुल्क परामर्श
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D.
Consultant Physician & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
CARE FOR SURE
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली 9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

डिप्टी सीएम से नहीं मिलने दिया

फरीदपुर अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम सरकड़ा में 7 जनवरी को गर्भवती के साथ मारपीट, बेटी के साथ छेड़छाड़ में नामजद पांच लोगों में से किसी की गिरफ्तारी नहीं होने की शिकायत डिप्टी सीएम से नहीं करने नहीं दिया गया। पीडित महिला केशव प्रसाद मौर्य से मिलने पहुंची। आरोप है कि पुलिस ने उसे उपमुख्यमंत्री से नहीं मिलने दिया और उसका प्रार्थना पत्र छीन लिया।

पालिका कर्मी के साथ मारपीट की

संवाददाता, बहेड़ी

- अलाव की लकड़ी डालने जा रहे कर्मचारी को रास्ते में मोहल्ले के लोगों ने रोका, गालियां दी शिकायत

अमृत विचार : अलाव की लकड़ी डालने जा रहे नगर पालिका कर्मचारी के साथ मोहल्ले के लोगों ने मारपीट कर दी। कर्मचारी ने मारपीट करने वालों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है।

नगर पालिका परिषद में तैनात स्थाई कर्मचारी सोनू पुत्र बाबूराम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि वह शुक्रवार शाम सात बजे नगर पालिका की गाड़ी से अलाव की लकड़ी डाल रहा था तभी होली चौराहे पर अभिषेक शर्मा निवासी मोहल्ला शेखपुर ने अपनी बाइक जबरदस्ती नगर पालिका की गाड़ी के सामने लगा दी, इससे मौके पर जाम लग गया।

उसने अभिषेक से गाड़ी हटाने को कहा तो वह उसे जाति सूचकगालियां देने लगा। इसी दौरान उसने अपने चाचा सुरेंद्र शर्मा व तेजपाल शर्मा को भी बुला लिया और उसके साथ मारपीट शुरु कर दी। उसने बताया कि वह वाल्मिकी जाति का है।

शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर आ गए और उन्होंने भी बीच बचाव किया। आरोप है कि इस दौरानआरोपियों ने उसके कपड़े भी फाड़ दिए और उसे मोहल्ले में दुबारा दिखने पर जान से मारने की धमकी दी है।

नहीं हुई गिरफ्तारी, अंत्येष्टि रोकी

संवाददाता, बिथरी चैनपुर: अवैध खनन की मिट्टी से भरी ट्राली से माँ बेटी को कुचलने वाला ट्रैक्टर चालक और उसके पिता की गिरफ्तारी न होने से परिजनों ने दोनों शवों की अंत्येष्टि करने से इनकार कर दिया। पुलिस के जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी के आश्वासन के बाद परिजनों ने अंत्येष्टि कर दी।

शुक्रवार दोपहर पुष्पा (38) पत्नी रामेश्वर निवासी सहजनपुर अपने घर का कूड़ा डालने गांव के रोड किनारे गयी थीं।उनके साथ बेटी स्वेता (4)भी पैदल जा रही थी।तभी पीछे से गांव में अवैध खनन में चल रही ट्रैक्टर ट्राली के चालक विशाल ने स्वेता को टक्कर मार दी।जिससे वह ट्राली

- पुलिस के आश्वासन पर माने,दो को पूछताछ को हिरासत में लिया

के पहिए के नीचे आ गयी।यह देखकर पुष्पा उसे बचाने भागी तो चालक उन्हें भी कुचल कर फरार हो गया। दोनों को बिथरी सीएचसी लाया गया।जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया था। इसी पर ग्रामीणों में आक्रोश था। शनिवार को भी आक्रोश देखने को मिला।परिजनों ने मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी न होने पर आपत्ति जताई और गिरफ्तारी न होने तक अंत्येष्टि करने से इनकार कर दिया। पुलिस ने परिजनों को सख्त कार्यवाही और आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया।जिसके बाद परिजनों ने शवों की अंत्येष्टि कर दी।

एक दिन भी न रुका अवैध खनन और न पहुंचे अफसर

अवैध खनन की ट्राली से कुचलकर दो मौते हो गईं।लेकिन,खनन माफियाओं का अधिकारियों के बीच इतना रसूख है कि एक दिन भी खनन में चलने वाले डंपर और ट्रैक्टर ट्राली के पहिये नही थमे,लगातार उसी गांव की सड़कों पर दौड़ते नजर आए। ग्रामीणों ने बताया कि राजस्व और खनन विभाग के अधिकारी गांव में जांच करने तक नही पहुंचे।

इंस्पेक्टर सीपी शुक्ल ने बताया गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर दो लोगो को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र आशू को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **अनवर हुसैन पुत्र श्री सलीम अंसारी निवासी 108 नवादा जोगियान, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

खाने की आदतें और हमारी मनोदशा

डॉ .कृष्णा नंद पांडेय
वरिष्ठ विज्ञान लेखक

अपने यहां प्रचलित कहावत "जैसा खाओगे अन्न वैसा रहेगा मन" वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सटीक है। पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक आहार हमारे शरीर और मन-मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में अत्यंत सहायक है। संयुक्त राज्य अमेरिका के बेथेस्डा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ यूनिफॉर्म्ड सर्विसेज द्वारा आर्मी, नेवी और एयरफोर्स नामक तीनों प्रमुख सेवाओं से जुड़े कर्मियों को हेल्थ साइंस एजुकेशन और प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियां इन तीनों सुरक्षा सेवाओं के छोटे-बड़े सभी रैंक के अधिकारियों, कर्मियों के उत्तम स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने पर केंद्रित हैं। इस संस्थान के विशेषज्ञों के अनुसार सुरक्षाकर्मियों का दैनिक नियमित आहार सेवन "इंद्रधनुष (रेनबो)" के समान होना चाहिए। सरल शब्दों में कहा जाए, तो दैनिक आहार में रंग-बिरंगे फलों और सब्जियों का सेवन मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में अत्यंत सहायक होता है। यहां के पोषण विशेषज्ञों के अनुसार दिन में नियमित अंतराल पर कई बार और कम मात्रा में आहार का सेवन किया जाना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त ऊर्जा मिलती रहेगी तथा हाइपोग्लाइसीमिया (रक्त में ग्लूकोज की मात्रा सामान्य से नीचे गिरना) की स्थिति से भी बचाव होगा।

देर रात भोजन करना हानिकारक

आहार में रंग-बिरंगे फलों और सब्जियों, फाइबर उपलब्ध कराने वाले साबुत अनाजों तथा प्रचुर मात्रा में अनसैचुरेटेड वसा एवं ओमेगा 3-फैटी एसिड उपलब्ध कराने वाले गिरीदार फलों को सम्मिलित करने से शोथ यानी इन्फ्लैमेशन (सूजन) के कारण उभरने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से बचा जा सकता है। हमारे आहार में प्रीबायोटिक और प्रोबायोटिक खाद्य-पदार्थों को शामिल किया जाना चाहिए। जहां प्रीबायोटिक्स में सेब, केला, बेरीज, हरी सब्जियां, प्याज, टमाटर, लहसुन आदि सम्मिलित हैं, वहीं प्रोबायोटिक खाद्य-पदार्थों में दूध, दही, अचार आदि शामिल हैं। हालांकि इन खाद्य पदार्थों विशेषतया प्रोबायोटिक्स का सेवन संतुलित मात्रा में किया जाना चाहिए, वरना अधिक मात्रा में दूध का सेवन मोटापा का कारण बन सकता है। वहीं अचार में नमक की अधिकता उच्च रक्तचाप का कारण बन सकती है। विटामिन बी युक्त खाद्यों का सेवन प्रचुर मात्रा में किया जाना चाहिए। ये पोषक तत्व शरीर के मेटाबॉलिज्म यानी चयापचय, मस्तिष्क के विकास, रक्त और तंत्रिका कोशिका को स्वस्थ रखने तथा डीएनए के उत्पादन में सहायक होते हैं। विटामिन बी की प्रचुर उपलब्धता से हमारे मूड यानी मनोदशा का निर्धारण करने में सहायक सेरोटोनिन के उत्पादन को बढ़ावा मिलता है। विटामिन बी प्राप्त करने के लिए शाकाहारी भोजन में दूध, आलू, नॉन-साइट्रिक फलों को शामिल किया जाना चाहिए, वहीं पोल्ट्री उत्पाद, मछली, गोश्त, लीवर जैसे मांसाहार विटामिन बी के प्रमुख स्रोत हैं। शरीर को स्फूर्ति और नियमित रूप से ऊर्जा मिलती रहे, इसके लिए आहार और नाश्ते के बीच में संतुलन होना चाहिए, भोजन छूटना नहीं चाहिए। भारत तीज-त्योहारों का देश है, जहां उपवास रखने की परंपरा है। परंतु उपवास के दौरान वर्जित अन्न यानी खाद्य पदार्थों को छोड़कर फल-फूल, दूध-दही के सेवन से शरीर की पोषण आवश्यकताएं पूरी की जा सकती हैं। इससे रक्त में शर्करा यानी चीनी की मात्रा संतुलित बनी रहती है। अस्पताल, रेल विभाग, सुरक्षा सेवा, कल कारखाने से जुड़े व्यक्तियों को रात यानी नाइट शिफ्ट में काम करना होता है। याद रहे, रात में मेटाबॉलिक प्रक्रिया धीमी हो जाती है। रात में भोजन करना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। हालांकि उपयुक्त मात्रा में आहार और खाद्य-पदार्थों का सेवन शरीर को सचेत रखने में सहायक होता है। नाइट शिफ्ट के कर्मियों को उत्तेजक आहार के सेवन से पूरी तरह बचना चाहिए और कैफीन स्रोतों के पेय पदार्थों का सेवन संतुलित मात्रा में ही किया जाना चाहिए। कैफीन युक्त पदार्थों का सेवन सतर्क, चौकस और सावधान रखने में सहायक होते हैं तथा लंबी अवधि तक जागकर काम करने की स्थिति में मानसिक क्षमता को बनाए रखने में भी सहायक होते हैं। मानव शरीर का 50 प्रतिशत से 70 प्रतिशत भार पानी से निर्मित होता है, शारीरिक कार्यों के सुचारु रूप से संचालन के लिए शरीर को नियमित रूप से उपयुक्त मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। आहार में विटामिन-डी की मात्रा बढ़ाना जरूरी होता है। खाद्य पदार्थों में मछली, मछली का तेल, अंडा, मक्खन और लीवर प्राकृतिक रूप से विटामिन-डी के प्रमुख स्रोत हैं। पुष्टीकृत आहार (फोर्टीफाइड फूड्स) से भी विटामिन-डी की मात्रा प्राप्त की जा सकती है। कुछ खाद्य पदार्थों के पौष्टिक मान बढ़ाने के लिए उनके प्रसंस्करण के दौरान विटामिन और मिनरल्स यानी खनिज मिलाए जाते हैं। विटामिन-डी हड्डियों को मजबूत रखते हैं और इन्फ्लैमेशन यानी सूजन से बचाते हैं तथा उनमें एंटीऑक्सीडेंट यानी ऑक्सीकरणरोधी गुण होते हैं। धूप से मानव शरीर को प्राकृतिक रूप से विटामिन-डी प्राप्त होता है। पोषण संबंधी कमियों की आशंका में चिकित्सक से परामर्श लेनी चाहिए, क्योंकि उस स्थिति में तनावग्रस्त होने अथवा मानसिक रूप से बेचैनी जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। शरीर में ऊर्जा, कार्बोहाइड्रेट और माइक्रोन्युट्रिएंट्स यानी सूक्ष्मपोषक तत्वों की बहुत अधिक कमी से तनाव ग्रस्त होने की संभावना बढ़ जाती है।

उत्तम स्वास्थ्य के लिए जीवनशैली में बदलाव जरूरी

- **नियमित व्यायाम** : उत्तम स्वास्थ्य के लिए शारीरिक सक्रियता अत्यंत आवश्यक है। यहां तक कि साधारण चलहलकदमी (वाकिंग) तनाव पैदा करने वाले हॉर्मोन के उत्पादन को घटाने और मनोदशा को सुदृढ़ बनाने में कारगर पाई गई है।
- **पौष्टिक आहार** : आहार में फलों और सब्जियों की प्रचुर मात्रा में उपस्थिति हो तथा शर्करा, कैफीन और तले-भुने खाद्य पदार्थों की मात्रा सीमित हो।
- **नींद को प्राथमिकता** : आज लोग भौतिक सुख-सुविधाओं को जुटाने में प्राय: नींद को नजरअंदाज करते हैं। पर्याप्त नींद के लिए निर्धारित समय पर बिस्तर पर जाएं, बिस्तर पर जाने से पहले मोबाइल फोन, कंप्यूटर, टीवी, आदि के स्क्रीन बंद करें और बेडरूम में आरामदायक परिवेश तैयार करें।
- **मादक पदार्थों का सेवन सीमित करें** : आज एक बहुत बड़ी आबादी किसी न किसी रूप में मादक पदार्थों के सेवन की गिरफ्त में है। इसके पीछे दलील दी जाती है कि नशा करने से मानसिक शांति मिलती है, जबकि होता इसके ठीक विपरीत है। किसी भी प्रकार का नशा करने वाले व्यक्तियों को बिस्तर पर जाने से पहले उससे बचना चैन की नींद में सहायक होता है।

तनाव से निपटना

- **अनावश्यक तनाव से बचें** : अनावश्यक जिम्मेदारियां उठाने के लिए "नहीं" कहना सीखें।
- **स्थिति को बदलें** : तनावपूर्ण स्थिति को बदलने के लिए सीधे संवाद करें।
- **परिस्थिति के अनुकूल बदलाव** : किसी समस्या के संदर्भ में अपने विचार, नजरिया अथवा दृष्टिकोण को बदलना।
- **स्वीकार करें कि आप नहीं बदल सकते** : अनियंत्रित स्थिति से चिंतित होने की बजाय स्वीकार करें कि उस स्थिति से निपटना आप के हाथ में नहीं है।
- **समय का प्रबंधन** : अपने लक्ष्यों को निर्धारित करें और उन्हें वरीयता क्रम में संपन्न करें।
- **सामाजिक नेटवर्क से जुड़ें** : सामाजिक कार्यों की भागीदारी से तनाव कम होता है। ग्रुप के सदस्यों के बीच हास्य-विनोद के संदर्भ में हंसने अथवा सुनने और कहने से तनाव के लिए जिम्मेदार हॉर्मोन का उत्पादन घटता है।
- **मनोदशा साझा करें** : तनावग्रस्त करने वाली समस्या को परिवार के सदस्यों, मित्रों, अथवा अपने चिकित्सक के साथ साझा करें।
- **मनोचिकित्सक की परामर्श लें** : ऐसा लगे कि तनाव के कारण आपके रोजमर्रा जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने लगा है, तो मनोचिकित्सक से परामर्श लेना उपयुक्त होता है।

तनाव के संबंध में क्या कहता है विश्व स्वास्थ्य संगठन

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तनाव ने विश्वव्यापी महामारी का रूप धारण कर लिया है। आज विश्व में लाखों लोग गंभीर तनाव की स्थिति में हैं, जिससे न केवल प्रभावित व्यक्ति का परिवार, बल्कि विश्व की अर्थव्यवस्था भी गंभीर रूप से प्रभावित है। आज भाग-दौड़ भरी जिंदगी और जीवन की आपाधापी में सभी आयुवर्ग के लोग बड़ी संख्या में तनावग्रस्त हैं। विषम परिस्थितियों में तनावग्रस्त होना एक शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक प्रतिक्रिया है। विद्यार्थियों को अप्रत्याशित प्रतिस्पर्धा में सफलता प्राप्त करने, नवयुवकों को रोजगार और मनचाहा साथी प्राप्त करने, प्रौढ़ व्यक्तियों को घर-परिवार की जिम्मेदारियां निभाने तथा वृद्धों को चिंतामुक्त निरोगी जीवन व्यतीत करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। ऐसे में तनावग्रस्त होने की संभावना बनी रहती है। पौष्टिक आहार के सेवन, नियमित व्यायाम, शारीरिक सक्रियता, व्यसन त्याग, सामाजिक कार्यों में भागीदारी जैसी स्थितियां तनाव से मुक्त रहने में अत्यंत प्रभावी हैं।

क्यों जरूरी है आहार और पोषण

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक खाद्य पदार्थों का नियमित सेवन आवश्यक है। आहार हमारे शरीर को ईंधन प्रदान करते हैं। मस्तिष्क, मांसपेशियों और अन्य अंगों को सुचारु रूप से कार्य करने में सहायक होते हैं। पोषक तत्व हमारे शरीर के ऊतकों को बनाने तथा उन्हें स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक होते हैं। उत्तम पोषण डायबिटीज, हृदय रोग जैसे खतरों को कम करता है, वहीं शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। पौष्टिक आहार गर्भवती महिलाओं में भ्रूण के विकास, शिशुओं, बच्चों की वृद्धि और उन्हें आजीवन निरोगी रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

तनाव से बचाने अथवा उसे धीमा करने वाले खाद्य पदार्थ

शरीर को तनाव से बचाने के लिए जिंक, मैग्नीशियम जैसे खनिज और विटामिन-सी, बी एवं ई युक्त आहार का सेवन लाभकारी होता है। विटामिन -बी और मैग्नीशियम से सेरोटोनिन का उत्पादन बढ़ता है, जो तनाव दूर करने तथा मूड को अच्छा रखने में सहायक होता है। रसदार साइट्रिक फल जैसे नींबू, संतरा, बेरीज एंटीऑक्सीडेंट के साथ-साथ विटामिन-सी से प्रमुख स्रोत होते हैं। वहीं केला में विटामिन B-6 और ट्रिप्टोफैन की प्रचुर उपलब्धता सकारात्मक मनोदशा को बढ़ावा देती है।

क्रानिक तनाव कुछ परिणामों को धीमा अथवा रोकने के लिए आवश्यकता से अधिक आहार ग्रहण नहीं करने, शरीर भार नहीं बढ़ने तथा उच्च वसा अथवा उच्च शर्करा युक्त खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन नहीं करने की सिफारिश की जाती है। आहार में ये खाद्य पदार्थों का नियमित सेवन शरीर को स्वस्थ रखने में सहायक होता है : बादाम, चुकंदर, ब्लूबेरीज, ब्रोकली, खरबूजा एवं तरबूज गाजर, लहसुन, ग्रीन एवं हर्बल चाय, हरी बींस, अंगूर, किवी, नींबू पानी, मटर, शकरकंद, टमाटर और साबुत अनाज आदि।

मानसिक शांति आवश्यक

- गहरी सांस लेना : इससे मन शांत होता है और हृदय गति धीमी होती है।
- सचेतन और ध्यान : अपने मस्तिष्क में एकाग्रता लाएं, इसके साथ बहुधा योग प्रक्रिया अपनाई जाती है।
- योगाभ्यास : विभिन्न प्रकार के शारीरिक योगासनों के साथ ध्यान प्रक्रिया अपनाना।
- कोई शौक पालना या सुरुचिपूर्ण काम करने की आदत डालना : अपने रोजमर्रा के जीवन के दौरान संगीत सुनना, पढ़ना, बागवानी करना, सामाजिक अथवा धार्मिक कार्यों में हिस्सा लेना आदि जैसी गतिविधियों में नियमित रूप से शामिल होना।

शादी के बाद कैरियर उड़ान या उलझन

सोचिए एक लड़की ने अपने कैरियर के लिए दिन-रात मेहनत की, डिग्रियां लीं, अनुभव जुटाया और फिर शादी हुई! और शादी के बाद? अक्सर वही होता है, जो पीढ़ियों से होता आया है। करियर या तो ठहर जाता है या धीरे-धीरे गुमनाम हो जाता है। हमारे समाज में शादी को महिलाओं के जीवन का 'मील का पत्थर' माना जाता है, लेकिन सवाल यह है कि यह मील का पत्थर करियर की सड़क में आगे बढ़ाने का काम करता है या उस पर एक बड़ा स्पीड ब्रेकर बन जाता है? हमारे समाज में शादी को महिलाओं के जीवन का 'टर्निंग पॉइंट' माना जाता है, लेकिन सवाल यह है कि यह टर्निंग पॉइंट आगे बढ़ाने के लिए होता है या पीछे धकेलने के लिए? कई बार परिवार, समाज और खुद महिलाओं की भी यह सोच बन जाती है कि शादी के बाद करियर की प्राथमिकता नहीं रह जाती। कई बार महिलाओं को यह सोचने पर मजबूर कर दिया जाता है कि करियर और शादी साथ-साथ नहीं चल सकते। परिवार, समाज और कभी-कभी खुद महिलाएं भी मान लेती हैं कि शादी के बाद करियर कम प्राथमिकता वाला हो जाता है। क्या यह सही है? या यह सिर्फ एक सामाजिक धारणा है, जिसे बदलने की जरूरत है?

'अब तुम्हें घर संभालना है।' कितनी बार हमने सुना है कि शादी के बाद महिलाएं कैरियर छोड़कर 'घर संभालने' में लग जाती हैं। अगर शादी से पहले वे एक शानदार कॉर्पोरेट जॉब में थीं, तो शादी के बाद यह सवाल उठता है- 'अब ऑफिस और घर दोनों कैसे मैनेज करोगी?' और इसका हल अक्सर यही निकलता है- 'करियर छोड़ दो।' शादी के बाद परिवार और समाज अक्सर महिलाओं से यह अपेक्षा करता है कि वे करियर की बजाय घरेलू जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें। यह सोच क्यों है? क्या पुरुषों से भी यही अपेक्षा की जाती है? महिलाओं के सपने और कैरियर किसी 'सेल' में रखे सामान की तरह डिस्काउंट पर चले जाते हैं- 'तुम्हारा पैशन बाद में, पहले परिवार।' 'पति की जॉब ज्यादा जरूरी है, तुम्हारी तो बस टाइमपास थी।' 'घर पर रहोगी, तो बच्चों को बेहतर परवरिश मिलेगी।'

डॉ. मीता गुप्ता
शिक्षाविद, साहित्यकार

दुनियाभर में शादी को जीवन में एक नई शुरुआत के रूप में देखा जाता है, लेकिन भारत में यह अक्सर महिलाओं के लिए उनके करियर की उड़ान को रोकने की वजह बन जाती है। वर्ल्ड बैंक के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय महिलाओं के लिए शादी के बाद रोजगार दर में एक तिहाई तक की गिरावट आती है। यह बात हमारे समाज में जारी लैंगिक असमानता यानी जेंडर इनइक्वैलिटी को उजागर करती है। 'मैरिज पेनॉल्टी' (विवाह दंड) कहे जाने वाले इस घटनाक्रम को आंकड़ों से परे जाना जाता है। यह हमारे समाज पर पितृसत्तात्मक सोच हावी होने की बात को दर्शाता है, जो महिलाओं की प्रोफेशनल और प्राइवेट लाइफ दोनों को बुरी तरह प्रभावित करती है। चलिए अब चाइल्ड पेनॉल्टी की बात करते हैं। यही नहीं, हमारे समाज में महिलाओं को मैरिज पेनॉल्टी के साथ-साथ 'चाइल्ड पेनॉल्टी' (Child Penalty) को भी भुगतना पड़ता है, क्योंकि बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी उन पर होने के कारण अक्सर, उन्हें अपना काम छोड़ना पड़ता है। इस रिपोर्ट में एक और परेशान करने वाला आंकड़ा पेश किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि शादी के बाद महिलाओं की रोजगार दर में 12 फीसदी की गिरावट आती है। यह बच्चे का जन्म होने से पहले देखने को मिलता है। मातृत्व आते ही महिलाओं के करियर को 'मॉमी ट्रैक' पर डाल दिया जाता है। यानी प्रोमोशन की रेस से बाहर, साइड रोल में डाल दिया जाता है। वर्कप्लेस पर भी उन्हें कम महत्व दिया जाता है, क्योंकि माना जाता है कि अब वे 'फुल टाइम करियर' के लिए उतनी प्रतिबद्ध नहीं रहेंगी। मातृत्व के बाद कई महिलाओं को नौकरी छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है, जबकि पुरुषों के करियर पर इसका असर नहीं पड़ता। क्या यह लैंगिक असमानता का एक रूप नहीं है? क्या कंपनियां अधिक लचीली नीतियां अपनाकर महिलाओं को सपोर्ट नहीं कर सकती हैं? क्या शादी के बाद पुरुषों से पूछा जाता है- 'अब करियर का क्या करोगे?' नहीं न? यही सवाल अगर महिलाओं से पूछा जाता है, तो यह खुद ही बता देता है कि समस्या कहां है। शादी और करियर को एक साथ संतुलित करने वाली महिलाओं के उदाहरण भी मौजूद हैं। क्या यह संभव नहीं कि शादी करियर के लिए नया सहयोग और समर्थन लेकर आए? कई कपल्स मिलकर एक-दूसरे के करियर को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। क्या ऐसे एक नए नजरिए की जरूरत नहीं है?

क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सिर्फ 41.7 प्रतिशत महिलाएं कार्यबल हैं, इनमें से शादी के बाद लगभग 12 प्रतिशत भारतीय महिलाएं अपना करियर छोड़ देती हैं। शादीशुदा महिलाओं की कमाई कम हो जाती है। 85 प्रतिशत भारतीय महिलाओं का मानना है कि शादी और बच्चों के कारण उन्हें करियर में बाधाएं झेलनी पड़ती हैं।

समाज के प्रेरणादायक उदाहरण

इस संदर्भ में कुछ प्रेरणादायक उदाहरण भी हैं, जिनमें इंद्रा नूयी शादीशुदा होने के बावजूद अपने कैरियर को बनाए रखने में सफल रहीं। उन्होंने अपनी किताब 'My Life in Full' में बताया है कि कैसे उन्होंने अपने परिवार और करियर को संतुलित किया। कैसे कंपनियों को महिलाओं के लिए सहायक कार्यस्थल बनाने की जरूरत है। किरन मजूमदार शॉ (बायोकॉन की संस्थापक) ने शादी और समाज की अपेक्षाओं के बावजूद उन्होंने अपनी बायोटेक कंपनी खड़ी की। उनके अनुसार, परिवार से समर्थन मिलने पर शादी के बाद भी महिलाएं सफलतापूर्वक अपने कैरियर को आगे बढ़ा सकती हैं। टेनिस स्टार सेरेना विलियम्स और मेरी कॉम ने मातृत्व के बाद भी खेल में वापसी की और कई खिताब जीते। उन्होंने इस मिथक को तोड़ा कि मां बनने के बाद कैरियर को छोड़ना ही एकमात्र विकल्प है, तो क्या हल है? परिवारों को यह समझना होगा कि शादी का मतलब महिलाओं के करियर का अंत नहीं होता। पुरुषों को घर और बच्चों की जिम्मेदारी में बराबर भागीदारी निभानी चाहिए। कंपनियों को महिलाओं के लिए अधिक फ्लेक्सिबल जॉब ऑप्शंस देने चाहिए। करियर और शादी को विरोधी ध्रुवों की तरह देखने की बजाय, उन्हें साथ ले चलने की जरूरत है। पुरुषों को भी घर और बच्चों की जिम्मेदारी में बराबर भागीदार बनना चाहिए। कंपनियों को फ्लेक्सिबल वर्किंग ऑप्शंस देने चाहिए ताकि महिलाएं आसानी से दोनों भूमिकाएं निभा सकें।

पूर्वाग्रहों को खत्म कर बदल सकते हैं हालात

कैसे बदल सकते हैं ये हालात? इस सवाल का जवाब एक बहुआयामी सोच यानी मल्टी लेयर अप्रोच से मिल सकता है। यह मैरिज पेनॉल्टी के सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक कारणों का समाधान कर सकती है। इसके लिए सबसे पहले हमारे देश में एक सांस्कृतिक बदलाव लाना जरूरी है। हमारे समाज में पारंपरिक लिंग भूमिकाओं यानी ट्रेडिशनल जेंडर रोल्स को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है। यानी एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था हो, जिसमें पुरुष और महिलाएं दोनों ही घरेलू जिम्मेदारियों को निभाने समान रूप से योगदान देते हों। यह बदलाव सामाजिक चेतना के लिए जागरूकता अभियान, सामुदायिक जुड़ाव और शिक्षित महिलाओं को परंपरागत दकियानूसी भूमिकाओं में फंसाए रखने वाले सदियों से चले आ रहे पूर्वाग्रहों को खत्म करके ही लाया जा सकता है।

इसके लिए सरकार की ओर से नीतिगत स्तर पर कदम उठाया जाना भी उतने ही जरूरी है। इसके लिए सरकारी और प्राइवेट सेक्टर को मिलकर देश में एक ऐसा माहौल बनाने के लिए काम करना चाहिए, जो महिलाओं की प्रोफेशनल ग्रोथ को प्रोत्साहित करे। इसके लिए जरूरी है कि नीतिगत कदमों में इसमें पुरुषों को सशुल्क पैतृक अवकाश यानी पेड पैटर्नल लीव देना, महिलाओं के वर्किंग आवर्स यानी काम के समय में लचीलापन लाना और बच्चों की देखभाल के लिए सस्ती चाइल्ड केयर सेवाएं, जैसे फीडिंग एरिया, क्रेच की उपलब्धता आदि मुहैया कराया जाना शामिल है। इस तरह के कदम सभी कामकाजी माताओं पर घरेलू काम के बोझ को कम करने में मदद करेंगे, जिससे वह अपने करियर पर फोकस बनाए रख पाएंगी। शादी एक नए जीवन का एक नया अध्याय हो सकती है, लेकिन 'द एंड' नहीं। शादी का मतलब किसी भी महिला के करियर का 'द एंड' नहीं होना चाहिए, बल्कि यह एक ऐसा पड़ाव होना चाहिए, जहां से वह अपनी निजी और प्रोफेशनल जिंदगी को संतुलित तरीके से आगे बढ़ा सके और एक सकारात्मक मानव-संसाधन के रूप में अपनी क्षमताओं के अनुसार समाज और परिवार के लिए अपनी उपादेयता सिद्ध कर सकें।

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के करियर की स्थिति

ग्रामीण भारत में शादी के बाद महिलाओं के करियर की स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है। पारंपरिक सोच, शिक्षा की कमी और अवसरों की अनुपलब्धता के कारण कई महिलाएं शादी के बाद आर्थिक रूप से स्वतंत्र नहीं रह पातीं। हालांकि सेल्फ हेल्प ग्रुप, ग्रामीण उद्यमिता और सरकारी योजनाओं के माध्यम से अब बदलाव आ रहा है। उदाहरण के लिए सखी मंडल स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाएं छोटे व्यवसाय चला रही हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से कई महिलाओं ने अपने स्वयं का व्यवसाय शुरू किया। डिजिटल इंडिया पहल के कारण अब महिलाएं ऑनलाइन बिजनेस कर रही हैं। डेयरी, सिलाई, कढ़ाई, बागवानी और कृषि आधारित व्यवसायों में महिलाएं आगे बढ़ रही हैं।

आयुर्वेदिक दृष्टि से हृदयाघात का कारण और समय

हृदयाघात अर्थात हार्ट अटैक आज के समय की सबसे गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक बन चुका है। आधुनिक जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या, मानसिक तनाव और बदलते मौसम के कारण हृदय रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। यह तथ्य विशेष रूप से ध्यान देने योग्य है कि हार्ट अटैक के अधिकतर मामले रात के समय या सुबह-सुबह देखने को मिलते हैं और सर्दियों के मौसम में इनकी संख्या अचानक बढ़ जाती है। यह स्थिति केवल संयोग नहीं है, बल्कि इसके पीछे शरीर में चल रहे जैविक परिवर्तन, मौसम का प्रभाव और दोषों का असंतुलन जिम्मेदार है। आयुर्वेद इन सभी पहलुओं को समग्र रूप से समझाता है और हृदय को जीवन केंद्र मानता है।

आयुर्वेद में हृदय : केवल अंग नहीं, जीवन का आधार

आयुर्वेद के अनुसार हृदय केवल रक्त पंप करने वाला अंग नहीं है, बल्कि यही प्राण, ओज, चेतना और मन का मूल स्थान है। चरक संहिता में हृदय को "चेतना स्थान" कहा गया है। हृदय में प्राण वायु और व्यान वायु का संचालन होता है, जो पूरे शरीर में रक्त और ऊर्जा के प्रवाह को नियंत्रित करते हैं। इसके साथ ही साधक पित्त मानसिक संतुलन और भावनाओं को नियंत्रित करता है, जबकि अवलंबक कफ हृदय को संरचनात्मक मजबूती प्रदान करता है। जब इन दोषों का संतुलन बिगड़ता है, तब हृदय रोगों की शुरुआत होती है।

हार्ट अटैक को ऐसे समझें

- आयुर्वेद में हृदय को शरीर का बहुत महत्वपूर्ण अंग माना गया है। हृदय केवल खून को पूरे शरीर में पहुंचाने का काम नहीं करता, बल्कि यह जीवन शक्ति और मन से भी जुड़ा होता है। आयुर्वेद के अनुसार हृदय में प्राण का वास होता है, इसलिए इसे जीवन का केंद्र कहा गया है।
- आयुर्वेद यह भी मानता है कि मन और भावनाओं का सीधा असर हृदय पर पड़ता है। ज्यादा चिंता, डर, क्रोध और तनाव से हृदय कमजोर हो सकता है। इसलिए मानसिक शांति को हृदय स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी माना गया है।
- हृदय का संबंध शरीर के तीनों दोषों- वात, पित्त और कफ से होता है। वात दिल की धड़कन और गति को नियंत्रित करता है, पित्त खून की गर्मी और शुद्धता से जुड़ा होता है और कफ हृदय को मजबूती और स्थिरता देता है। जब ये तीनों संतुलन में रहते हैं, तब हृदय स्वस्थ रहता है।

रात और सुबह के समय हार्ट अटैक अधिक क्यों?

आयुर्वेद के अनुसार दिन और रात को दोषों के प्रभाव के आधार पर विभाजित किया गया है। रात का अंतिम प्रहर और तड़के सुबह का समय वात दोष प्रधान माना जाता है। वात की प्रकृति चल, सूक्ष्म, शीतल और रूक्ष होती है। इस समय वात के बढ़ने से हृदय की धमनियों में संकुचन होता है और रक्त प्रवाह बाधित हो सकता है। यदि पहले से ही धमनियों में अवरोध मौजूद हो, तो यह स्थिति हार्ट अटैक को जन्म दे सकती है।

सुबह जागने पर शरीर में होने वाले अचानक परिवर्तन

सुबह नींद से जागते समय शरीर विश्राम की अवस्था से अचानक सक्रिय अवस्था में आता है। इस समय रक्तचाप और हृदय गति में स्वाभाविक रूप से वृद्धि होती है। आयुर्वेद के अनुसार यह वात और कफ के संक्रमण काल का समय होता है। यदि व्यक्ति उच्च रक्तचाप, मधुमेह या कोलेस्ट्रॉल की समस्या से ग्रसित है, तो यह अचानक परिवर्तन हृदय पर अतिरिक्त दबाव डालता है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

रात के समय शरीर में होने वाले अचानक परिवर्तन

रात के समय पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है। देर रात भोजन करना, भारी और तैलीय पदार्थों का सेवन अग्निमांद्य उत्पन्न करता है। इससे आम बनता है, जो शरीर में विष की तरह कार्य करता है। यह आम धीरे-धीरे रक्त और धमनियों में जमा होकर स्रोत अवरोध करता है। रात के समय जब शरीर विश्राम में होता है, तब यह अवरोध अधिक सक्रिय हो जाता है और हृदय को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता।

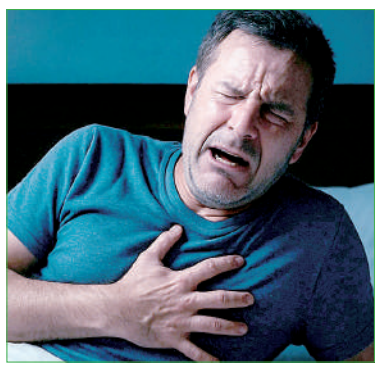

आजकल क्यों बढ़ जाता है खतरा

सर्दी का मौसम आयुर्वेद में शीत ऋतु कहलाता है। इस ऋतु में शरीर में कफ दोष का संचय और वात दोष का प्रकोप होता है। ठंड के कारण रक्तवाहिनियां सिकुड़ जाती हैं, जिससे रक्त का प्रवाह धीमा हो जाता है। हृदय को रक्त पंप करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ती है, जिससे कमजोर धमनियों पर दबाव बढ़ता है और हार्ट अटैक की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

ठंड और वात दोष का सीधा संबंध

वात दोष का प्रमुख गुण शीत है, इसलिए ठंड के मौसम में वात अपने आप बढ़ जाता है। बढ़ा हुआ वात हृदय की धमनियों में संकुचन, हृदय गति में अनियमितता और सीने में अचानक दर्द या जकड़न उत्पन्न कर सकता है। यही कारण है कि सर्दियों की सुबह में हार्ट अटैक के मामले अधिक देखे जाते हैं, विशेषकर बुजुर्गों में।

सर्दियों की जीवनशैली और हृदय पर प्रभाव

सर्दियों में लोग शारीरिक गतिविधि कम कर देते हैं, अधिक आराम करते हैं और तैलीय एवं भारी भोजन का सेवन बढ़ा देते हैं। धूप में कम निकलना और व्यायाम की कमी कफ दोष को बढ़ाती है। इससे मोटापा, कोलेस्ट्रॉल और मधुमेह जैसी समस्याएं बढ़ती हैं, जो हृदय रोगों की मुख्य जड़ हैं। आयुर्वेद इसे ऋतुचर्या के पालन में लापरवाही मानता है।

मानसिक तनाव और हृदयाघात

आयुर्वेद के अनुसार हृदय मन का भी स्थान है। अत्यधिक चिंता, क्रोध, भय और मानसिक तनाव साधक पित्त को दूषित करता है। यह दूषित साधक पित्त हृदय की कार्यक्षमता को प्रभावित करता है। रात और सुबह के समय मन अधिक संवेदनशील होता है, इसलिए मानसिक तनाव का प्रभाव भी इसी समय अधिक दिखाई देता है, जिससे हार्ट अटैक की संभावना बढ़ जाती है।

हृदयाघात से बचाव

आयुर्वेद के अनुसार हृदय को स्वस्थ रखने के लिए दिनचर्या, ऋतुचर्या और आहार-विहार का पालन अत्यंत आवश्यक है। सुबह ब्रह्ममुहूर्त में जागना, गुनगुना पानी पीना, नियमित प्राणायाम और हल्का व्यायाम वात और कफ को संतुलित करता है। सर्दियों में तिल के तेल से अभ्यंग करने से वात शांत होता है और हृदय को बल मिलता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, बरेली में हृदय रोगों की रोकथाम और उपचार के लिए आयुर्वेदिक सिद्धांतों पर आधारित समग्र चिकित्सा अपनाई जाती है। यहां रोगी की प्रकृति, दोषों की स्थिति, जीवनशैली और मानसिक अवस्था का गहन मूल्यांकन कर उपचार किया जाता है। अर्जुन, अश्वगंधा, ब्राह्मी जैसी औषधियों के साथ-साथ पंचकर्म, आहार परामर्श और योग-प्राणायाम के माध्यम से हृदय स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जाता है। संस्था का उद्देश्य केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना भी है।

हृदय के लिए उपयोगी आयुर्वेदिक औषधियां

(चिकित्सक की सलाह से)

अर्जुन को आयुर्वेद में हृदय का श्रेष्ठ रसायन माना गया है। अर्जुन क्षीर पाक हृदय की मांसपेशियों को मजबूत करता है। अश्वगंधा तनाव को कम कर हृदय को बल देती है। ब्राह्मी मानसिक संतुलन बनाए रखती है और त्रिफला आम को बाहर निकालकर स्रोतस को शुद्ध करती है।

रात या सुबह हार्ट अटैक होना केवल एक आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि काल, ऋतु और दोषों के असंतुलन का परिणाम है। सर्दियों में वात और कफ के बढ़ने से यह खतरा और अधिक बढ़ जाता है। आयुर्वेद हमें सिखाता है कि यदि हम प्रकृति के नियमों के अनुसार जीवन जीएं, संतुलित आहार लें और नियमित दिनचर्या अपनाएं, तो हृदयाघात जैसी गंभीर समस्या से काफी हद तक बचा जा सकता है। स्वस्थ हृदय के लिए आयुर्वेदिक जीवनशैली एक स्थायी और प्रभावी समाधान है।

बकुल

सुगंध, आस्था और आयुर्वेद का अनुपम उपहार

भारतीय संस्कृति में बकुल वृक्ष, जिसे मौलसिरी या मौलश्री के नाम से भी जाना जाता है, का विशेष पौराणिक, धार्मिक और औषधीय महत्व है। इसका उल्लेख अनेक प्राचीन हिंदू ग्रंथों, पुराणों और आयुर्वेदिक ग्रंथों में मिलता है। बकुल को न केवल एक पवित्र वृक्ष माना गया है, बल्कि इसे स्वास्थ्यवर्धक औषधीय पौधे के रूप में भी स्वीकार किया गया है। इसके सुगंधित फूलों को वसंत ऋतु या "बसंत" के आगमन का प्रतीक माना जाता है। बकुल वृक्ष की सबसे बड़ी पहचान इसकी मोहक सुगंध है, जो पूरे वातावरण को शुद्ध और शांत कर देती है। इसका हर भाग-फूल, पत्तियां, छाल, बीज औषधीय गुणों से भरपूर होता है। वनस्पति विज्ञानियों के साथ-साथ आम लोग भी इसकी खुशबू और सौंदर्य को सहज ही पहचान लेते हैं। इसके सफेद या हल्के पीले रंग के फूल अत्यंत सुंदर होते हैं, जिन्हें उनकी मनमोहक सुगंध के कारण आदिवासी महिलाएं पारंपरिक आभूषणों के रूप में अपने बालों और श्रृंगार में उपयोग करती हैं।

अनामिका शुक्ला
लेखिका

- बकुल का तना अपेक्षाकृत छोटा होता है। इसकी बाहरी छाल भूरे रंग की, भीतरी छाल लाल-भूरी तथा इसमें सफेद लेटेक्स पाया जाता है। इसका घना और गोलाकार मुकुट इसे अन्य वृक्षों से अलग पहचान देता है। इसकी पत्तियां लगभग 10 सेंमी लंबी और 5 सेंमी चौड़ी होती हैं, जो अंडाकार, चमकदार और आकर्षक होती हैं। बकुल के फूल छोटे, तारे के आकार के और मलाईदार-सफेद रंग के होते हैं। इनसे निकलने वाली मीठी सुगंध मन को प्रसन्न कर देती है। इसके फल दीर्घवृत्ताकार होते हैं, जिनमें एक बीज होता है और पकने पर ये नारंगी-लाल रंग के हो जाते हैं।
- आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में तनाव और मानसिक दबाव के कारण सिरदर्द की समस्या आम हो गई है। ऐसे में बकुल के फूलों का चूर्ण अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकता है। नियमित रूप से कुछ दिनों तक इसका सेवन करने से सिरदर्द में आराम मिलता है। यह मानसिक तनाव को कम करने में सहायक होता है और दिमाग को शांति प्रदान करता है।
- आयुर्वेद में बकुल के फूलों का उपयोग खांसी के उपचार के लिए भी किया जाता है। मौसम परिवर्तन के समय विशेषकर बच्चों और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों में खांसी की समस्या अधिक देखी जाती है। यदि बकुल के कुछ फूल रातभर पानी में भिगोकर सुबह उस पानी का सेवन किया जाए, तो खांसी में उल्लेखनीय राहत मिलती है। इसे 3 से 5 दिनों तक नियमित रूप से पीने से खांसी ठीक हो सकती है। साथ ही यह इम्यूनिटी बढ़ाने में भी सहायक है।
- दांतों और मुख स्वास्थ्य के लिए बकुल का विशेष महत्व है। इसके छाल और बीज का चूर्ण दांत दर्द, दांतों में कीड़ा लगना और दांतों के हिलने जैसी समस्याओं में बेहद प्रभावी माना जाता है। रोजाना बकुल के दो फूल चबाने से दांत मजबूत होते हैं। इसके चूर्ण का उपयोग प्राकृतिक मंजन के रूप में भी किया जा सकता है। इसके अलावा यह मुंह के छाले, मसूड़ों की सूजन और अन्य मुख रोगों को दूर करने में सहायक होता है।
- हृदय स्वास्थ्य के लिए भी बकुल को अत्यंत लाभकारी माना गया है। आयुर्वेद में इसका उपयोग हृदय संबंधी रोगों के उपचार में किया जाता है। बकुल के 5 से 10 फूलों के अर्क का नियमित सेवन हृदय को मजबूत बनाता है और हृदय रोगों से बचाव करता है। यदि कोई व्यक्ति अपने हृदय को स्वस्थ और सक्रिय बनाए रखना चाहता है, तो बकुल का सेवन लाभकारी हो सकता है।
- पाचन तंत्र के लिए भी बकुल एक उत्तम औषधि है। इसके सेवन से बच्चों और बड़ों दोनों में कब्ज की समस्या दूर होती है। बकुल के बीजों को पीसकर घी में मिलाकर सेवन करने से पेट साफ रहता है। इसके साथ ही यह दस्त, डायरिया, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं में भी राहत देता है। बकुल पेट के अल्सर में भी लाभकारी माना जाता है और आयुर्वेद में इसके सेवन की सलाह दी जाती है।
- आजकल महिलाओं में श्वेत प्रदर (व्हाइट डिस्चार्ज) की समस्या तेजी से बढ़ रही है। यह समस्या सामान्य होते हुए भी असहजता पैदा करती है। आयुर्वेद के अनुसार बकुल में ऐसे औषधीय गुण पाए जाते हैं, जो ल्यूकोरिया की समस्या को कम करने में मदद करते हैं। नियमित और सही मात्रा में इसका सेवन इस समस्या में लाभ पहुंचा सकता है।
- हालांकि बकुल का सेवन सामान्यतः सुरक्षित माना जाता है और यह शरीर के कई रोगों को दूर करने में सहायक है, लेकिन यदि कोई व्यक्ति गंभीर बीमारी से पीड़ित हो या पहले से कोई दवा ले रहा हो, तो बकुल का सेवन आयुर्वेदिक चिकित्सक की सलाह से ही करना चाहिए, यह आलेख केवल जानकारी के लिए हैं।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों में मनचाही सफलता और लाभ पाने के लिए अपने कार्य को योजनाबद्ध तरीके से समय पर पूरा करने का प्रयास करना होगा। यदि आप किसी भी कार्य को करने में आलस्य एवं लापरवाही करते हैं, तो आपके बने बनाए कार्य भी बिगड़ सकते हैं अथवा उससे होने वाले लाभ का प्रतिशत कम हो सकता है।

वृष
इस सप्ताह सोचे हुए कार्यों में मन मुताबिक सफलता एवं लाभ न होने पर आपके मन में निराशा व हताशा बनी रही सकती है। आपके कार्यों में अचानक से कुछ बाधाएं आ सकती हैं। इस दौरान आपको स्वजनों से ज्यादा अपेक्षा न करते हुए खुद ही अपने कार्य निपटाने का प्रयास करना चाहिए।

मिथुन
यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। यदि आप नौकरीपेशा हैं, तो आपको अपने कार्यक्षेत्र में अपने विरोधियों से खूब सतर्क रहने की आवश्यकता रहेगी, क्योंकि वे आपके बने-बनाए काम को बिगाड़ने के लिए साजिश रच सकते हैं।

कर्क
इस सप्ताह अपनी सेहत और संबंध को बेहतर बनाए रखने का भरसक प्रयास करना चाहिए। आप मौसमी अथवा किसी पुरानी बीमारी उभरने के चलते शारीरिक एवं मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं। किसी भी शारीरिक समस्या को नजरंदाज न करें अन्यथा आपको अस्पताल के चक्कर तक लगाने पड़ सकते हैं।

सिंह
यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए है। इस सप्ताह आप अपने करियर और कारोबार में मिलने वाली सफलता एवं लाभ से संतुष्ट नजर आएंगे। खास बात ये कि आपको घर और बाहर दोनों जगह लोगों का सहयोग और समर्थन मिलेगा, जिससे आप अपने सोचे हुए कार्य को आसानी के साथ समय पर करने में कामयाब हो जाएंगे।

कन्या
इस सप्ताह जीवन में आगे बढ़ने के लिए कोई बड़ा अवसर मिल सकता है। यदि आप लंबे समय से अपनी नौकरी में बदलाव की सोच रहे थे, तो आपको किसी दूसरी संस्था से बड़ा आफर आ सकता है, लेकिन नौकरी में बदलाव करने जैसा निर्णय लेने से पहले आपको अपने शुभचिंतकों से अवश्य राय लेनी चाहिए।

तुला
इस सप्ताह अपनी बुद्धि, विवेक और परिश्रम की बदौलत किसी कार्य विशेष में बड़ी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आपके सोचे हुए कार्य समय से पूरे होते हुए नजर आएंगे। आपको घर और बाहर दोनों जगह इष्टमित्रों और स्वजनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा।

वृश्चिक
यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपका कामकाज थोड़ी धीमी गति से आगे बढ़ेगा। इस दौरान कार्यों में अचानक से आने वाली अड़चन के चलते आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा। नौकरीपेशा लोगों पर कामकाज को लेकर उच्च अधिकारियों का अधिक दबाव बना रहेगा।

धनु
इस सप्ताह आपके पास कार्य अधिक और उसे पूरा करने के लिए समय कम रहेगा। सप्ताह की शुरुआत में नौकरीपेशा लोगों के सिर पर अचानक से कोई बड़ी जिम्मेदारी आ सकती है। आपके पास अचानक से कई काम के आफर आ सकते हैं, जिसे पूरा करने के लिए आपको अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता बनी रहेगी।

मकर
यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। इस सप्ताह आपकी कोई बहुप्रतीक्षित मनोकामना पूरी हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों की पदोन्नति के योग बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके कामकाज की तारीफ होगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं, तो आपको कारोबार में अप्रत्याशित लाभ होने की संभावना है।

कुंभ
यह सप्ताह शुभता और लाभ को लिए हुए है। आपको अपने कार्यक्षेत्र में अनुकूलता बनी रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में करियर-कारोबार की दिशा में किए गए विशेष प्रयास सफल होंगे। यदि आप उच्च शिक्षा अथवा विदेश में करियर बनाने के लिए प्रयासरत हैं, तो अंत तक आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है।

मीन
इस सप्ताह आपके द्वारा किसी कार्य के लिए किए गए विशेष प्रयास सफल होंगे। करियर एवं कारोबार के सिलसिले में की गई यात्राएं सुखद एवं लाभप्रद साबित होंगी। किसी शुभ सूचना से होगी, जिससे घर-परिवार में खुशियों का माहौल बना रहेगा। यदि आप लंबे समय से किसी स्थान विशेष पर तबादले के लिए प्रयासरत थे, तो आपकी मनोकामना पूरी हो सकती है।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 41

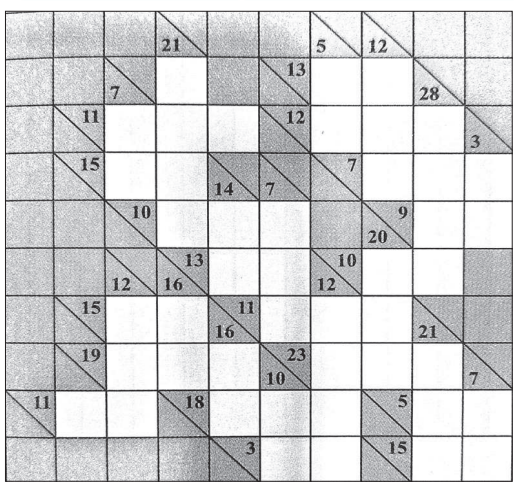

काकुरो 40 का हल

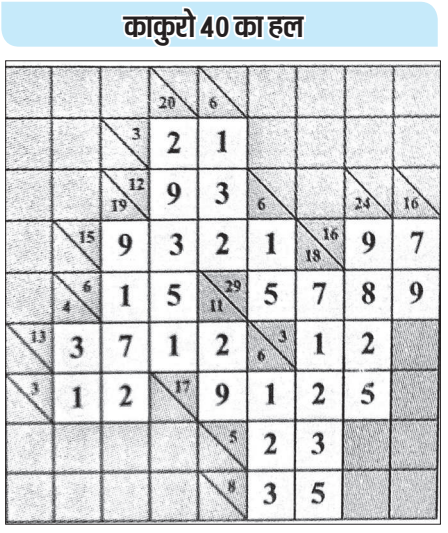

कहानी

सुमिता और वह रात

घनश्याम अवस्थी
गोण्डा

जेठ जी के सिरहाने रात तीन बजे तक बैठी उनकी सांस पर टकटकी लगाए रही थी वह! सुमिता देवी को यही चिंता खाए जा रही थी कि भले ही वह निर्दोष हो, लेकिन कहीं जेठ जी को मार डालने का कलंक न उस पर लग जाए! उसका पति ही कहेगा कि-'उसने उनके भाई को मार डाला।'

यह बात है सन् 1950 ई. की। सुमिता देवी का ब्याह सुधीर सिंह के साथ हुआ था। सुधीर सिंह दो भाई थे। बड़े भाई सुमिरन सिंह दमा के मरीज थे और वे ठीक से चल-फिर भी नहीं पाते थे। उनकी स्थिति गृहस्थी बसाने-लायक नहीं थी। सुधीर सिंह की पहली पत्नी नहीं रही नहीं थी। उससे एक लड़का था-शिवाकर। शिवाकर की उम्र थी–यही कोई पांच वर्ष। घर में बूढ़ी सास राजवंती और ससुर रामेश्वर सिंह को लेकर कुल छह प्राणी थे। पतिदेव शराब बहुत पीते थे। यह बात सुमिता को बेहद नापसंद थी, लेकिन वह कुछ कह नहीं पाती। सुमिता एक तेज-तर्रार लड़की थी। सामान्य कद-काठीवाली सुमिता का तन तो सांवला, लेकिन मन गोरा था। वह वैचारिक एवं चारित्रिक पूंजी में समृद्ध थी, उसके पिता असमय ही दिवंगत हो चुके थे। उसका विवाह भाइयों ने किया था। वह अपने भाई का बहुत आदर करती थी। किसी लड़की के पिता के न रह जाने पर उसका बचपन उसी दिन मर जाता है। वह जिद करना भूल जाती है, उसकी फरमाइशें दफ्न हो जाती हैं। ऐसी बेटी में आई असामान्य समझदारी का मर्म भला कौन लिख सकता है।

सुमिता को चहारदीवारी में कैद रहकर चूल्हा-चौका तक सीमित रह जाना कतई पसंद नहीं था। बस उसकी परिस्थिति ने उसे मौन कर रखा था। इसलिए जब ए. एन. एम. के काम के लिए उसे अवसर मिला, तब तुरंत उसने हां कर दिया। इसके लिए उसने अपनी सास, पति एवं जेठ-सबको-मना लिया था।

सुमिता के ए.एन.एम. की नौकरी-हेतु आवेदन की भनक गांव के प्रधान सुधाकर सिंह को लगी तो वे द्वारे पर ही आ धमके। पट्टीदारी ही के होने के कारण इस समाचार से उनमें उत्पन्न ईर्ष्या भी डबल थी। वे ऐतराज जताते हुए सुमिता की सास राजवंती से बोले, "काहे चाची खानदान कै नाक कटावैक लागि हौ? मने बहुरिया कै कमाई खइहौ तब्बै पेट भरी?"

राजवंती-"भइया! तुमसे का छुपा हय? बड़के(सुमिरन) तौ बैठुकियय हयं। ननकेव हल्ल रहत हयं। ई नौकरी मइहां कहूं परदेस तौ जायक न परी, तौ हमहू मिनहा नाईं कीन।"

सुधाकर सिंह- "मिनहा नाईं किहौ? मने ई नौकरी मा का काम है, यहौ जानेव? "लरिका-बच्चा पैदा करावै मा डाक्टर के साथे रहै कै काम बहुरिया बतावति हय।" राजवंती ने जवाब दिया।

बहुरिया बतावति नाईं, भरमावति हय। सुनो- "हर जाति-कुजाति के घरे जाय-जाय धगरिन कै काम करैक परी। अब भले घर के बहुरियन का यहै काम रहिगा है? कान खोलि कै सुनि लेव- अगर नौकरी करइहौ तौ पूरी पट्टीदारी से खान-पान बंद करैक परी। हमका समाजौ तौ देखैक हय।"

प्रधान के धमकी देकर जाने के बाद राजवंती ने बहू से पूछा, "बहू! ई परधान कहत रहे, ऊ सही हय?"

सुमिता- "अम्मा! सांच ई है कि इनसे हमार नौकरी देखी नहीं जा रही। आप इनके कहेक कौनौ गुन्ना न करौ।"

परिवार का विश्वास सुमिता के साथ रहा और उसने नौकरी शुरू कर दिया। प्रधान जी के अहं को ठेस लगी। वे मौके के इंतजार में रहने लगे। उनके द्वारा सुमिता के चरित्र पर कीचड़ उछालने की अनेक बार कोशिश की गई, लेकिन वे सफल नहीं हुए। सुमिता का चरित्रबल सदैव विजयी रहा। धीरे-धीरे वे शांत हो गए। सकारात्मकता का प्रकाश अंधकार को सहज ही समाप्त कर देता है।

नौकरी करते हुए एक साल बीत चुका था। इधर पतिदेव का पीना और बढ़ गया था। अब घर का खर्चा सुमिता देख रही थी। सुमिता ने एक दिन पति से कह ही दिया-"सुनो! 'शराब' और 'पत्नी' में से कोई एक ही रहेगी। सोच-विचार लो और बता दो।" यह सुनकर सुधीर सिंह हतप्रभ थे। थोड़ा ठिठके, फिर बोले- "ठीक है। एक-एक दिन गैप करके पिएंगे।" सुनिता ने कहा, "हमेशा के लिए एक छूटेगी। सौदेबाजी मत करो। मैं आपसे जीवन में और कुछ न मांगूंगी।" सुधीर सिंह सोच में पड़ गए। उस समय तक सुमिता से एक परी-सी लड़की भी हो चुकी थी। शिवाकर को भी सुमिता का प्यार-दुलार मिल रहा था। सुधीर सुमिता को कैसे छोड़ सकता था। सुमिता का आत्मविश्वास ऐसे ही नहीं था। उसने अपनी सेवा और आदरभाव से पूरे परिवार का दिल जीत रखा था। सुधीर बोले, "ठीक है भाई! जब एक को छूटना ही है, तब तुम्हें तो छोड़ सकता नहीं। उत्तर साफ है, शराब को हाथ नहीं लगाऊंगा।" अगले पल सुमिता ने सुधीर को गले लगा लिया था। दोनों की आंखें नम थीं।

महज तीन साल में सुमिता ने निकट के कस्बे में एक क्लीनिक भी खोल लिया। वह अपने क्षेत्र की बहुत लोकप्रिय ए. एन.एम. थी। गांव-जवार में उसका बहुत नाम था। वह अपने घर को भी संभालती और रोजी भी। एक दिन घर लौटते समय उसने पास के कस्बे से कुछ दवाएं खरीदीं। सासू मां के पैर में दर्द था, सो उनके लिए महाविषगर्भ तैल और जेठ जी के लिए एक कफ-सिरप।

उस दिन रात में खाना-पानी होने के बाद सुमिता ने शिवाकर को कफ-सिरप देकर कहा, "बेटा! बड़े बाबू को खांसी बहुत आ रही है। आज यह दवा लाई हूं। जाओ! उनको एक ढक्कनभर दवा पिला दो।" इतना कहकर वह अपना काम निपटाने लगी। पांच मिनट में जब तैल लेकर सासू मां के पैर में मलने लगी तब तैल में कुछ ज्यादा ही चिपचिपेपन के कारण उसे शंका हुई। ढिबरी के उजाले के पास जाकर, उसने वह शीशी देखी। वह तुरंत जेठ जी के कमरे की ओर भागी थी कि शिवाकर आता दिखाई दिया। उसने शिवाकर से पूछा, "क्या तुमने दवा पिला दिया?" शिवाकर ने कहा, "हां! क्यों मां? क्या बात है?" सुमिता ने कहा, "कोई बात नहीं है। तू जा! बिटिया सोई है, उसी के पास सो जा। मैं थोड़ी देर में आऊंगी।"

उस दिन वह जेठ जी के कमरे के बाहर से आहट लेती रही, बिस्तर पर उनके सोने तक खिड़की में से छुपकर देखती रही। जब उसे यकीन हो गया कि वे सो गए थे, तब वह कमरे में गई और वहीं जेठ जी के सिरहाने रात तीन बजे तक बैठी उनकी सांस पर टकटकी लगाए रही। सुमिता देवी को यही चिंता खाए जा रही थी कि भले ही वह निर्दोष हो, लेकिन कहीं जेठ जी को मार डालने का कलंक न उस पर लग जाए। उसका पति ही कहेगा कि 'उसने उनके भाई को मार डाला।'

वह ईश्वर से प्रार्थना करती रही- 'हे भगवान्! कुछ अनिष्ट न हो।' ईश्वर निर्मल मनवालों की पुकार अवश्य सुनते हैं। उनके जेठ जब उस सुबह उठे तो अपने आप ही नहा-धो लिए। सुमिता को देखते ही वे बोले- "बहू! दवा बहुत फायदा की है।" यह देख-सुनकर सुमिता मन-ही-मन बहुत प्रसन्न थी। उसके मन में एक साथ कई सवाल थे। वह कुछ समझ नहीं पा रही थी, लेकिन एक बात जो थी, वह यह कि ईश्वर पर उसका विश्वास दृढ़ हो गया था।

काव्य

स्वागत नूतन वर्ष

कुर्सी से हट रो पड़ा, दो
हजार पच्चीस।
सत्ताधारी बन गया, दो हजार
छब्बीस।

धूल झाड़ गत वर्ष की,
स्वागत नूतन वर्ष।
हार-जीत कुछ भी मिले,
काटें समय सहर्ष।

नया कैलेंडर आ गया, चमक
- दमक के साथ।
कैलेंडर प्राचीन अब चला
जोड़कर हाथ।

गढ़े नई शुभ आदतें, दूर
निराशा छोड़।
अलग हुए, जो टूटकर, मन
उनसे ही जोड़।

मोबाइल, मीडिया ही , जेन
-जी के फेवरेट।
अच्छा करियर खोजते , थामे
इंटरनेट।

होता नूतन वर्ष भी,
कोरे कागज भांति।
लिखनी होगी निज कथा,
रच-रच सुंदर पाति।
नूतन वर्ष पड़ाव है, जीवन
सतत प्रवाह।
साथ-साथ सुख-दुख चलें,
आह करो या वाह।

नया वर्ष सब में भरे, नव
चेतना उजास।
जो बोया, काटो वही, क्या
गन्ना, क्या घास।

अपने भीतर झांकिए, कहता
नूतन वर्ष।
पूर्ण करें संकल्प निज, तभी
मिले उत्कर्ष।

गौरीशंकर वैश्य विनम्र
लखनऊ

मन की गहराई

शायद उसके जन्म पर कोई
भूचाल आया होगा,
लड़की हो गई गांव में,
समाचार अखबार में छाया
होगा,
उम्मीद लगाईं दादी का
सपना तार-तार हुआ होगा,
बस लड़की हो गई, इस बात
का खौफ छाया होगा,
उसके दुख पर भी मां ने प्यार
से सर सहलाया होगा,
पापा ने जीवन का कोई
रास्ता समझाया होगा,
आग की चिंगारी जैसे तुझे
चमकना होगा,
इस भेदभाव के खिलाफ खुद
तुझे लड़ना होगा,
तुझे अपनी मंजिल तक
पहुंचना होगा,
अपनी उड़ान के लिए खुद
पंख फैलाना होगा,
दुनिया की बातें भूलकर आगे
बढ़ना होगा,
आपने साथ होने वाले हर
अन्याय में बोलना होगा,
अपने मन की इच्छाओं से
जीना होगा,
उम्मीद छोटी होगी, मगर
बढ़ते रहना होगा।

रितिका
उत्तराखंड

गांव की बेटियां

पहाड़ों की पगडंडियों पर,
नंगे पांव चलती हैं,
सवेरे सूरज संग उठकर,
लकड़ियां बीनती हैं,
जंगल की हर झाड़ी,
हर डाली को जानती हैं,
नन्हें हाथों से बोझ उठाकर,
मुस्कुराकर लाती हैं,
चूल्हा जलाना, रोटियां
सेंकना, पानी भर लाना,
मां के संग खेतों में,
धूप में पसीना बहाना,
गुड़िया-खिलौनों का बचपन
तो कहीं खो गया,
गरीबी के संग जीवन,
बस जिम्मेदारी हो गया,
स्कूल की राहें मुश्किल,
सपनों पर बोझ भारी,
फिर भी आंखों में चमकती,
सुनहरी एक चिंगारी,
दिनभर कामों में डूबी,
फिर भी दिल से हंसती,
हर छोटी खुशी को अपनी
दुनिया समझ बैठती,
ये गांव की बेटियां,
नदियों-झरनों सी प्यारी,
संघर्षों में भी जीती,
उम्मीदों की ये सवारी,
एक दिन ये चुप्पी टूटेगी,
सपनों को रंग मिलेगा,
गांव की हर बेटी का नाम,
ऊंचाइयों तक जाएगा।

काजल गोस्वामी
बागेश्वर

व्यंग्य

विक्टिम कार्ड धारी आंदोलनजीवी

आंदोलनजीवियों का रोजगार विक्टिम कार्ड खेलने से ही चलता है। विक्टिम कार्ड की उम्र भी अधिक नही होती। जब से दिनचर्या में मोबाइल की हिस्सेदारी बढ़ी है, तब से रिचार्ज की वैधता निर्धारित रहती है। सो निर्धारित अवधि के उपरांत वैधता बढ़ाने के लिए रिचार्ज कराना अनिवार्य है। यही बात यदि विक्टिम कार्ड पर लागू की जाए, तो निष्कर्ष निकलता है कि विक्टिम कार्ड की वैधता निर्धारित नही होती। वह कई बार रिचार्ज होने से पहले ही अपनी वैधता खो देता है। यदि जीवन में केवल समस्याओं के निस्तारण के लिए किए जाने वाले कार्यों का अध्ययन किया जाए, तो संसार का हर प्राणी विक्टिम है। कोई विक्टिम कार्ड खेलकर सहानुभूति प्राप्त कर लेता है, कोई विक्टिम की शिकायत को झूठा सिद्ध करके विक्टिम को ही कठघरे के खड़ा कर देता है। समाज में आजकल बेरोजगारी अधिक है। कमाई का समुचित जुगाड़ नहीं है। ऐसे में काम की तलाश में लोग भटक रहे हैं। जंतर-मंतर पर विक्टिम कार्ड लिए अपने लक्ष्य पूरा करने वालों के इर्द-गिर्द कुछ लोग स्थाई रूप से टहलते रहते हैं। कुछ अपनी किसी गैर सरकारी संगठन का लेटर पैड लिए घूमते हैं, कुछ अपने चाय पानी के जुगाड़ में घूमते रहते हैं। सब जानते हैं कि मुफ्त में कोई काम नहीं किया जाता। धरती में मुर्दे को दफनाने के लिए कब्र खोदने वाले भी मुफ्त में कब्र नहीं खोदते। अलबत्ता सियासत में कब्र खोदने का चलन कुछ अधिक बढ़ गया है। मुद्दा चाहे कोई भी हो, विभिन्न सियासी दलों के झंडाबरदार किसी की भी कब्र खोदने की कामना करने लगते हैं। उन्हें इस सत्य से कोई सरोकार नहीं होता कि किसी की मृत्यु के उपरांत उसकी पार्थिव देह का अंतिम संस्कार या तो कब्र खोदकर, उसमें पार्थिव देह को समर्पित करके किया जाता है या पंचतत्व में विलीन करके।

पंच तत्व में पार्थिव देह को समर्पित करने के लिए कब्र खोदने की आवश्यकता नहीं होती। बहरहाल जब से सियासत में मुद्दों का अकाल पड़ा है, तब से उन तत्वों के सम्मुख अस्तित्व संकट उत्पन्न हो गया है, जिनके पास सकारात्मक विचारों का अभाव है। देश-विदेश में जगह-जगह देश को बदनाम करने का प्रयास करके मुंह की खाने वाले परेशान हैं कि किस प्रकार विकास पथ पर दौड़ते हाथी का मार्ग अवरुद्ध किया जाए? किस प्रकार झूठा विमर्श बनाकर कानून का दुरुपयोग किया जाए? किस प्रकार कानूनी निर्णयों के विरुद्ध सड़क पर भीड़ इकट्ठा करके सत्य पर प्रहार हो, किस प्रकार से गड़े हुए मुद्दों को उनकी कब्र से उखाड़ कर सड़कों पर चौराहों पर खड़ा करके बार -बार अपने मतानुसार उनका पोस्टमार्टम कराया जाए। पोस्टमार्टम स्थल पर विक्टिम कार्ड धारी के साथ मिलकर भीड़ धरना प्रदर्शन करे तथा अपने आरोपों को पुष्ट करने का दबाव बनाए। आखिर कोई जेब से तो इतने गंभीर प्रयास नहीं करता। जब तक जेब गर्म न हो, जंतर-मंतर पर घूमने वाले किराए के बंदे कोई रिस्क नहीं लेते। रिस्क लेने वाले अपने धंधे के प्रति ईमानदारी अपनाते हैं, वे बखूबी समझते हैं कि जो उनकी फंडिंग कर रहा है, उसके प्रति वफादार रहना उसकी जिम्मेदारी है। वैसे भी भौतिक युग है। बिन पैसे सब सूना है। किराए के आंदोलनजीवियों की जिम्मेदारी बढ़ गई है। जब-जब किसी क्षेत्र में चुनाव की संभावना बनती है, तब-तब आंदोलनजीवियों के रोजगार के प्रमोशन के लिए भगीरथ प्रयास किए जाते हैं। आंदोलनजीवियों की सेवाएं लेने वाले भी वही लोग होते हैं, जिनकी विश्वसनीयता बाजार में समाप्त हो चुकी होती है। ऐसा नहीं है कि आंदोलनजीवियों का प्रयोग पहली बार किया जा रहा हो। बिना किसी नार्को टैस्ट के आंदोलनजीवी स्वयं को दूध से धुला सिद्ध करने का प्रयास करती हैं। आरोप लगाकर अपने प्रति अपनी जाति और भ्रमित तत्वों की सहानुभूति प्राप्त करते हैं। कहीं कैंडल मार्च निकालते हैं, कहीं धरना प्रदर्शन करते हैं, कहीं किसी सियासी तत्व के हाथों की कठपुतली बनकर ड्रामा करते हैं, बदले में सियासत के खेल में शामिल होते हैं। कुछ आंदोलनजीवी कठपुतलियां अपने पुराने झूठे किस्सों को कब्र में दबाए रखने के लिए वर्तमान तक संघर्ष करती हैं। उन्हें अपने राज के खुलने का डर लगा रहता है कि यदि राज खुल गया, तो खाया-पचाया सभी कुछ वापस करना पड़ सकता है। बहरहाल यह खेल है, जिसे खेलते हुए बेखौफ आंदोलनजीवी कभी अपने गिरेबान में नहीं झांकना चाहते। सत्य सभी जानते हैं, मगर आंदोलनजीवी बेशर्मी से अपने आरोपों पर खड़ी रहते हैं, भले ही सारे प्रमाण आंदोलनजीवियों के खिलाफ खड़े होकर अपने सत्य की गवाही दे रहे हों।

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

लघुकथा

संस्कारों का सूरज

जनवरी की सुबह कड़ाके की ठंड लेकर आई थी, लेकिन छतों पर गर्मी साफ महसूस की जा सकती थी। मकर संक्रांति का दिन था। उधर गंगा किनारे लोग पवित्र स्नान के लिए जुटे थे। इधर गांव की खेतों के मेड़ पर आठ-दस बच्चों की बस हलचल थी।दस साल का वंश मुंबई शहर में पला-बढ़ा था। इस बार संक्रांति पर अपने पापा के साथ गांव आया था। उसके लिए मकर संक्रांति का मतलब सिर्फ छतों पर डीजे बजाकर पतंग उड़ाना था। वह सुबह से ही परेशान था, क्योंकि उसे गांव में पतंग उड़ाने वाला कोई साथी नहीं मिल रहा था। वह झुंझलाकर बोला, "पापा, यहां तो कोई 'मजा' ही नहीं है। न ऊंची छतें हैं, न किसी को मकर संक्रांति मनाने से मतलब है। हम यहां क्यों आए हैं?" दादाजी ने पोते की बात सुनी और मुस्कुराते हुए बोले, "बेटा, आज के दिन का मजा छतों पर नहीं, बल्कि रिश्तों की डोर में होता है। चलो, आज तुम्हें असली 'पेंच' लड़ाना सिखाता हूं।" दादाजी वंश को लेकर पास के खेत में गए। वहां उन्होंने वंश को बांस की तीलियों और रंगीन कागज से पतंग बनाना सिखाया। रचित हैरान था कि बिना खरीदे भी पतंग बन सकती है।

सूर्यदीप कुशवाहा
वाराणसी

दादाजी ने बताया, "बेटा, जैसे पतंग को उड़ने के लिए कागज और तीली का तालमेल चाहिए, वैसे ही जीवन में ज्ञान और संस्कार का तालमेल जरूरी है।" दोपहर को खिचड़ी का भोज हुआ। वह खिचड़ी वंश को पिज्जा-बर्गर से कहीं ज्यादा स्वादिष्ट लगी। भोजन के बाद दादाजी ने एक बड़ा थैला उठाया, जिसमें लाई, चूड़ा और तिल के पट्टी के पैकेट थे। वे वंश को साथ लेकर उन झोपड़ियों की ओर चल दिए, जहां गांव के आर्थिक रूप से कमजोर लोग रहते थे। वहां जाकर वंश ने देखा कि कैसे एक छोटा सा पट्टी और लाई-चूड़ा पाकर उन बच्चों के चेहरे खिल उठे। रचित ने खुद अपने हाथों से एक छोटे बच्चे को पतंग दी। वह बच्चा खुशी से झूम गया। वापस लौटते समय दादाजी ने वंश के कंधे पर हाथ रखकर कहा, "दान और परोपकार का प्रकाश हमें अपने भीतर फैलाना चाहिए। पतंग की डोर जितनी लंबी होगी, वह उतनी ऊंची उड़ेगी, लेकिन अगर वह अपने आधार (परिवार और समाज) से कट जाए, तो वह कहीं के काम की नहीं रहती।" वंश को अपनी गलती का एहसास हुआ। उसने दादाजी को गले लगा लिया। उसने सीख लिया था कि त्योहार सिर्फ शोर-शराबे का नाम नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग और मिल-जुलकर रहने का उत्सव है। सूरज ढल रहा था, लेकिन वंश के मन में संस्कारों का एक नया सूरज उग चुका था। यही उसकी जिंदगी की सबसे बढ़िया मकर संक्रांति थी।

संस्मरण

खिचड़ी की खुशबू का सफर

यह आधिकारिक रूप से खिचड़ी की शुरुआत का दिन था। दूर से ही अपनी खुशबू से खींच लेते देहरादूनी बासमती के नए चावल और नई ही देसी उरद की काली दाल की जुगलबंदी। ऊपर से घर का बना खौंच भर दानेदार देसी घी, मह मह करते ताजे हरे धनिए की सिलबाटी पे पिसी चटनी और हंडिया की दही। साथ में उबला सिंघाड़ा, आंवला और गाजर मूली के छल्ले।

जी हां। देवोत्थान एकादशी की यह सैट सायंकालीन व्यवस्था थी, जो सुबह से ही जठराग्नि को प्रज्ज्वलित किए रहती थी और शाम के इंतजार को बहुत लंबा कर देती थी। इस व्यवस्था का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलू यह था कि इसमें जो भी चीजें शामिल थीं, उन सबमें किसी न किसी रूप में हमारा श्रम भी सम्मिलित था। जैसे कि देहरादूनी बासमती की पौध बिखेरे जाने से लेकर पौध उखाड़ने, रोपने, निराने, काटने, झाड़ने, बरसाने से धान मशीन पर ले जाकर चावल बनवाने तक में हमारी अहम भूमिका थी। ऊपर से धान मशीन वाले से हर बार यह विनम्र निवेदन कि भैया चावल टूट न जाए।

इसी तरह उरद बुबाई से लेकर पक जाने पर फलियां तोड़ने और छत पर सुखाकर थपकी से छेतकर साबुत उरद से आटा चक्की में मां का सहयोग करते हुए दाल बनाने तक का श्रमदान। इसके अलावा आंगन के कोने में क्यारी बनाकर हरा धनिया उगाना हो या गाय भैंसों के चारा पानी की व्यवस्था के साथ बड़ी मटकी में दूध को फेंटते हुए मक्खन निकलने में हाथ बंटाना- ये सारे ही वे उपक्रम थे, जो हमारे श्रम सीकरों से सिंचित थे और देवोत्थान एकादशी के प्रमुख आकर्षणों के जरूरी अवयव थे। एक तरह से सोचा जाए तो देवोत्थान एकादशी स्वयं के द्वारा नव उत्पादित धन धान्य को निज उपयोग में लाने से पूर्व परमपिता को भोग लगाकर अनुमति प्राप्त करने का पावन त्योहार था, जो परंपराओं से चला आ रहा है।

सूर्यास्त से पहले पिताजी हम सब भाई बहनों को गन्ना पूजन के लिए ईख के खेत पर ले जाते। बच्चा पल्टन लोटे में जल, कंडे पर खिली हुई अंगारी, थाली में घी हवन सामग्री कपूर और चांदी का सिक्का या कोई आभूषण लेकर मुग्ध भाव से खेत की ओर प्रयाण करती। उधर मां चूल्हे पर खिचड़ी चढ़ा देतीं। 'गीदड़ बोलने से पहले पूज आइयो'- अम्मा हर बार कहतीं।

खेत के एक खास कोण में (अभी ठीक से याद नहीं कौन सा) पिताजी पूजन आरंभ करते। शाम के सुरमई धुंधलके में यह अद्भुत दृश्य होता, जब आस पास के सभी ईख के खेतों में पूजन हो रहा होता और हवन सामग्री की सुगंध से वातावरण महक रहा होता। पूजन के दौरान पूजित गन्ने के अगौले में गांठ बांध दी जाती। पूजन के बाद पिताजी सबको पूजन की अंगारी से टीका लगाते और यह सुनिश्चित किया जाता कि जाते समय कोई चिंगारी सुलगती न रह जाए। खेत पर पूजा के बाद पहली बार खेत से गन्ने तोड़े जाते वह भी अपने खेत से। यह बचपन की मौज कहें या शरारत कि उसके बाद पूरे सीजन पड़ोसी खेत के गन्ने ही मीठे लगते थे। हां यह बात जरूर है कि उस वक्त लोग बच्चों की इन शैतानियों को दिल पर नहीं लेते थे। क्योंकि सबको पता था कि उनके बच्चों की भी यही बीमारी है। खेत पर पूजा के बाद घर आकर सुसज्जित भित्तिचित्र पर पूजा की जाती और देवों को नवान्न ग्रहण कराया जाता। अग्नि को नवान्न अर्पित कर घी डालकर चिराग नजदीक ले जाने पर अंगारी से तेज आग की लपट उठती। सब बच्चे ताली बजा कर चिल्ला उठते-देवता आ गए, देवता आ गए। मान लिया जाता कि अग्निदेव समेत सभी देवगण नवान्न का भोग लगा चुके हैं और अब हम सब उसे विधिवत ग्रहण कर सकते हैं। इसके बाद खिचड़ी के पतीले की ओर वो दौड़ लगती कि क्या कहें। कौन पहले पाए। मां जब तक थाली में खिचड़ी परोसती तब तक सब अपनी-अपनी खिचड़ी में घी के लिए बड़ी सी घुलिया (स्थान) बना लेते। घुलिया में खौंच भर घी आने के बाद उसे गरम-गरम खिचड़ी से ढक लेते। देखते ही देखते थाली की तली में घी की नदियां बहने लगतीं। साथ में दही चटनी, अचार, सिंघाड़े, शकरकंद और सलाद की सुस्वादु संगत। मां कहतीं-थोड़ी देर में लडकियां देव उठाने आएंगी। जल्दी जल्दी खा लो। इस तरह प्रारंभ हो जाता खिचड़ी का खासमखास सफर विदाउट नो ऑब्जेक्शन। स्वाद स्वयं में एक अनुभव कम अविस्मरणीय याद ज्यादा होते हैं। हम अपने पसंदीदा जायकों में जाएं, तो पाते हैं कि उनके पीछे किसी याद की खुशबू का हाथ होता है। पिछली सर्दियों में लखनऊ मीटिंग से लौटा तो काफी रात हो चुकी थी। लगभग 2 बजे का समय। ट्रेन में खाना खाकर बैठा था इसलिए घर पर मनाकर दिया था। बेटे ने गेट खोला। खाने पीने के बारे में पूछा। उसे सोने को कहकर मैं कपड़े चेंजकर हाथ मुंह धोने वाशरूम में गया तो एकाएक खिचड़ी की तीव्र इच्छा हुई। किसी को न जगाते हुए किचेन में पहुंचा और चुपचाप दो मुट्ठी चावल दाल चूल्हे पर चढ़ा दी।

तमाम सावधानी के बावजूद पत्नी ने आहटें पढ़ लीं। वो धीरे से आईं और जोर से बोलीं-कौन है किचेन में? मैं करछुल हाथ (रंगे हाथ नहीं पकड़ा जा चुका था। बोलीं-क्या कर रहे हो? मैंने कहा-खिचड़ी। बोलीं-इस वक्त भी। मैंने कहा- किसी वक्त भी। आज मकर संक्रांति है। शहर में हूं। दुकानदार ने कहकर तो दिया है कि नए हैं-चावल भी, दाल भी। सब्जी वाले ने धनिया भी आज ही का बताया है। इनमें वह खुशबू एकदम नदारद है, जो बचपन की यादों में रची-बसी है।

डॉ. अवनीश यादव
प्रान्तीय शिक्षा सेवा
संवर्ग, उ0प्र0

समीक्षा

प्रेम की साधना का सार

व्यंग्य यात्रा की निरंतरता और सार्थक उपस्थिति आदरणीय प्रेम जनमेजय की लगन, धैर्य और जीवटता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। यही कारण है कि निर्बाध व्यंग्य यात्रा करते हुए यह पत्रिका अक्टूबर-दिसंबर अंक के साथ अपने 21 वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। मात्र 20 रुपये के अल्प मूल्य में इतनी भारी-भरकम और उत्कृष्ट पाठ्य सामग्री आज के समय में उपलब्ध कराना निश्चय ही एक अद्वितीय साहित्यिक योगदान है। व्यंग्य पुरोधा श्रीलाल शुक्ल जन्मशती के उपलक्ष्य में उनकी स्मृति को समर्पित यह विशेषांक न केवल उनकी परंपरा और विरासत को प्रणाम करता है, बल्कि समकालीन व्यंग्य लेखन की समृद्धि का भी सशक्त प्रमाण प्रस्तुत करता है। 'हिंदी व्यंग्य का संक्रमणकाल' विषय पर केंद्रित इस अंक में रचनाओं का चयन एवं संकलन में संपादकीय श्रम परिलक्षित होता है।

पुस्तक -व्यंग्य यात्रा
अंक- अक्टूबर-दिसंबर 2025
पेज-172,
मूल्य-20
संपादक - प्रेम जनमेजय
समीक्षक- विनोद कुमार विक्की

रचनाओं की गुणवत्ता, विविधता और प्रस्तुति- तीनों ही दृष्टियों से यह अंक अत्यंत प्रभावकारी है। विशेष रूप से दिविक रमेश की 'देखो देखो', सूर्यकांत द्विवेदी की 'रिटायरमेंट', केदार शर्मा की 'गरीब की थाली में', राकेश सोहम की 'स्वर्गवासी अफवाहें', हरीश नवल की 'वाक्यों के हीरो राम', अर्चना चतुर्वेदी की 'लेखक और इंजीनियर की जोड़ी', कृष्ण कुमार अंशु की 'कालू दादा का नोबेल दावा', फारुक आफरीदी की 'अभागिन सड़क', अतुल चतुर्वेदी की 'गायब होना-रीढ़ की हड्डी का' तथा अलंकार रस्तोगी की 'मातृभाषा बनाम मात्र नब्बे घंटे' विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। इसके अतिरिक्त अरविंद तिवारी के उपन्यास अंश 'होटल का भूत' तथा हरिशंकर दाढ़ी एवं बी.एल. आच्छा का 'व्यंग्य चिंतन' भी विचारोत्तेजक रहे। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि अल्प मूल्य में अमूल्य साहित्यिक खुराक उपलब्ध कराना व्यंग्य यात्रा की निरंतर परंपरा रही है और इस अंक ने उस मानक को न केवल बनाए रखा, बल्कि उसे और ऊंचा किया है। गद्य एवं पद्य व्यंग्य, चंदन घिसै, पाथेय, त्रिकोणीय, चिंतन, इधर जो मैंने पढ़ा, समाचार आदि स्थायी स्तंभों से सुसज्जित व्यंग्य यात्रा का प्रत्येक अंक पठनीय और संग्रहणीय होता है।

स्लीपिंग डिवोर्स
सुकून या संकेत?

मेघा राठी
भोपाल

भावना अपनी सहेली नताशा की बात सुनकर बहुत हैरान थी। नताशा ने उसे बताया कि उसने अपने पति से स्लीपिंग डिवोर्स ले लिया है। यह सुनकर भावना चौंक गई। 'इसका मतलब अब तुम साथ नहीं?' 'साथ क्यों नहीं हैं ! बल्कि अब तो हम पहले से कहीं ज्यादा एक दूसरे के करीब हैं।' नताशा ने सोफे पर सुकून के साथ गर्दन टिकाते हुए कहा। 'पर..,' 'देख यार, हसबैंड की लेट नाइट मीटिंग होती हैं, उनके विदेशी क्लाइंट्स से, क्योंकि वहां का टाइम जोन ओर यहां का टाइम जोन अलग है। ऐसे में मेरी नींद पूरी नहीं होती थी, जबकि वो देर तक सोकर नींद पूरी कर लेते थे। मुझे तो सुबह सारे काम जल्दी करके अपने ऑफिस जाना होता है। हमने आपसी सलाह से अपने कमरे अलग कर लिए।' इसके बाद नताशा ने विस्तार से भावना को अपनी सुखी जिंदगी के बारे में बताया।

घर आने के बाद भावना देर तक इस बारे में सोचती रही। उसके पति की भी खर्राटों की आवाज के कारण वह पूरी रात सही से सो नहीं पाती, तो क्या यह सुझाव वह भी अपना सकती है। अब आप सोचेंगे कि विवाह केवल साथ रहने का नहीं, साथ निभाने का नाम है, फिर यह स्लीपिंग डिवोर्स क्यों? लेकिन अब आधुनिक जीवनशैली में कई दंपति एक नया चलन अपना रहे हैं - "Sleeping Divorce" यानी साथ रहते हुए भी अलग-अलग बिस्तरों या कमरों में सोना। यह कोई कानूनी तलाक नहीं, बल्कि नींद और मानसिक शांति के लिए लिया गया भावनात्मक निर्णय है। सवाल यह नहीं कि यह सही है या गलत? सवाल यह है कि क्या यह कदम रिश्तों को बचाता है या धीरे-धीरे तोड़ देता है?

सकारात्मक पहलू- जब दूरी सुकून बन जाए

- नींद और स्वास्थ्य में सुधार- अच्छी नींद से मन हल्का रहता है, झगड़े कम होते हैं।
- भावनात्मक राहत- तनाव भरे रिश्ते में अलग सोना अस्थायी शांति देता है।
- स्वतंत्रता और आत्मसंतुलन- कभी-कभी खुद से जुड़ने के लिए थोड़ा अकेलापन जरूरी होता है।
- रिश्ता बचाने की कोशिश- जब साथ रहना बोझ लगे, तो थोड़ी दूरी रिश्ते को टूटने से भी बचा सकती है।

नकारात्मक पहलू- जब दूरी ही आदत बन जाए

- भावनात्मक ठंडापन- शारीरिक निकटता कम होते ही आत्मीयता भी घटने लगती है।
- संवाद की कमी- साथ न सोने से बातचीत का प्राकृतिक समय खो जाता है-यही संवाद रिश्ते की रीढ़ है।
- अकेलेपन की बढ़ती दीवार- यह दूरी कई बार स्थायी हो जाती है और मन में अलगाव का भाव गहरा जाता है।
- समाज की धारणा- भारतीय परिवेश में यह चलन अभी भी अजीब और "रिश्ता टूटने की निशानी" समझा जाता है।

क्या है 'Sleeping Divorce'

"Sleeping Divorce" का अर्थ है - पति-पत्नी का साथ रहते हुए भी अलग सोना ताकि दोनों अपनी सुविधा और नींद के अनुसार आराम पा सकें। यह प्रथा पश्चिमी देशों में लोकप्रिय हो चुकी है और अब धीरे-धीरे भारत में भी चर्चा का विषय बन रही है।

आखिर क्यों बढ़ रहा है यह चलन

- नींद की परेशानी- खर्राटे, करवटें बदलना या देर रात मोबाइल चलाना-ऐसी छोटी बातें भी नींद और रिश्ते दोनों बिगाड़ देती हैं।
- तनावपूर्ण जीवन- काम, जिम्मेदारियां और मानसिक दबाव के बीच कई लोग रात में अकेले रहकर खुद को शांत करना चाहते हैं।
- निजी स्पेस की चाह -आधुनिक जीवन में 'स्पेस' शब्द अब रिश्तों का भी हिस्सा बन चुका है। लोग अपनी स्वतंत्रता और दिनचर्या को प्राथमिकता देना चाहते हैं।
- स्वास्थ्य कारण- अनिद्रा, स्लीप एपनिया या उम्र से जुड़ी शारीरिक समस्याएं भी अलग सोने को मजबूर करती हैं।

कब अपनाएं और कब नहीं अपनाएं

- अगर नींद की कमी या स्वास्थ्य कारण रिश्ते में तनाव ला रहे हों, तो यह अस्थायी उपाय उपयोगी हो सकता है।
- अगर यह कदम संवाद से बचने या दूरी को छिपाने के लिए है, तो यह धीरे-धीरे भावनात्मक तलाक का रूप ले सकता है।
- सबसे जरूरी है-दोनों की सहमति, स्पष्ट बातचीत और आपसी सम्मान।

क्यों बंटे हुए हैं लोगों के विचार

- **समर्थक कहते हैं –** यह रिश्तों को अधिक संतुलित बनाता है, झगड़े कम करता है, और व्यक्तिगत आजादी को बढ़ावा देता है।
- **विरोधी मानते हैं –** यह प्रेम और निकटता की जड़ें कमजोर करता हैं, जब दो लोग साथ न सोएं, तो दिल भी अलग होने लगता है।

विचार का बिंदु : क्या दूरी भी प्रेम का हिस्सा हो सकती है?

- यह प्रश्न हर दंपति को खुद से पूछना होगा- क्या हम अलग बिस्तर पर सोकर बेहतर नींद चाहते हैं या बेहतर रिश्ता?
- कभी-कभी सुकून की तलाश में बनाई गई दीवारें, दिलों के बीच स्थायी दूरी बन जाती हैं।
- फिर भी, हर रिश्ता अलग होता है। कुछ के लिए "Sleeping Divorce" आराम की सांस है, तो कुछ के लिए अंत की शुरुआत।
- रिश्ते का मूल सार 'साथ' में है- केवल शरीर से नहीं, बल्कि मन से।

- अलग सोना गलत नहीं, पर अलग महसूस करना, जरूर एक चेतावनी है। अगर इस दूरी में भी अपनापन जिंदा रहे, तो रिश्ता सुरक्षित हैं, पर अगर यह दूरी चुप्पी में बदल जाए, तो शायद फिर पास आना मुश्किल हो जाता है।
- महत्वपूर्ण बात यह है कि साथ सोना जरूरी नहीं पर एक-दूसरे के सपनों में होना जरूरी है।

लोहड़ी पर अपने स्टाइलिश लुक को ऐसे निखारें

लोहड़ी भारतीय त्योहारों में एक ऐसा पर्व है, जिसे पूरे जोश और उल्लास के साथ मनाया जाता है। यह पर्व खासकर पंजाब और उत्तर भारत में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन बच्चों से लेकर बड़े तक सभी अपनी पारंपरिक पोशाक में तैयार होकर आग के चारों ओर नाचते-गाते हैं और आनंद लेते हैं। लड़कियों के लिए लोहड़ी का दिन केवल मस्ती और उत्सव का नहीं, बल्कि खूबसूरत दिखने और खुद को सजाने का भी दिन होता है। इस दिन लड़कियों को पारंपरिक एथनिक आउटफिट्स पहनना सबसे पसंद आता है। इन आउटफिट्स में सबसे लोकप्रिय है पटियाला सूट, जिसे परांदा, जूड़े और हल्की जूलरी के साथ स्टाइल किया जा सकता है। लोहड़ी के दौरान आउटफिट का चयन करना और उसे सही तरीके से स्टाइल करना अक्सर चुनौतीपूर्ण हो सकता है। अगर आप भी इस लोहड़ी पर स्टाइलिश और आकर्षक लुक अपनाना चाहती हैं, तो कुछ आसान और खूबसूरत आइडियाज अपना सकती हैं।

कलरफुल अनारकली सूट

अनारकली सूट एक ऐसा आउटफिट है, जो हर उम्र और लुक के लिए परफेक्ट होता है। लोहड़ी के रंग-बिरंगे माहौल में कलरफुल अनारकली सूट पहनना एक शानदार विकल्प है। अनारकली सूट का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आरामदायक होने के साथ-साथ किसी भी बॉडी टाइप पर खूबसूरती से सूट करता है।

कैसे पहनें : अनारकली सूट के साथ पजामा और दुपट्टा पहनें। दुपट्टे को हल्के से फ्लोइंग स्टाइल में ड्रेप करना लुक को और भी आकर्षक बनाता है।

हेयरस्टाइल : बालों को स्लीक बन में बांधें और जूड़े पर फूल लगाएं। यह ट्रेडिशनल लुक को और निखारता है।

ज्वेलरी : मेकअप और ज्वेलरी को संतुलित रखें। केवल इयररिंग्स या हल्की झुमके काफी हैं।

मेकअप : शिम्मरी और प्राकृतिक टोन का मेकअप अपनाएं ताकि आउटफिट और चेहरे का लुक दोनों साथ-साथ चमकें।

पटियाला सलवार और कंट्रास्ट कुर्ता

अगर आप पारंपरिक और हल्का रोचक लुक चाहती हैं, तो पटियाला सलवार के साथ कंट्रास्ट कुर्ता और दुपट्टा एक बेहतरीन विकल्प है। पटियाला लुक में सबसे खास बात यह है कि यह बेहद आरामदायक होने के साथ-साथ रंगों और पैटर्न में एक्सपेरिमेंट करने का मौका देता है।

कैसे पहनें : पिंक या ब्राइट कलर की पटियाला सलवार के साथ ग्रीन या हल्के कंट्रास्ट रंग का कुर्ता और दुपट्टा चुनें।

हेयरस्टाइल : बालों को चोटी में गुंथें और उस पर हल्का परांदा लगाएं। यह ट्रेडिशनल टच लुक में चार चांद लगाता है।

ज्वेलरी : हल्की ज्वेलरी जैसे छोटे झुमके या बिंदी लुक को पूरा करते हैं।

मेकअप : ग्लॉसी लिपस्टिक और हल्का आईशैडो इस लुक को परफेक्ट बनाता है।

रॉयल और एंब्लिश्ड लुक

यदि आप लोहड़ी पर ड्रामैटिक और रॉयल लुक चाहती हैं, तो एंब्लिश्ड सूट और कंट्रास्ट कलर की जोड़ी पर ध्यान दें। एंब्लिश्ड सूट सिर्फ स्टाइलिश नहीं, बल्कि फेस्टिव स्पिरिट के लिए भी परफेक्ट है। यह लुक खास तौर पर बड़े फंक्शन और रात्रि उत्सव के लिए उपयुक्त है।

कैसे पहनें : गहरे रंग का बॉटम (सलवार या चूड़ीदार) लें और हल्के या ब्राइट कलर का कुर्ता पहनें। उसके ऊपर रंगीन दुपट्टा फ्लोइंग स्टाइल में ड्रेप करें।

मेकअप : इस लुक के लिए थोड़ा डार्क मेकअप करें जैसे हल्की स्मोकी आइज और न्यूड या डार्क लिपस्टिक।

ज्वेलरी : गोल्डन ज्वेलरी और ब्रेसलेट के साथ इसे और आकर्षक बनाया जा सकता है।

रेड लुक

लोहड़ी पर रेड या ब्राइट कलर पहनना हमेशा ही परंपरा और उत्साह का प्रतीक माना जाता है।

रेड लुक कभी भी क्लासिक और टाइमलेस रहता है। यह रंग हर चेहरे के टोन पर खूबसूरत लगता है और उत्सव के माहौल में आपकी उपस्थिति को और चमकाता है।

कैसे पहनें : चूड़ीदार पजामी के साथ लाल या किसी ब्राइट रंग का कुर्ता और मैचिंग दुपट्टा लें।

ज्वेलरी : ओवरसाइज्ड झुमके या सिंपल एक्सेसरीज इस लुक को और निखार देती हैं।

मेकअप : मेकअप को हल्का और नैचुरल रखें। लिपस्टिक और आईलाइनर से लुक को कंप्लीट करें।

वाइब्रेंट अनारकली सूट

अगर आप सूट-सलवार के बजाय कुछ अलग और मॉडर्न पहनना चाहती हैं, तो वाइब्रेंट कलर की अनारकली सूट चुनें। वाइब्रेंट कलर की अनारकली सूट लोहड़ी के रंग-बिरंगे और खुशियों भरे माहौल में बिल्कुल फिट बैठती है।

कैसे पहनें : वाइब्रेंट या ब्राइट कलर की अनारकली के साथ हाई हील्स पहनें।

ज्वेलरी : झुमके या हल्की एथनिक ज्वेलरी इस लुक के लिए पर्याप्त है।

मेकअप : सिंपल मेकअप और हल्की आईशैडो लुक को परफेक्ट बनाते हैं।

लोहड़ी का त्योहार न केवल उत्सव का प्रतीक है, बल्कि यह सजने-संवरने और अपने लुक को निखारने का अवसर भी है। सही आउटफिट, स्टाइलिश ज्वेलरी, हल्का मेकअप और परफेक्ट हेयरस्टाइल के साथ आप इस दिन किसी भी पार्टी या समारोह में शानदार दिख सकती हैं। चाहे आप कलरफुल अनारकली सूट, पटियाला सलवार, रेड लुक या वाइब्रेंट अनारकली चुनें, ध्यान रखें कि लुक आरामप्रद और आत्मविश्वास भरा हो। आखिरकार, खूबसूरती केवल कपड़ों में नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और मुस्कान में भी झलकती है।

खाना खजाना

ड्राई फ्रूट्स लड्डू

ड्राई फ्रूट लड्डू आमतौर पर दीवाली, नवरात्रि और कृष्ण जन्माष्टमी जैसे त्योहारों पर बनाए जाते हैं। यह बिना चीनी और गुड़ के तैयार होने वाला एक सरल, स्वादिष्ट और पौष्टिक मीठाई है। इसे बनाने में खाद्य गोंद की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि बिना बीज वाले खजूर को मोटा पीसकर इस्तेमाल किया जाता है, जो प्राकृतिक बाइंडिंग और मिठास देता है। ड्राई फ्रूट लड्डू भारतीय डेजर्ट्स में सबसे हेल्दी विकल्पों में गिना जाता है। इसमें कैलोरी कम होती है और ड्राई फ्रूट्स से मिलने वाला प्राकृतिक पानी, विटामिन-ई, आयरन, मैग्नीशियम और बीटा कैरोटीन इसे सेहत के लिए बेहद लाभकारी बनाते हैं। *-वीना सोनी*

सामग्री

- 3 टेबल स्पून किशमिश
- 1 टेबल स्पून घी
- 1 कप बिना बीज के खजूर
- 1 कप पिस्ता
- 1 कप काजू
- 1 टी स्पून इलायची पाउडर
- 1 कप बादाम
- 1 टेबल स्पून खसखस

बनाने की विधि

सबसे पहले, एक ब्लेंडर में 1 कप बीज रहित खजूर लें और 4-5 बार सूखा ही ब्लेंड करें। खजूर दरदरे पीस लें। फिर एक तरफ रख दें। साथ ही, काजू, पिस्ता और बादाम को भी बारीक काट लें। इन्हें पाउडर न कर दें, क्योंकि फिर आपको कुरकुरापन नहीं मिलेगा।

एक कढ़ाई लें और उसमें एक टी स्पून घी डालें। इसके अलावा, इसमें सभी सूखे मेवे जैसेकि किशमिश, काजू, पिस्ता और बादाम डालें। उन्हें मध्यम आंच पर 3-4 मिनट तक भूनें, जब तक कि वे हल्के से रंग न बदल दें। अब इसमें ब्लेंड किए हुए डेट्स डालें। मध्यम आंच पर चलाते रहें और डेट्स को कलछी से अलग करते रहें। इससे डेट्स बाकी ड्राई फ्रूट्स में अच्छे से मिल जाते हैं।

अब इलायची पाउडर डालें और भूनें। इन्हें तब तक भूनें, जब तक खजूर तेल छोड़ने लगे। अब आंच बंद कर दें और एक या दो मिनट के लिए ठंडा होने दें। फिर तुरंत लड्डू बनाना शुरू करें। यदि आप इसे पूरी तरह से ठंडा होने देते हैं, तो आप लड्डू नहीं बना पाएंगे। तुरंत परोसें या एयरटाइट कंटेनर में लड्डू को स्टोर करें।

ध्यान रखने योग्य बातें -अपनी पसंद के हिसाब से ड्राई फ्रूट्स की मात्रा नियंत्रित करें।

आप नारियल, सूखे अंजीर या अपनी पसंद के सूखे मेवों का भी उपयोग कर सकते हैं।

अगर आपको यह अधिक मीठा पसंद है, तो अधिक खजूर डालें।

ड्राई फ्रूट्स को पाउडर न करें, क्योंकि फिर आपको कुरकुरापन नहीं मिलेगा।

अगर मिश्रण ठंडा हो गया है और आप लड्डू नहीं बना पा रहे हैं, तो चिंता न करें। आप एक मिनट के लिए माइक्रोवेव कर सकते हैं या एक मिनट के लिए तवे पर भून सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

कृषि वर्ग के छात्रों ने उगाई मशरूम की फसल

रिठौरा, अमृत विचार : दरबारी लाल शर्मा इंटर कॉलेज में कृषि वर्ग में अध्ययनरत कक्षा ग्यारहवीं, बारहवीं के छात्रों ने कक्षाध्यापक अतुल मौर्य के निर्देशन में मशरूम उगाई शनिवार को प्रदर्शनी के माध्यम फसल को प्रस्तुत किया। छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान भी जरूरी है प्रबंधन तंत्र एवं प्रधानाचार्य के सहयोग से लगातार बच्चों को शिक्षा के साथ -साथ व्यहवारिक क्रियाकलापों से भी गढ़ा जा रहा है। अतुल ने बताया कि छात्रों को किताब के साथ साथ प्रैक्टिल भी जरुरी है। इसकी तैयारी बच्चों ने की और उन्हें सफलता मिली है इससे वह उत्साहित भी है। इस दौरान प्रधानाचार्य आशीष कुमार सिंह, डॉ हरमीत सिंह, रघुवीर सरन, राजपाल सिंह, राघवेंद्र प्रताप सिंह, कुसुम गंगवार, सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

खेत में काम करते समय अधिवक्ता को सांप ने डसा

संभल, अमृत विचार : कोतवाली संभल क्षेत्र के सुल्तानपुर बुजुर्ग निवासी अधिवक्ता मोहम्मद याकूब शनिवार दोपहर अपने खेत में पानी चला रहे थे। इसी दौरान सांप ने अचानक उनके पैर में डस लिया। सांप के काटते ही उन्हें तेज दर्द और घबराहट महसूस होने लगी। परिजन व ग्रामीण उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने तुरंत प्राथमिक उपचार शुरू किया। डॉक्टरों ने बताया कि उचित उपचार से स्वस्थ होने की उम्मीद है।

ग्राम समाज की भूमि के कब्जेदारों को मिला स्टे

तहसील प्रशासन पर कब्जेदारों से मिलीभगत का आरोप

- दो दिन पूर्व कब्जेदारों के खेत में लगी बरसीम पर ट्रैक्टर चलाया शेष के लिए दी मोहलत

संवाददाता, नवाबगंज

कब्ज़ा हटाने गई टीम ने देखे थे कागजात, दो दिन बाद आज मिला स्टे (फाइल फोटो)

अमृत विचार: गांव ज्योरा मकरंदपुर की बेशकीमती ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जे का मामला अब प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि तहसील प्रशासन और कब्जेदारों की संदिग्ध साठगांठ की ओर इशारा कर रहा है। अपर आयुक्त (न्याय) कोर्ट द्वारा स्थगन आदेश जारी होते ही यह स्पष्ट हो गया है कि कब्जेदारों को जानबूझकर समय दिया गया ताकि वे स्टे हासिल कर सकें।

बरखन–दलेलनगर रोड किनारे स्थित ग्राम समाज की यह भूमि श्रेणी-3 में दर्ज है, जिसके पट्टे करीब एक दशक पहले ही खारिज किए जा चुके थे। इसके बावजूद तहसील प्रशासन ने आज तक इस सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने की कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। सवाल यह है कि जब पट्टे निरस्त हो चुके थे, तो कब्जा हटाने में वर्षों की देरी क्यों की गई। 23 माह पूर्व गांव के सूरजपाल और लालाराम ने तहसील दिवस में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन तहसील प्रशासन ने स्वयं रिपोर्ट दर्ज कराने से बचते हुए शिकायतकर्ताओं के नाम से ही आरोपी पट्टेदार संतराम के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दिया। कुछ ही दिनों बाद संतराम की मृत्यु हो गई, जिसके बाद उनके पुत्रों ने खुलेआम जमीन पर कब्जा जमा लिया। पुलिस ने भी मामले में फाइनल रिपोर्ट लगाकर केस बंद कर दिया, जबकि अभिलेखों में हेराफेरी करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

दो दिन पूर्व नायब तहसीलदार, कानूनगो, लेखपाल और पुलिस बल मौके पर पहुंचे, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ बरसीम की फसल पलटवाई गई। अधिकांश भूमि पर खड़ी गन्ने की फसल को जानबूझकर हाथ तक नहीं लगाया गया, और कब्जेदारों को फिर से मोहलत देकर टीम लौट आई। इसी का फायदा उठाते हुए कब्जेदार अपर आयुक्त (न्याय) कोर्ट से स्टे ले आए। शनिवार को नवीन परती दर्ज सरकारी भूमि पर स्थगनादेश जारी होते ही कब्जा हटाने की कार्रवाई पूरी तरह ठप हो गई।

शिकायतकर्ताओं का सीधा आरोप है कि तहसील प्रशासन ने पूरी रणनीति के तहत कब्जेदारों को स्टे लाने का समय दिया। उनका कहना है कि जब प्रशासन अपनी ही सरकारी भूमि को कब्जामुक्त नहीं करा पा रहा, तो यह लापरवाही नहीं बल्कि मिलीभगत का प्रमाण है।

घर लौट रहे व्यापारी पर सांड़ ने किया हमला, गंभीर घायल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार: अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे व्यापारी पर सांड़ ने हमला कर घायल कर दिया है, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नगर के मोहल्ला कुम्हारन टोला निवासी प्रवीण कुमार सोनवानी (30) शुक्रवार की रात विकास चौराहे पलिया बस अड्डे के पास अपना भोजनालय बंद कर घर लौट रहे थे। बताया जाता है कि मोहल्ले में छुट्टा सांड़ ने उन पर हमला कर दिया, जिससे उनका एक हाथ टूट गया है। गंभीर घायल प्रवीण को नगर के संजीवनी हॉस्पिटल में भर्ती करया गया, जहां उनका इलाज हो रहा है। पीड़ित व्यापारी का कहना है कि यह सांड़ पहले भी कई लोगों पर हमला कर चुका है। इस संबंध में नगर पालिका को कई बार सूचना देने के बावजूद अभी तक सांड़ को नहीं पकड़ा गया, जिससे मोहल्ले के बच्चों, बुजुर्ग और महिलाओं की सुरक्षा पर खतरा बना हुआ है।

भारतीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष अनूप गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में योगी सरकार गोवंशों की देखरेख के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है। इसके बावजूद सर्दियों के मौसम में रात के समय छुट्टा गोवंश सड़कों पर घूमते हुए नजर आते हैं। यह स्थिति नगर पालिका के अधिकारियों की घोर लापरवाही को दर्शाती है। उन्होंने जल्द ही छुट्टा गोवंश को पकड़वाने की मांग की।

सामने से निकल रहे डंपर को नहीं रोक रही पुलिस

देवरनियां कोतवाली के सामने से गुजरता मिट्टी भरा डंपर। ● अमृत विचार

संवाददाता, देवरनियां

- पुलिस की शह पर अवैध खनन का आरोप, मुख्यमंत्री समेत अफसरों से की शिकायत
- 20 दिन से दिन में बेखौफ दौड़ रहे मिट्टी भरे डम्पर

अमृत विचार : कोतवाली देवरनियां क्षेत्र में अवैध रूप से बेखौफ चल रहे अवैध खनन में पुलिस की मिलीभगत का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री समेत आला अफसरों को शिकायती पत्र भेजा गया है। यह शिकायत पूर्व सांसद वरूण गांधी के प्रतिनिधि ने की है।

कुछ समय पहले हाइवे किनारे देवरनियां के मोहनपुर में अवैध खनन कर पटान किया गया था। अब देवरनियां कोतवाली से चन्द कदम दूरी पर शेरिया इंटर कॉलेज के पास अवैध खनन कर पटान किया जा रहा है और मिट्टी भरे डंपर बेखौफ होकर दिन में भी दौड रहे हैं। यह डम्पर देवरनियां कोतवाली के सामने से गुजरते हैं । मगर पुलिस इन्हें नहीं रोकती। बताते हैं कि इसमें पुलिस से मिलकर ही खनन माफिया द्वारा डम्पर चलाए जा रहे हैं।

ढाकन लाल गंगवार सांसद प्रतिनिधि वरुण गाँधी ने देवरनियां में अवैध खनन कर दौड रहे डम्परों की शिकायत सोशल मीडिया एक्स के माध्यम से मुख्यमंत्री समेत डीएम, एडीजी जोन, आईजी रेंज, एस एसपी, यूपी पुलिस और बरेली पुलिस से की गई है। शिकायत में कहा गया है कि इससे इलाके के किसान परेशान हैं, इसपर कार्रवाई हो। पुलिस ने जांच कर कार्यवाही करने की बात कही है।बता दें कि अवैध खनन की ट्राली से ही शुक्रवार को बिथरी थाना क्षेत्र के गांव में मां बेटी की कुचल कर मौत हो गई थी। शनिवार को ग्रामीणों ने अंत्येष्टि करने से इंकार कर दिया। आश्वासन पर वह माने हैं।

लापता दो छात्र व छात्रा की तलाश में ग्वालियर गई टीम

पीलीभीत, अमृत विचार: रहस्यमय ढंग से लापता हुए दो छात्र और छात्रा का लंबे समय बाद भी सुराग नहीं लग सका है। उनकी बाइक मध्यप्रदेश के ग्वालियर में मिली थी। अब सभी का सुराग लगाने के लिए सुनगढ़ी पुलिस की एक टीम ग्वालियर भेजी गई है। ग्वालियर पुलिस के सहयोग से सीसीटीवी फुटेज चेक की जाएगी ताकि अगली लोकेशन मिल सके। हालांकि तीनों लोग जिस मोबाइल फोन को अपने साथ ले गए हैं। वह सभी लगातार स्विच ऑफ आ रहे हैं।

थाना सुनगढ़ी क्षेत्र का एक किशोर 29 दिसंबर को घर से निकला था और लापता हो गया। जब उसकी तलाश की गई तो पता चला कि उसी के साथ पढ़ने वाला एक और किशोर भी लापता है। इसके बाद पूर्व में साथ पढ़ने वाली छात्रा के भी लापता होने की बात सामने आई। बताते हैं कि एक किशोर घर से बाइक और मोबाइल, दूसरा अपने घर से पौने दो लाख रुपये और छात्रा अपने पिता के मोबाइल में से सिम निकालकर ले गई थी। पुलिस के अनुसार तीनों के एक साथ जाने की बात सामने आई है। परिजनों की तहरीर पर थाना सुनगढ़ी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की। तीनों की तलाश के लिए पुलिस की टीमों का गठन किया गया है। जिस बाइक से तीनों लोग लापता हुए थे।

मार्ग पर बॉक्स खुला

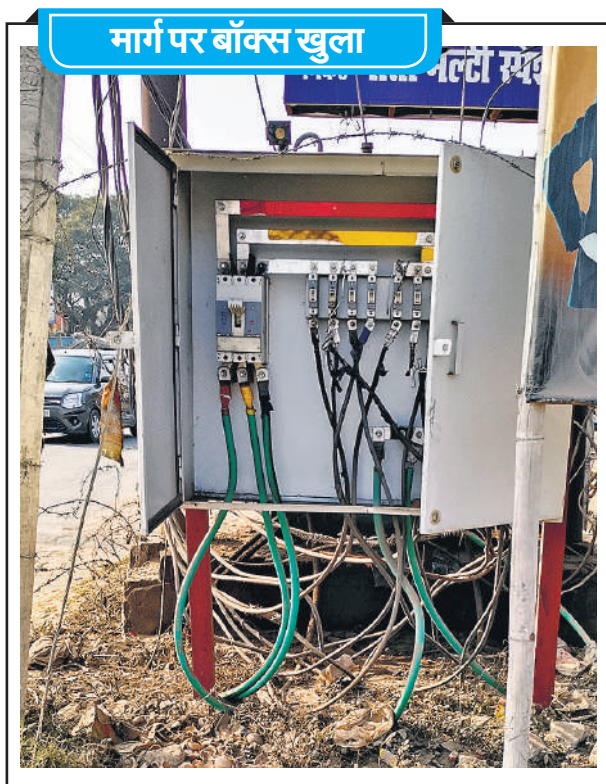

आबादी के बीच में लगा खुला हुआ टीपी बॉक्स कर रहा है हादसे का इंतजार

भुता, अमृत विचार : कस्बा क्षेत्र में बरेली बीसलपुर मुख्य मार्ग स्थित बालाजी मार्केट के सामने सड़क से 2 फीट ऊंचाई पर एक बिजली का ट्रांसफॉर्मर लगा है। जिसके नजदीक बिजली विभाग ने एक टीपी बॉक्स लगाया है। जिसमें ट्रांसफॉर्म द्वारा विद्युत सप्लाई चालू है। लेकिन यह टीपी बॉक्स का गेट महीनों से खुला हुआ है। आसपास के लोगों का कहना कभी-कभी इसमें स्पार्किंग होती रहती है। पास में मार्केट होने के कारण लोग अपना वाहन आदि भी यहां खड़ा करते हैं। कई बार बाजार में खरीदारी करने आए ग्रामीण बाजार में भीड़ होने के कारण अपने बच्चों को अपने वाहन के पास खड़ा करके चले जाते हैं। जो इस खुले विद्युत टीपी बॉक्स की चपेट में आने से कई बार बच चुके हैं।

पति को छोड़ प्रेमी के साथ रहने पर अड़ी महिला

संभल/कैला देवी, अमृत विचार: लापता महिला शनिवार को अपने दो बच्चों के साथ थाने पहुंची और प्रेमी के साथ रहने की जिद पर अड़ी रही।

कैला देवी थाना क्षेत्र के गांव लालपुर निवासी एक युवक एक माह पहले रोजी-रोटी की तलाश में दिल्ली गया था। पति के दिल्ली जाते ही पत्नी गांव कमालपुर निवासी अपने प्रेमी के साथ 11 दिसंबर को दोनों बच्चों को लेकर चली गई। शनिवार को महिला अचानक दोनों बच्चों के साथ कैला देवी थाने पहुंची। महिला का कहना था कि वह पति के साथ नहीं रहना चाहती। थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि एक महिला अपने दो बच्चों के साथ थाने आई थी। उसने पति के साथ जाने से इनकार किया है। महिला को बयान दर्ज कराने के लिए भेजा गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

चिटौली में एग्रीस्टैक कार्य का कराया संचालन

संवाददाता, मीरगंज

योजना के तहत गांव में निरीक्षण करते तहसीलदार। ● अमृत विचार

- राजस्व रिकॉर्ड में पारदर्शिता और भूमि विवादों का खत्मा होगा

अमृत विचार: ग्रामीण विकास और राजस्व प्रणाली को आधुनिक बनाने की दिशा में मीरगंज तहसील प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। तहसीलदार आशीष कुमार सिंह ने शनिवार को तहसील की ग्राम पंचायत ठिरिया खेतल और चिटौली में एग्रीस्टैक योजना के तहत भू-अभिलेखों के डिजिटलीकरण और डेटा संग्रहण का कार्य आधिकारिक तौर पर शुरू कर दिया गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य राजस्व रिकॉर्ड में पारदर्शिता लाना और भूमि विवादों को जड़ से खत्म करना है। इस दौरान, तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिए रोजगार सेवक राजा राम को तहसील बुलाया गया। उनके तकनीकी मुद्दों का तत्काल निस्तारण कराया गया, ताकि कार्य में किसी प्रकार की बाधा न आए।

उन्होंने चेतावनी दी कि डेटा फीडिंग और सर्वेक्षण में किसी भी प्रकार की त्रुटि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्य में शिथिलता बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। एग्रीस्टैक योजना के सफल क्रियान्वयन से ग्रामीणों और किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। इस अभियान के दौरान लेखपाल आदित्य कुमार और पंचायत सहायक पुष्पा भी उपस्थित रहे। उन्होंने ग्राम स्तर पर चल रहे सर्वेक्षण और रिकॉर्ड अपडेशन की विस्तृत जानकारी साझा की।

प्रशासन की इस सक्रियता को ''डिजिटल इंडिया'' अभियान की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है। उन्होंने बताया कि दो गांवों में उन्होंने स्वयं शुरू कराया है।इसमें अलावा सौ से ऊपर गावों में कार्य शुरू हो गया है।

क्या है एग्री स्टैक योजना : एग्री स्टैक का उद्देश्य किसानों को सस्ता ऋण, उच्च-गुणवत्ता वाली कृषि सामग्री, स्थानीय और विशिष्ट सलाह, और बाज़ारों तक अधिक सूचित और सुविधाजनक पहुँच प्रदान करना है। एग्री स्टैक का उद्देश्य सरकारों के लिए विभिन्न किसान और कृषि-केंद्रित लाभकारी योजनाओं की योजना बनाना और लागू करना भी आसान बनाना है।

सर्राफ ने गोली मारकर कर ली आत्महत्या

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- शनिवार सुबह गोली की आवाज सुनकर व्यापारी के घर पहुंचे थे पड़ोसी

विद्यासागर रस्तोगी।

अमृत विचार : सप्ताह भर से बीमार चल रहे बुजुर्ग सराफा व्यापारी ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली। स्वास्थ्य खराब होने की वजह से वह परेशान चल रहे थे। उन्होंने चार दिन से अपनी दुकान नहीं खोली थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

वजीरगंज थाना क्षेत्र के नगर सैदपुर के मोहल्ला महेश चौक निवासी विद्यासागर रस्तोगी (92) पुत्र भूपराम रस्तोगी सराफा व्यापारी थे। घर के बाहरी हिस्से में ही उनकी दुकान थी। उनकी पत्नी की लगभग 10 साल पहले मौत हो चुकी थी। उनके चार बेटों में दो की मौत हो चुकी है। जबकि दो बेटे जिले से बाहर रहकर व्यापार करते हैं। बड़े बेटे ब्रजकिशोर रस्तोगी दिल्ली और छोटे बेटे नंद किशोर रस्तोगी बरेली रहते हैं।

जिसके चलते वह अपने घर पर अकेले रहते थे। वह एक सप्ताह से बीमार चल रहे थे। उन्हें टॉयलेट न आने की समस्या हो गई थी। इलाज के दौरान निजी चिकित्सक ने उनके नली डाली थी। जिसकी वजह से वह मानसिक और शारीरिक तनाव में आ गए थे। उन्होंने चार दिन से अपनी दुकान नहीं खोली थी। बताया जा रहा है कि आसपास के लोगों ने उनके बेटों को सूचना दी थी लेकिन वह लोग नहीं आए। शनिवार सुबह वह घर से बाहर नहीं निकले। इसी दौरान पड़ोसियों को गोली चलने की आवाज आई। वह विद्यासागर रस्तोगी के घर पहुंचे। घर का दरवाजा खटखटाया लेकिन भीतर कोई गतिविधि नहीं हुई। भीतर जाकर देखा तो विद्यासागर रस्तोगी का शव पड़ा था। पास में ही एक तमंचा और सात कारतूस थे। लोगों की सूचना पर वजीरगंज के थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे और आलाधिकारियों को सूचना दी। सीओ बिसौली सुनील कुमार सिंह ने मौका मुआयना किया। फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। के परिजनों को सूचना दी गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि बीमारी और अकेलेपन की वजह से वह परेशान रहते थे। एसपी देहात डॉ. ह्रदेश कठेरिया ने बताया कि बुजुर्ग की मौत हुई थी। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है।

लालच में फंसाकर मांगी फिरौती, किशोर ने दी जान

कार्यालय संवाददाता,संभल/मनोटा

- किशोर के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

अमृत विचार: थाना ऐंचौड़ा कंबोह क्षेत्र में लालच के जाल में फंसाकर किशोर से फिरौती मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मानसिक तनाव में आकर किशोर ने कीटनाशक दवा खा ली, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना ऐंचौड़ा कंबोह क्षेत्र के गांव सघन मछरिया निवासी महेंद्र सिंह ने बताया कि गांव के ही सौरभ पुत्र जय सिंह ने उनके 17 वर्षीय बेटे मोनू को लालच भरी बातों में फंसाकर अपने वश में कर लिया। आरोप है कि इसके बाद सौरभ ने मोनू से दो लाख रुपये की फिरौती मांगनी शुरू कर दी। लगातार दबाव और मानसिक तनाव के चलते मोनू ने कीटनाशक दवा खा ली। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए, जहां 29 दिसंबर को उसकी मौत हो गई। बेटे की मौत के बाद जब पीड़ित परिवार ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की बात कही तो आरोपी द्वारा जान से मारने की धमकी देने लगा। थाना प्रभारी मोहित काजला ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ धारा 108/351(3) बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सामूहिक धर्मांतरण के प्रयास का आरोप

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- इलाज के नाम पर धर्म बदलवाने का दावा, पुलिस कार्रवाई पर उठे सवाल

अमृत विचार: फूलबेहड़ थाना क्षेत्र के सुरजीपुरवा गांव में सामूहिक धर्मांतरण के प्रयास को लेकर उस समय तनाव की स्थिति बन गई। जब हिंदू संगठनों ने गांव में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण कराने की साजिश का आरोप लगाया। हिंदू संगठनों का कहना है कि गांव में करीब 70 ग्रामीणों का धर्मांतरण कराने की तैयारी चल रही थी और इसके लिए बाहर से आए एक पादरी ने लोगों को नदी किनारे एकत्र किया था। इस मामले का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

संगठनों के अनुसार मौके पर मौजूद लोगों को बीमारी से राहत दिलाने और इलाज कराने का झांसा देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा था। आरोप है कि धार्मिक प्रार्थनाओं और प्रचार सामग्री के जरिए लोगों को बहकाया जा रहा था। जब इसकी जानकारी हिंदू संगठनों को मिली तो बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए।

हिंदू संगठनों का दावा है कि कार्यकर्ताओं को आता देख कथित आयोजक और पादरी मौके पर रखी धार्मिक पुस्तिकाएं व अन्य सामग्री छोड़कर भाग निकले। इसके बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और ग्रामीणों में भी रोष देखने को मिला। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, लेकिन हिंदू संगठनों ने पुलिस के मौके पर देर से पहुंचने का आरोप लगाया है। संगठनों का कहना है कि यदि पुलिस समय पर पहुंच जाती तो आरोपियों को मौके से ही पकड़ा जा सकता था। इसे लेकर कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की जानकारी मिलने पर टीम को मौके पर भेजा गया है। पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच की जा रही है।

ग्रामीणों और संगठनों से पूछताछ की जा रही है। प्राप्त तहरीर व साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात है। प्रशासन का कहना है कि किसी भी तरह से कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। एएसपी पूर्वी पवन गौतम ने बताया कि जांच की जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

शराबी कहने पर जला दिया पत्नी का रजाई और गद्दा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- पत्नी को तलाक दिया, प्रभारी निरीक्षक बोले संज्ञान में नहीं

अमृत विचार: बंडा क्षेत्र में एक पेट्रोल पंप मालिक ने अपनी पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। पति ने गुस्से में आकर पत्नी की हर निशानी रजाई, गद्दा आदि में आग लगा दी। उसका आरोप है कि पत्नी तलाक चाहती थी। इस लिए उसे तलाक देकर अपने दिल से निकाल दिया।

बंडा थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी दिनेश जिंदल का जिंदल के नाम से पेट्रोल पंप है। उसकी शादी को कई साल हो गए है। उसकी पत्नी कुछ दिनों से अपने मायके महोली में रह रही थी। वह अपनी पत्नी से मिलने अपनी ससुराल गया था। उसका अपनी पत्नी और ससुराल वालों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। उसका आरोप है कि पत्नी ने उसके साथ मारपीट की। पत्नी उसको शराबी कहकर तलाक मांगती थी। उसने गुस्से में आकर ससुराल वालों ने दिया गया बेड, रजाई, गद्दा और चादर निकालकर घर के बाहर शाम को जला दिया। पीड़ित दिनेश ने कहा कि उसके पिता ने कहा था कि पत्नी जिस दिन हाथ उठा दे तो उस दिन उसे छोड़ देना। उसने कहा कि पत्नी को तलाक दे दिया है। दिनेश ने आरोप लगाया कि पत्नी उन पर अवैध संबंध का शक करती थी, लेकिन सरासर गलत था। पत्नी शराबी कहने पर शराब पीना शुरु कर दी थी। बंडा प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि उनके संज्ञान में नहीं है।

गन्ने के खेत से घास काटकर आ रही महिला को खींच ले गया बाघ

- ग्रामीणों के साथ वन विभाग ने शुरू किया सर्च ऑपरेशन

संवाददाता, निघासन

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व के बेलरायां रेंज परिक्षेत्र में बाघ के हमले से शनिवार को पूरे इलाके में दहशत फैल गई। गन्ने के खेत से घास काटकर आ रही एक महिला को बाघ गन्ने के अंदर खींच ले गया। घटना के बाद से महिला का कोई सुराग नहीं लग सका है। वन विभाग की टीम ग्रामीणों के साथ मिलकर सघन सर्च ऑपरेशन चला रही है।

कोतवाली तिकुनियां क्षेत्र के गांव भेड़ोरी निवासी उषा (40) शनिवार को गांव की एक अन्य महिला के साथ गांव के उत्तर गांव महराजनगर के पास गन्ने के खेत से घास काटकर घर लौट रही थी। दोपहर के समय जब आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग घर लौट रहे थे, उसी दौरान गन्ने के खेत में छिपे बाघ ने अचानक उषा पर झपट्टा मार दिया और उसे घसीटते हुए खेत के भीतर ले गया।

घटना को अपनी आंखों के सामने होता देख साथी दूसरी महिला घबराकर मौके पर ही बेहोश हो गई। कुछ समय बाद होश में आने पर वह गांव पहुंची और परिजनों व ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। खबर मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके की ओर दौड़ पड़े। सूचना पर वन विभाग की टीम उत्तर निघासन रेंज बेलरायां के वन क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह के साथ मौके पर पहुंची। गन्ने के खेतों में काम्बिंग शुरू की गई। मौके से महिला का साल और गन्ने का अगोला बरामद हुआ, जिससे आशंका है कि बाघ महिला को काफी दूर तक घसीटकर ले गया है। खेतों में बाघ के ताजे पगचिह्न भी देखे गए, जिन्हें चिन्हित किया गया है।

वन क्षेत्राधिकारी उत्तर निघासन भूपेंद्र सिंह ने बताया कि मौके पर वन विभाग का पूरा अमला मौजूद है और महिला की तलाश के लिए गन्ने के खेतों में सघन सर्च अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा को देखते हुए सर्च टीम को अलग-अलग हिस्सों में बांटा गया है और प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में भय का माहौल है।

सैकड़ों ग्रामीण लाठी-डंडों से लैस होकर खेतों के आसपास जमा हैं और वन विभाग की टीम के साथ महिला की तलाश में सहयोग कर रहे हैं। एहतियात के तौर पर आसपास के गांवों में लोगों को अकेले खेतों में न जाने की सलाह दी गई है।

खेत पर गए ग्रामीण पर बाघ का हमला, घायल

संवाददाता, मझगईं

- गंभीर हालत में ग्रामीण को सीएचसी में कराया भर्ती
- दो माह से देखा जा रहा बाघ मूकदर्शक बना वन विभाग

अमृत विचार: मझगईं वन रेंज के तहत बाघ के हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। बेला कलां गांव निवासी 60 वर्षीय ग्रामीण पर बाघ ने गांव के पास खेत में हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे सीएचसी पलिया में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद से ग्रामीणों में भारी आक्रोश और भय व्याप्त है।

बेला कलां गांव निवासी वाजिद अली पुत्र रूस्तम अपने मवेशियों के लिए चारा लाने खेत की ओर गए थे। रोजअली के खेत के समीप जैसे ही वह झाड़ियों के पास पहुंचे, तभी वहां छिपे बाघ ने अचानक उन पर झपट्टा मार दिया। अचानक हुए हमले से वाजिद अली संभल भी नहीं पाए और बाघ ने उन्हें जमीन पर गिरा दिया। बाघ के नुकीले नाखूनों के गहरे पंजे उनके हाथ और पीठ में लगने से वह लहूलुहान हो गए।

ग्रामीण के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के खेतों में काम कर रहे किसान मौके की ओर दौड़े। लोगों की भीड़ और शोर-शराबा होता देख बाघ मौके से जंगल की ओर भाग निकला। घटना के बाद अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने घायल वाजिद अली को उठाकर पलिया सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर बताई है और उनका उपचार जारी है। हमले की सूचना से वन विभाग में हड़कंप मच गया। मझगईं वन रेंज के रेंजर अंकित सिंह ने बताया कि क्षेत्र में पहले से ही बाघ की गतिविधियों को देखते हुए पिंजरा लगाया गया है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह भी बाघ को गांव के आसपास घूमते देखा गया था।

वन विभाग की टीम लगातार इलाके में गश्त कर रही है और ग्रामीणों को सतर्क रहने, अकेले खेतों या जंगल की ओर न जाने तथा बच्चों को बाहर न भेजने की अपील की जा रही है। बेला कलां समेत आसपास के कई गांवों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

अमृत विचार

रविवार, 11 जनवरी 2026

विहाय कामाण्यः सर्वान्पुमंशचरति निष्स्पृहः।
निर्ममो निरहंकार स शांतिमधिगच्छति ॥

जिस व्यक्ति ने इंद्रिय तृप्ति के लिए सभी इच्छाओं को त्याग दिया है, जो इच्छाओं से मुक्त रहता है, जिसने स्वामित्व की सभी भावनाओं को त्याग दिया है और झूठे अहंकार से रहित है- केवल वही वास्तविक शांति प्राप्त कर सकता है।

केन्द्र से टकराने की सतही राजनीति

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संवैधानिक संकट पैदा कर दिया है। वे केन्द्रीय जांच एजेंसियों से भिड़ रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यहां तृणमूल कांग्रेस के रणनीतिकार के आवास व कार्यालय पर छापा मारा। बताया गया कि एक घोटाले की जांच के लिए यह कार्यवाही की गई है, लेकिन जांच व कार्यवाही के समय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मौके पर पहुंच गईं। वे अपने साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी ले गईं। दोनों पक्षों के बीच तीखी बातचीत हुई। आरोप प्रत्यारोप लगे। प्रवर्तन निदेशालय ने बताया कि यह छापा कोयला तस्करी से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े हुए हैं। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने छापे मारने की आड़ में उनके चुनावी रणनीति संबंधी रिकार्ड को जब्त किया। प्रत्याशियों की सूची भी छीन ली गई है। इस आलेख के प्रेस में जाने तक तृणमूल कांग्रेस के लगभग दो दर्जन सांसद राजधानी दिल्ली में गृह मंत्रालय के बाहर धरना दे रहे हैं। केन्द्रीय जांच एजेंसी के सामने राज्य पुलिस को खड़ा कर देना गंभीर संवैधानिक संकट पैदा कर सकता है।

> भारतीय संविधान में केन्द्र व राज्यों के बीच विषयों की एक सूची है। इस सूची के अनुसार पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आती है और सीबीआई-ईडी केन्द्रीय प्राधिकार में होते हैं। दोनों को आमने-सामने खड़ा कर देना संविधान का उल्लंघन है। दोनों परस्पर पूरक हैं, लेकिन ममता बनर्जी ने देश के संघीय ढांचे का ध्यान नहीं रखा। ऐसा कई बार हुआ है। वे विकल्प नहीं छोड़तीं और केन्द्रीय सत्ता को दोष दिया करती हैं।

सबसे खास बात है कि मुख्यमंत्री होने के बावजूद ममता ने घोषणा की कि प्रवर्तन निदेशालय के छापे के जवाब में पश्चिम बंगाल में भाजपा के कार्यालयों पर छापेमारी की जाए तो क्या होगा? वे संविधान की परवाह नहीं करतीं। केन्द्र से टकराव लेना और स्वयं को केन्द्र द्वारा पीड़ित बताना ममता की राजनीति का हिस्सा है। पश्चिम बंगाल में जब कब केन्द्र और राज्य के बीच टकराव की घटनाएं होती ही रहती हैं। जनता ऐसी घटनाओं व ममता से ऊब गई है। तृणमूल कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो रही है। उम्र और परिस्थितियां ममता बनर्जी की सरकार बनाने में सक्षम नहीं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बहुत पहले ही बंगाल विधानसभा चुनाव को जीतने की महत्वाकांक्षा प्रकट कर दी थी। इसी क्रम में गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल का तीन दिवसीय दौरा किया था। उन्होंने तृणमूल के कुशासन की ओर जनता का ध्यान खींचा और राजग की शक्ति का गुरु मंत्र भाजपा के नेताओं को दिया। शाह ने कहा कि भय, भ्रष्टाचार, कुशासन और विदेशी घुसपैठ की राजनीति के स्थान पर विकास, विरासत और गरीब कल्याण की मजबूत सरकार बनाने का संकल्प बंगाल की जनता में दिखाई पड़ रहा है। ममता बनर्जी 2021 का चुनाव जीती भी थीं। भाजपा भी पूरे आत्मविश्वास के साथ चुनाव लड़ी और नेता विरोधी दल के पद को हथियाने में सफल रही। 2021 की तुलना में राजनीतिक माहौल बदल चुका है। राजग का विस्तार हो रहा है। विदेशी घुसपैठ को लेकर ममता विपक्ष के आरोपों के घेरे में हैं। पड़ोसी बांग्लादेश में हिन्दुओं के विरुद्ध हुई हिंसा से विश्व आहत है। पश्चिम बंगाल के हिन्दू मतदाता भी बांग्लादेश की घटनाओं से आक्रोश में हैं।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश

पिछले विधानसभा के चुनाव में ममता पर अल्पसंख्यकवादी होने के आरोप लगे थे। अब वे स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने के लिए प्रयासरत हैं। पिछले चुनाव में उन्होंने मंच से ही चंडी पाठ किया था। इस बार की चुनौती बड़ी है। 2021 की तुलना में राष्ट्रवाद का विचार काफी सशक्त हो गया है। ममता द्वारा चुनाव के पहले दुर्गा आंगन और सिलीगुड़ी में महाकाल मंदिर निर्माण की घोषणा के संकेत भी दिए गए हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेता और विधायक हुमायूं कबीर ने बाबरी मस्जिद की नींव रखी। यहां प्रत्येक शुक्रवार को भारी संख्या में लोग आते हैं। एकत्रीकरण बढ़ता ही जा रहा है। यद्यपि ममता बनर्जी के विधायक हुमायूं कबीर को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है, तो भी स्थानीय नागरिक काफी डरे सहमे हुए हैं। बाबर भारतीय मुसलमान नहीं था। वह विदेशी हमलावर था। उसी की सहायता और मार्गदर्शन में बाबर के सिपहसालार सैयद मीर बाकी ने 1528 में अयोध्या का श्रीराम जन्मभूमि मंदिर ध्वस्त कर दिया था। दीर्घकाल तक चले आंदोलन से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण हुआ। दिव्य और भव्य श्रीराम जन्मभूमि मंदिर बन चुका है। लाखों श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं।

अयोध्या में की गई खुदाई की पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग की रिपोर्ट में 3500 साल ईसापूर्व का वर्णन है। रिपोर्ट के अनुसार ईसापूर्व 3500 वर्ष से 1000 ईसापूर्व तक अयोध्या एक बस्ती है। एएसआई के अनुसार यहां एक दिव्य और भव्य मंदिर पहले से था। रिपोर्ट में 500 ईसवी तक मंदिर के अस्तित्व के साक्ष्य हैं। मंदिर गिराकर मस्जिद बनाने के पाप को सुधारा जा चुका है। क्या देश बाबर को भूल सकता है? श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन और इसी विचार परिवार के अन्य संगठन भारतीय जनमानस का दिल जीतने में कामयाब हुए हैं। अब स्वयं को हिन्दू बताना लज्जा का विषय नहीं है। ममता बनर्जी बहुत पहले से ही अल्पसंख्यकवादी हैं। वे और इंडी गठबंधन के अधिकांश नेता स्वयं को हिन्दू सिद्ध करने में जुटे हुए हैं। पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति के संकेत सुस्पष्ट हैं। ममता पश्चिम बंगाल में बहुत कमजोर स्थिति में हैं। अभी चुनाव के लिए कुछ महीने बचे हैं। पश्चिम बंगाल की उथल-पुथल को देश देख रहा है। दरअसल ममता बनर्जी को जनता के बीच तृणमूल कांग्रेस विरोधी भावनाएं सुस्पष्ट दिखाई दे रही हैं। ममता के मन में विधानसभा चुनाव को लेकर उत्साह है। वे हिन्दू ध्रुवीकरण की रणनीति पर अग्रसर हैं, लेकिन चुनाव में ध्रुवीकरण का लाभ उनको नहीं मिलेगा। ममता बनर्जी की राज्य सरकार के कार्यकाल में सत्ता संरक्षित लूट के मामले लगातार बढ़े हैं। आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज व संदेशखाली के महिला उत्पीड़न के मामले सर्वविदित हैं। ममता के राज्य में अल्पसंख्यक तुष्टीकरण नया नहीं है। बेरोजगारी बढ़ी है। लोग गांव छोड़कर पलायन कर रहे हैं और विकास का कहीं कोई नाम नहीं है। विपक्षी भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न जारी है।

भारतीय संविधान में केन्द्र व राज्यों के बीच विषयों की एक सूची है। इस सूची के अनुसार पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्र में आती है और सीबीआई ईडी केन्द्रीय प्राधिकार में होते हैं। दोनों को आमने-सामने खड़ा कर देना संविधान का उल्लंघन है। दोनों परस्पर पूरक हैं, लेकिन ममता बनर्जी ने देश के संघीय ढांचे का ध्यान नहीं रखा। ऐसा कई बार हुआ है। वे विकल्प नहीं छोड़तीं और केन्द्रीय सत्ता को दोष दिया करती हैं। संविधान के अनुच्छेद 355 में वाह्य आक्रमण और आंतरिक अशांति से राज्य की संरक्षा करने का संघ का कर्तव्य है। ये भी है कि वाह्य आक्रमण और आंतरिक अशांति की सुरक्षा के साथ प्रत्येक राज्य की सरकार का इस संविधान के अपबंधों के अनुसार चलाया जाना सुनिश्चित करें, लेकिन ममता बनर्जी संविधान की मूल भावना का उल्लंघन कर रही हैं। उन्हें याद कराना पड़ेगा कि मुख्यमंत्री के सम्माननीय पद पर बैठने के समय संविधान पालन की शपथ ली जाती है। वे सम्माननीय मुख्यमंत्री हैं। उन्हें संविधान विरोधी कार्य नहीं करना चाहिए, लेकिन उनका एक स्वभाव है। वे बहुधा गुस्से में आ जाती हैं। उन्होंने भाजपा को चुनौती दी है कि वह तृणमूल कांग्रेस को लोकतांत्रिक तरीके से हराकर दिखाएं। वे चुनौती की भाषा बोलती हैं, लेकिन असल चुनौती आगामी विधानसभा चुनाव हैं। इसमें भाजपा की जीत पक्की है।

देश के अमूल्य रत्न थे लाल बहादुर शास्त्री

भारत के प्रधानमंत्री बनने से पहले लाल बहादुर शास्त्री विदेश मंत्री, गृहमंत्री और रेल मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद संभाल चुके थे। ईमानदार छवि और सादगीपूर्ण जीवन जीने वाले लाल बहादुर शास्त्री नैतिकता की मिसाल थे। जब शास्त्री जी प्रधानमंत्री बने, तब उन्हें सरकारी आवास के साथ शेवरले इंपाला कार भी मिली थी, लेकिन उसका उपयोग वे बेहद कम किया करते थे। किसी राजकीय अतिथि के आने पर ही वह गाड़ी निकाली जाती थी। एक बार शास्त्री जी के बेटे सुनील शास्त्री किसी निजी कार्य के लिए यही सरकारी कार उनसे बगैर पूछे ले गए और अपना काम पूरा करने के पश्चात कार चुपचाप लाकर खड़ी कर दी। जब शास्त्री जी को इस बात का पता चला, तो उन्होंने ड्राइवर को बुलाकर पूछा कि गाड़ी कितने किलोमीटर चली? ड्राइवर ने बताया कि गाड़ी कुल 14 किमी चली है। उसी क्षण शास्त्री जी ने उसे निर्देश दिया कि रिकॉर्ड में लिख दो, 'चौदह किमी प्राइवेट यूज'। उसके बाद उन्होंने पत्नी ललिता को बुलाकर निर्देश दिया कि निजी कार्य के लिए गाड़ी का इस्तेमाल करने के लिए वह सात पैसे प्रति किमी की दर से सरकारी कोष में पैसे जमा करवा दें।

श्वेता गोयल
लेखिका

प्रधानमंत्री बनने के बाद शास्त्री जी पहली बार अपने घर काशी आ रहे थे, तब पुलिस-प्रशासन उनके स्वागत के लिए चार महीने पहले से ही तैयारियों में जुट गया था। चूंकि उनके घर तक जाने वाली गलियां काफी संकरी थी, जिसके चलते उनकी गाड़ी का वहां तक पहुंचना संभव नहीं था, इसलिए प्रशासन द्वारा वहां तक रास्ता बनाने के लिए गलियों को चौड़ा करने का निर्णय लिया गया। शास्त्री जी को यह पता चला तो उन्होंने तुरंत संदेश भेजा कि गली को चौड़ा करने के लिए कोई भी मकान तोड़ा न जाए, मैं पैदल ही घर जाऊंगा।

> शास्त्री जी के बाद कई प्रधानमंत्रियों ने देश की बागडोर संभाली, लेकिन उनके जितना सादगी वाला कोई भी दूसरा प्रधानमंत्री देखने को नहीं मिला। सही मायनों में शास्त्री जी को उनकी सादगी, कुशल नेतृत्व और जनकल्याणकारी विचारों के लिए ही सदैव स्मरण किया जाता रहेगा।

रेलमंत्री रहते हुए शास्त्री जी एक बार रेल के ए.सी. कोच में सफर कर रहे थे। उस दौरान वे यात्रियों की समस्या जानने के लिए जनरल बोगी में चले गए। वहां उन्होंने अनुभव किया कि यात्रियों को कितनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे वे काफी नाराज हुए और उन्होंने जनरल डिब्बे के यात्रियों को भी सुविधाएं देने का निर्णय लिया। रेल के जनरल डिब्बों में पहली बार पंखा लगवाते हुए रेलों में यात्रियों को खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पैंट्री की सुविधा भी उन्होंने शुरू करवाई। 2 अक्तूबर 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में जन्मे भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की आज हम पुण्यतिथि मना रहे है। पाकिस्तान यात्रा के दौरान 11 जनवरी 1966 की रात मौत हो गई थी। शास्त्री जी के बाद कई प्रधानमंत्रियों ने देश की बागडोर संभाली, लेकिन उनके जितना सादगी वाला कोई भी दूसरा प्रधानमंत्री देखने को नहीं मिला। सही मायनों में शास्त्री जी को उनकी सादगी, कुशल नेतृत्व और जनकल्याणकारी विचारों के लिए ही स्मरण किया जाता है और सदैव किया भी जाता रहेगा। उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लेना ही सच्चे अर्थों में उन्हें हमारी श्रद्धांजलि होगी।

प्रशिक्षण बनाम शिक्षण संतुलन की तलाश

प्रशिक्षण के मूल विचार से किसी भी शिक्षक को आपत्ति नहीं हो सकती। दक्षता, आत्मविश्वास और समर्थता के बीच का संबंध जितना स्वाभाविक है, उतना ही आवश्यक भी। समस्या प्रशिक्षण की अवधारणा में नहीं, उसके अंधाधुंध और अविवेकी प्रयोग में है। जब प्रशिक्षण साधन से अधिक लक्ष्य बन जाए, जब सीखने की जगह उपस्थिति, प्रमाणपत्र और फोटो अपलोड करना प्रमुख उद्देश्य बन जाए, तब वही प्रशिक्षण शिक्षण को सशक्त करने के बजाय उसे बोझिल और तनावकारी बना देता है। सबसे पहले सवाल समय का है। प्रशिक्षण कब हों? शैक्षणिक सत्र के बीच, परीक्षा के दौरान या अवकाश में या फिर बजट खर्च माह मार्च के अंत में? आज प्रशिक्षण ऐसे समय थोप दिए जाते हैं, जब शिक्षक कक्षा, मूल्यांकन और बच्चों की जरूरतों से जूझ रहा होता है। ऐसे में प्रशिक्षण सीखने की प्रक्रिया नहीं, व्यवधान बन जाता है। दूसरा सवाल मात्रा का है-कितना प्रशिक्षण आवश्यक है और कितना केवल आंकड़ों की पूर्ति? अनगिनत डोज में दिए गए प्रशिक्षण ज्ञान नहीं बढ़ाते, बल्कि मानसिक थकान और ऊब पैदा करते हैं।

प्रवीण त्रिवेदी
शिक्षक

ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रशिक्षण का संतुलन भी गंभीर विचार मांगता है। ऑनलाइन प्रशिक्षण सुविधा है, समाधान नहीं। हर शिक्षक की डिजिटल क्षमता, नेटवर्क उपलब्धता और घरेलू परिस्थिति समान नहीं होती। वहीं ऑफलाइन प्रशिक्षण यदि संवाद, अभ्यास और अनुभव-साझा करने की जगह केवल औपचारिकता बन जाए, तो उसका लाभ भी सीमित रह जाता है। प्रशिक्षण का माध्यम नहीं, उसका उद्देश्य और गुणवत्ता निर्णायक होनी चाहिए।

विषयवार प्रशिक्षण की स्थिति तो और भी विडंबनापूर्ण है। कुछ शिक्षकों को चुनिंदा विषयों में बार-बार प्रशिक्षित किया जाता है, जबकि कई स्कूलों में एक या दो शिक्षक ही सभी विषयों के प्रशिक्षण का भार उठाने को मजबूर होते हैं। यह न तो न्यायसंगत है और न ही शैक्षणिक रूप से तर्कसंगत। प्रशिक्षण विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए होना चाहिए, न कि बहु-कार्यात्मक दबाव पैदा करने के लिए। सबसे चिंताजनक यह है कि आज शिक्षकों को पढ़ाई से इतर हर विषय का प्रशिक्षु बना दिया गया है। स्वास्थ्य, सड़क सुरक्षा, भवन निर्माण, स्वच्छता, आपदा प्रबंधन, ऐप संचालन और न जाने क्या-क्या। यह मान लिया गया है कि शिक्षक सब कुछ सीख लेगा, सब कुछ सिखा देगा और हर व्यवस्था की कमी को ढक लेगा। यह सोच शिक्षक को सर्वगुणसंपन्न नहीं, सर्वाधिक शोषित बनाती है।

प्रशिक्षण तभी उपयोगी होगा जब वह जरूरत आधारित, सीमित, विषय-विशेष और शिक्षक-केंद्रित होगा। जब वह कक्षा की वास्तविक चुनौतियों से जुड़ेगा, न कि फाइलों, जागरूकताओं और पोर्टलों से। सहमति प्रशिक्षण पर है, लेकिन अराजक प्रशिक्षण पर नहीं। यदि आज का प्रशिक्षण इन सवालों से पार नहीं पा सका, तो वह दक्षता नहीं, केवल थकान और असंतोष ही पैदा करेगा और यह किसी भी शिक्षा व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है।

पनपती माफीनामा संस्कृति

भारतीय लोकतंत्र में एक नया सांस्कृतिक प्रतिमान उभरा है- 'माफीनामा संस्कृति'। जहां सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोग पहले विवादास्पद, आक्रामक या अपमानजनक बयान देते हैं, फिर सोशल मीडिया पर हंगामा मचने या कानूनी कार्रवाई के डर से एक औपचारिक माफी जारी कर देते हैं। यह चक्र इतनी तेजी से दोहराया जा रहा है कि 'बोलो-माफी मांगो-भूल जाओ' एक स्वीकार्य सामाजिक व्यवहार बन गया है। राजनेताओं से लेकर अभिनेताओं, खिलाड़ियों से लेकर धार्मिक नेताओं तक सभी इस माफी संस्कृति के भागीदार हैं।

> माफी मांगने में कोई बुराई नहीं है। यदि वह ईमानदारी और पश्चाताप के साथ हो, लेकिन जब यह एक रणनीति बन जाए, तो यह लोकतंत्र और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा है। शब्दों की शक्ति को पहचानना और उनका जिम्मेदारी से उपयोग करना प्रत्येक सार्वजनिक व्यक्ति का कर्तव्य है।

समस्या यह नहीं है कि लोग गलतियां करते हैं, बल्कि यह है कि माफी एक रणनीति बन गई है, न कि वास्तविक पश्चाताप का प्रतीक। सार्वजनिक मंचों से दिए गए बयान जो किसी व्यक्ति, समुदाय, जाति या लिंग को निशाना बनाते हैं, उन्हें एक सोशल मीडिया पोस्ट या प्रेस विज्ञप्ति से खारिज नहीं किया जा सकता। जब कोई प्रभावशाली व्यक्ति अपमानजनक टिप्पणी करता है, तो उसका प्रभाव तात्कालिक और व्यापक होता है। उनके शब्द लाखों लोगों तक पहुंचते हैं, सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं और समाज में नफरत या पूर्वाग्रह को बढ़ावा देते हैं, लेकिन माफी की पहुंच अक्सर उतनी व्यापक नहीं होती। यह असंतुलन ही इस संस्कृति की सबसे बड़ी विडंबना है।

जयदेव राठी भराण
स्वतंत्र लेखक

भारतीय संस्कृति में 'मान-मर्यादा' का गहरा महत्व रहा है। सार्वजनिक जीवन में संयम, शिष्टाचार और दूसरों के सम्मान को महत्व दिया जाता था, लेकिन आज की राजनीतिक और सामाजिक संस्कृति में इन मूल्यों का तेजी से ह्रास हो रहा है। टीआरपी, लाइक्स, शेयर्स और वायरल होने की होड़ में गरिमापूर्ण भाषा का स्थान अपशब्दों, व्यक्तिगत हमलों और भड़काऊ बयानों ने ले लिया है। महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां, धार्मिक समुदायों को अपमानित करने वाले बयान, जातिगत श्रेष्ठता का प्रदर्शन- ये सब सामान्य हो गए हैं और जब विरोध होता है, तो एक संक्षिप्त माफी से मामला निपटा लिया जाता है। प्रभावित व्यक्ति या समुदाय के मनोवैज्ञानिक और सामाजिक आघात की कोई चिंता नहीं की जाती।

यह प्रवृत्ति केवल राजनीति तक सीमित नहीं है। बॉलीवुड हस्तियां, क्रिकेटर, उद्योगपति और यहां तक कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी इसी पैटर्न का अनुसरण करते हैं। सत्ता में बैठे या प्रभावशाली लोगों के खिलाफ कार्रवाई दुर्लभ है, जबकि कमजोर आवाजों को आसानी से दबा दिया जाता है। माफी मांगने से कानूनी मामले कमजोर पड़ जाते हैं और अदालतें अक्सर इसे सद्भावना का संकेत मानकर नरमी बरतती हैं। यह एक खतरनाक उदाहरण स्थापित करता है, जहां जवाबदेही केवल प्रतीकात्मक रह जाती है। कानून की इस कमजोरी का लाभ उठाते हुए कई लोग जानबूझकर विवादास्पद बयान देते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि अंततः एक माफी से बच निकलेंगे।

मीडिया, विशेष रूप से न्यूज चैनल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, इस संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। विवादास्पद बयानों को सनसनीखेज तरीके से प्रसारित किया जाता है, लेकिन माफी को उतना महत्व नहीं दिया जाता। टीआरपी के लिए बहसें आयोजित की जाती हैं, जहां चिल्लाना और व्यक्तिगत हमले सामान्य हो गए हैं। सोशल मीडिया ने तो इस प्रवृत्ति को और तीव्र कर दिया है। यहां कोई संपादकीय निगरानी नहीं है और कोई भी कुछ भी बोल सकता है। 'ट्रोलिंग' को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का नाम दिया जा रहा है। एल्गोरिदम ऐसी सामग्री को बढ़ावा देते हैं, जो भावनात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न करे, चाहे वह सकारात्मक हो या नकारात्मक।

माफी मांगने में कोई बुराई नहीं है। यदि वह ईमानदारी और पश्चाताप के साथ हो, लेकिन जब यह एक रणनीति बन जाए, तो यह लोकतंत्र और सामाजिक सद्भाव के लिए खतरा है। शब्दों की शक्ति को पहचानना और उनका जिम्मेदारी से उपयोग करना प्रत्येक सार्वजनिक व्यक्ति का कर्तव्य है। समाज को यह तय करना होगा कि क्या हम एक ऐसी संस्कृति चाहते हैं, जहां गरिमा और सम्मान के मूल्य हों या एक ऐसी जहां 'बोलो और भूल जाओ' का सिद्धांत चले। विकल्प हमारे हाथ में है और समय अब भी है कि हम सही दिशा में कदम बढ़ाएं।

बुरी आदतों से कमजोर होता है आत्मबल

जिन लोगों के मन में धर्म के प्रति आदर, आस्था, विश्वास है, उनके मन में ऐसी भी भावनाएं स्वाभाविक रूप से होती ही हैं कि वे जिस तरह की कामना करें वह तत्काल पूरा हो जाए। धर्मग्रंथों के मंत्र, श्लोक तथा भजन-कीर्तन आदि में आकांक्षाओं की पूर्ति के भाव भी जाहिर तो होते ही हैं। श्रीदुर्गासप्तशती के श्लोक 'यं यं चिंत्यते कामं तं तं प्राप्नोति निश्चितं' का उदाहरण लें, तो इस श्लोक का निहितार्थ तो यही है, 'जिस तरह की कामनाओं का चिंतन किया जाता है, वह निश्चित रूप से प्राप्त होता है।' इस तरह की आकांक्षाओं का उल्लेख लगभग हर देवी-देवता की आराधना में लिखे गए श्लोक, मंत्र एवं भजन-कीर्तन आदि में किया गया है। भगवान की आराधना करते-करते मन की कामनाएं देवी कृपा चाहने लगती हैं और ढेरों मनोरथ देवता से वरदान चाहने लगता है। हर कामना या मनोरथ पर इच्छा यही होती है कि भगवान प्रकट होकर तत्काल 'एवमस्तु' या 'तथास्तु' बोल दें।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

इस तरह की आकांक्षा के सुखद और दुःखद दोनों प्रकार के परिणामों का अंदेशा रहता है। पूजा-पाठ के दौरान मन में उपजने वाली कामनाएं पूरी होती दिखती हैं, तो एहसास होता है कि भगवान प्रार्थना सुन रहे हैं और परिणाम अनुकूल आ रहा है, जबकि मनोवांछित कामनाएं पूरी नहीं होती हैं तब दुःख होता है। कभी-कभी तो निराशा और दुःख इतना अधिक होता है कि भगवान के अस्तित्व पर ही शंका होने लगती है।

वस्तुतः धार्मिक कार्यक्रमों के जरिए सांसारिक कामनाओं की जगह मन को सशक्त बनाने का उद्देश्य बना लिया जाए, तो कभी भी पूजा-पाठ से निराशा नहीं होगी। वास्तव में मन भी कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर जैसा है। इसमें अलग-अलग तरह की सोच के ऐप होते हैं, लेकिन धर्मग्रंथों में मूलतः 6 ऐप निर्धारित किए गए है। श्रीमद्भगवतगीता सहित गोस्वामी तुलसीदास के रामचरितमानस में भी 'लाभ-हानि, जीवन-मरण, यश-अपयश विधि हाथ' का जो फार्मूला बताया गया है, वह पूर्णतया सही फार्मूला है। यहां 'विधि- हाथ' का प्रयोग जिस प्रकार किया गया है, उसका एक अर्थ तो भगवान के लिए निकलता तो है, लेकिन एक दूसरा अर्थ यह भी निकलता है कि विधिक ढंग से जब जीवन जीने की आदत डाली जाती है, तो लाभ, उल्लासपूर्ण जीवन तथा यश मिलता है, जबकि विधिक जीवन में कहीं से ढिलाई होती है, तो हानि और अपयश मिलता ही है, साथ ही घुटन भरी जिंदगी हो जाती है, जो मर्मांतक पीड़ा देती है।

श्रीमद्भगवतगीता, रामचरितमानस ही नहीं, बल्कि अनेकानेक ग्रंथों में स्पष्ट उल्लेख है कि जैसा कर्म किया जाता है, उसी के अनुसार फल मिलता है। लोक-मुहावरों में इसे 'बोया पेड़ बबूल का, आम कहां से होय' के उद्धरण के रूप में प्रयोग किया जाता है। ऐसी स्थिति में हमेशा प्रयत्न यही करना चाहिए कि जीवन विधिक ढंग से ही व्यतीत हो। अवांछित सुख, धन, अन्य कोई भी वस्तु एवं उपलब्धि सहजता से भी मिले तो उससे परहेज करना इसलिए उत्तम होता है, क्योंकि इससे सहज सुख तथा उमंग जो मिलता है, वह धीरे-धीरे आदतों में समाहित होने लगता है। फिर जब कभी अवांछित प्राप्ति नहीं होती मन परेशान होने लगता है। अवांछित सुख और उपलब्धियों से आदतें खराब होती हैं। बुरी आदतों के चलते आत्मबल कमजोर होता है तथा साधारण से साधारण काम दुरूह लगता है। लंबी अवधि तक के यश और उपलब्धियों के लिए मन के ऐप को बुरे विचारों के वायरस से मुक्त रखना प्रथम जरूरत है ।

कबूतरों के कान में छिपा है दिशा-बोध का रहस्य

सदियों से वैज्ञानिकों के लिए यह पहेली रही है कि प्रवासी पक्षी, संदेशवाहक कबूतर और समुद्री कछुए बिना किसी आधुनिक तकनीक के हजारों किलोमीटर लंबी यात्रा कैसे तय कर लेते हैं। घने बादल हों, पहाड़ हों या अथाह समुद्र, इन जीवों का दिशा-बोध कभी डगमगाता नहीं। अब एक नई शोध ने इस अद्भुत क्षमता का रहस्य से परदा हटाते हुए बताया है कि पक्षियों का 'प्राकृतिक जीपीएस' उनकी आंखों या चोंच में नहीं, बल्कि भीतरी कान की गहराई में छिपा है। स्वीडन के लुंड विश्वविद्यालय में एरिक वॉरेंट और उनकी टीम ने कबूतरों के कान की सूक्ष्म कोशिकाओं का अत्याधुनिक तकनीकों से अध्ययन किया। निष्कर्षों से पता चला कि चुंबकीय क्षेत्र का अनुभव सीधे उसी वेस्टिबुलर प्रणाली से जुड़ा है, जो संतुलन और स्थिति-बोध जैसी मूलभूत क्षमताओं को नियंत्रित करती है।

डॉ. कैलाश चन्द सैनी
जयपुर

वैज्ञानिकों को पहली बार स्पष्ट संकेत मिले कि पृथ्वी के भू-चुंबकीय क्षेत्र से मिलने वाली सूचनाएं किस मार्ग से मस्तिष्क तक पहुंचती हैं। दशकों से वैज्ञानिकों द्वारा यह माना जाता रहा कि दिशा-बोध की कुंजी या तो रेटिना में मौजूद क्रिप्टोक्रोम अणुओं में हो सकती है या उनकी चोंच में छिपे लोहे के कणों में। परंतु यह रहस्य तो बना ही रहा है कि चुंबकीय संकेत मस्तिष्क तक पहुंचते कैसे हैं। वर्ष 2011 में जर्मनी के न्यूरोवैज्ञानिक डेविड केन ने एक अनोखा प्रयोग किया। उन्होंने कबूतर के वातावरण में रखा, जहां पृथ्वी से अधिक शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्र को उनके चारों ओर घुमाकर यह भ्रम पैदा किया गया कि पक्षी का सिर घूम रहा है। बाद में कबूतरों के मस्तिष्क को पारदर्शी बनाकर की गई जांच में वही तंत्रिका क्षेत्र सक्रिय दिखाई दिए, जो सामान्यतः वेस्टिबुलर संकेतों को ग्रहण करते हैं। इस प्रयोग ने यह पुष्टि कर दी कि दिशा-सूचना का वास्तविक केंद्र भीतरी कान है। अब शोधकर्ता इस मूल प्रश्न की ओर बढ़ रहे हैं कि कान चुंबकीय क्षेत्र का अनुभव करता कैसे है? 140 वर्ष पहले फ्रांसीसी वैज्ञानिक कैमेल विगरुए ने यह विचार दिया था कि शरीर के चालक पदार्थ चुंबकीय क्षेत्र के संपर्क में अत्यंत सूक्ष्म विद्युत धाराएं उत्पन्न कर सकते हैं। आधुनिक शोध में यह अवधारणा फिर प्रबल हो रही है। समुद्री जीवों, विशेष रूप से शार्क और स्केट मछलियों में ऐसे प्रोटीनों की पहचान की गई है, जो अत्यंत कमजोर विद्युत संकेतों को भी पहचान लेते हैं।

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पक्षियों में भी इसी प्रकार का कोई जैविक तंत्र मौजूद हो सकता है, जो चुंबकीय प्रभाव को तंत्रिका संकेतों में बदल देता है और दिशा-बोध की नींव तैयार करता है। नई खोजों ने दिशा-बोध की रहस्यमय प्रक्रिया की परतों को खोलना शुरू कर दिया है। अब यह लगभग निश्चित है कि प्रवासी पक्षियों का 'नेविगेशन सिस्टम' उनके भीतरी कान में स्थित सूक्ष्म संरचनाओं द्वारा संचालित होता है। एक ऐसी प्रणाली, जिसमें चुंबकीय क्षेत्र, विद्युत संकेत और तंत्रिका मार्ग अत्यंत सूक्ष्म तालमेल से कार्य करते हैं। मनुष्य ने भले ही उपग्रहों की सहायता से जीपीएस जैसी उन्नत तकनीक विकसित कर ली हो, पर प्रकृति ने यह तकनीक पक्षियों को प्राकृतिक रूप से दे रखी है, जो इतनी सूक्ष्म, सटीक और विलक्षण है कि आधुनिक विज्ञान उसे आज भी समझने की कोशिश ही कर रहा है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

10 करोड़ की मेफेड्रोन जब्त : पुलिस ने मध्यप्रदेश के आगर मालवा जिले में अवैध रूप से नशीले पदार्थ बनाने वाली इकाई का भंडाफोड़ कर 10 करोड़ की मेफेड्रोन जब्त की है। यह फैक्टरी जिला मुख्यालय से 20 किमी दूर इंदौर-कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग के पास एक फार्महाउस में चल रही थी।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड रैंकिंग में बरेली प्रदेश में अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीएम योगी की सख्त मॉनीटरिंग से गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन

अमृत विचार : मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की दिसंबर माह की रैंकिंग में बरेली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है, जबकि लखीमपुर खीरी और शाहजहांपुर ने समान अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

वहीं सोनभद्र चौथे और श्रावस्ती पांचवें स्थान पर रहा। अधिकारियों का कहना है कि यह रैंकिंग योगी आदित्यनाथ की सतत मॉनीटरिंग और जवाबदेही तय करने की व्यवस्था का प्रत्यक्ष परिणाम है।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की यह रैंकिंग प्रदेश भर के जिलों में आधारभूत विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं, राजस्व कार्यों और सरकारी परियोजनाओं के क्रियान्वयन के आधार पर तैयार की जाती है। बरेली जिले ने विकास और राजस्व श्रेणी में 10 अंकों में से 9.27 अंक प्राप्त कर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया। लखीमपुर खीरी ने 9.26 अंक हासिल कर प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। दिसंबर माह की रैंकिंग में शाहजहांपुर ने भी 9.26 अंक प्राप्त कर लखीमपुर खीरी के साथ संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया है। उधर, सोनभद्र ने 9.19 अंक के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया, जबकि श्रावस्ती ने 9.13 अंक हासिल कर प्रदेश में पांचवां स्थान पाया।

कार्यालय बरेली विकास प्राधिकरण, बरेली

सेक्टर–02, रामगंगा नगर आवासीय योजना, निकट रामायण वाटिका, डोहरा रोड, बरेली (उ०प्र०)
Website : www.bdainfo.org, email : bdabareilly@yahoo.com, blyda@up.nic.in

सार्वजनिक नोटिस

जनसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदक ने नीचे सारणी के स्तम्भ–3 में उल्लिखित सम्पत्ति जो प्राधिकरण की आवासीय/अनावासीय योजना के अन्तर्गत स्थित है, का अंतरण/नामांतरण अपने नाम कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

क्रम संख्या	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड संख्या	योजना का नाम	आवेदक का नाम (पिता का नाम सहित)	आवेदक का पता एवं दूरभाष संख्या	नामान्तरण का आधार	पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
1	श्री पवन कुमार नेमानी	सेक्टर–12 भूखण्ड सं0–26, श्रेणी–ए, क्षेत्रफल –200.00 वर्ग0मी0	रामगंगा आवासीय योजना	श्रीमती संगीता देवी पत्नी स्व0 श्री पवन कुमार नेमानी, श्री सन्नी कुमार नेमानी, श्री सचित कुमार नेमानी पुत्रगण स्व0 श्री पवन कुमार नेमानी	वार्ड न0–15, मेन मार्केट, बखरी बाजार, बेगूसराय,बिहार	परिवारिक सदस्यता प्रमाण–पत्र	भूखण्ड संख्या–26

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त भूखण्ड के नामांतरण के विरूद्ध कोई आपत्ति हो तो वह आपत्तियाँ सहायक दस्तावेज़ों सहित इस नोटिस के प्रकाशित किये जाने की दिनांक से 30 दिन के भीतर सचिव बरेली विकास प्राधिकरण को प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा स्तम्भ–5 में अंकित व्यक्ति के नाम से सम्पत्ति का आंतरण/नामांतरण प्राधिकरण के अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा और कोई पश्चातवर्ती दावा यदि कोई हो ग्रहण नहीं किया जायेगा।

सचिव

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 12570/413 सी0(ई0टेण्डर)–3/2025–26 दिनांक 30.12.2025

अल्पकालीन ऑन–लाइन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बरेली के कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार लो0नि0वि0 में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से प्रतिशत दरों पर ई–निविदा दिनांक 13.01.2026 से दिनांक 20.01.2026 की मध्यान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 20.01.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे ऑन–लाइन खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्र0 सं0.	कार्य व योजना का नाम	खण्ड का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य((निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0)	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
	वित्तीय वर्ष 2025–26 मेंनेशनल क्लीनएयर प्रोग्राम के अन्तर्गत						
1-	जनपद बरेली में मथुरापुर तिलियापुर पस्धौली मार्ग पर पेवर टाइल्स का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	232.70	13.64	6 माह	2725.00	ए (मार्ग कार्य)
2-	जनपद बरेली में बरेली बीसलपुर मार्ग से हरूनगला सम्पर्क मार्ग पर पेवर टाइल्स का कार्य।	प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0,बरेली	41.75	4.10	3 माह	2725.00	ए, बी, सी (मार्ग कार्य)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(भगत सिंह)
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 बरेली

(प्रकाश चन्द्र)
अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत, लो0नि0वि0 बरेली

UP-243754 दिनांक 09.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी, उत्तर खीरी वन प्रभाग/ बफर जोन, दुधवा टाईगर रिजर्व, लखीमपुर–खीरी।

पत्रांक 4039/7–3 लखीमपुर खीरी, दिनांक 06/01/2026

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उत्तर खीरी वन प्रभाग/बफर जोन, दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर खीरी के अन्तर्गत वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा हेतु धौरहरा रेंज के अन्तर्गत फायर वॉच टॉवर एवं भीरा रेंज परिसर की बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण किये जाने हेतु नियम एवं शर्तो के अनुसार सील बन्द निविदा पंजीकृत फर्मो से जो अपेक्षित अर्हतायें रखते हो से आमंत्रित की जाती है। निविदादाता इस कार्यालय द्वारा जारी शर्तो एवं अनुबन्धों के साथ दिनांक 12.01.2026 पूर्वान्ह 11:00 बजे से दिनांक 16.01.2026 की अपरान्ह 14:00 बजे तक निविदा पंजीकृत डाक/कोरियर अथवा व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन दिनांक 16.01.2026 अपरान्ह 15:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरी द्वारा नामित समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा को बिना कारण बतायें स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित है। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 12.01.2026 पूर्वान्ह 11:00 बजे से 16.01.2026 की अपरान्ह 14:00 बजे तक निर्धारित मूल्य देकर प्राप्त किये जा सकते है। शेष शर्ते प्रभागीय कार्यालय/नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

निविदा की बन्धक धनराशि बैंक ड्राफ्ट/डिमाण्ड ड्राफ्ट/एफ0डी0आर0 के रूप में जो प्रभागीय वनाधिकारी, उत्तर खीरी वन प्रभाग/उप निदेशक, बफर जोन, दुधवा टाइगर रिजर्व, लखीमपुर खीरी के पदनाम से बन्धक हो, मान्य होगी।

क्र. सं.	स्थल का नाम	कार्य का नाम	कर सहित लागत (लाख में)	बन्धक धनराशि (लाख में)	कार्य पूर्ण/ आपूर्ति करने की तिथि
1	5	6	7	10	11
1	धौरहरा रेंज की जंगल मटेरा बीट	फायर वॉच टॉवर का निर्माण	10.00	0.20	01 माह
2	मीरा रेंज परसिर	बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण	10.00	0.20	01 माह

(कीर्ति चौधरी)
प्रभागीय वनाधिकारी, उत्तर खीरी
वन प्रभाग/उप निदेशक, बफर जोन,
दुधवा टाईगर रिजर्व, लखीमपुर–खीरी।

UP-243725 दिनांक 09.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता

17वाँ0 (वि0/याँ0) वृत्त, लो0नि0वि0, 96 महात्मा गाँधी मार्ग, लखनऊ

पत्रांक:– 22/11CBW-17E/M/2025-26 दिनांक: 05–01–2026

अल्प–कालीन ई–निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु दो बिड पद्धति के अन्तर्गत प्रतिशत दर के आधार पर ऑनलाईन निविदा https://etender.up.nic.in के माध्यम से दिनांक 12-01-2026 से दिनांक 27-01-2026 दोपहर 03:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की टेक्निकल बिड दिनांक 27-01-2026 अपरान्ह 03:30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में टेक्निकल बिड अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र0स0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र मूल्य (रू0 में)	निविदा की पात्रता
1	2	3	4	5	6	7
1	जनपद न्यायालय लखीमपुर खीरी परिसर में मुख्य विद्युत पैनल एवं अतिरिक्त विद्युत पैनल स्थापना का कार्य	14.20+ जी0एस0टी0 अतिरिक्त	1.42	02 Months	766.00	लो0नि0वि0, में विद्युत कार्यो हेतु 'ए' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

शासनादेश सं0-1/2018/3070/78-2-2018/42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03/01/2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने हैं। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने के दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

निविदाओं का तकनीकी मुल्यांकन प्रहरी साफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डॉक्यूमेन्ट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।

निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्ते तथा विवरण वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

(रंजीता प्रसाद)
अधिशासी अभियन्ता
याँत्रिक खण्ड, लो0नि0वि0, लखनऊ

(आर.एम.श्रीवास्तव)
अधीक्षण अभियन्ता
17वाँ0 (वि0/याँ0) वृत्त, लो0नि0वि0, लखनऊ

UP-243683 दिनांक 09.01.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कल पृथ्वी अवलोकन उपग्रह का होगा प्रक्षेपण

चेन्नई। इसरो 2026 के प्रक्षेपण कैलेंडर की शुरुआत 12 जनवरी को 'पीएसएलवी-सी62' मिशन से करेगा। इस मिशन के तहत पृथ्वी अवलोकन उपग्रह 'ईओएस-एन1' और 14 अन्य पेलोड को अंतरिक्ष में स्थापित किया जाएगा।

इसरो की वाणिज्यिक शाखा न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड के इस मिशन में शामिल 14 अन्य सह-यात्री उपग्रह देशी और विदेशी ग्राहकों के हैं। अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को कहा, प्रक्षेपण यान और उपग्रहों का एकीकरण पूरा हो चुका है तथा प्रक्षेपण-पूर्व जांच जारी है। पीएसएलवी-सी62 मिशन का प्रक्षेपण 12 जनवरी को सुबह 10 बजकर 17 मिनट पर श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के प्रथम प्रक्षेपण स्थल से प्रस्तावित है। इस मिशन के लिए 25 घंटे की उलटी गिनती 11 जनवरी को शुरू होगी। यह पीएसएलवी की 64वीं उड़ान होगी।

ट्रंप ने की ओबामा को नोबेल पुरस्कार देने की आलोचना

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष खत्म कराने का दावा करते हुए कहा कि नोबेल शांति पुरस्कार के लिए इतिहास में उनसे अधिक हकदार कोई नहीं है। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति ओबामा को नोबेल दिए जाने की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया था, जिसके लिए उन्हें यह पुरस्कार दिया जाता। वेनेजुएला के तेल भंडारों पर चर्चा के लिए तेल और गैस कंपनियों के अधिकारियों के साथ शुक्रवार को हुई बैठक में उन्होंने आलोचना की।

छापा मामले में सुप्रीम कोर्ट पहुंची ईडी, बंगाल सरकार

नई दिल्ली। ईडी ने पश्चिम बंगाल सरकार और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आई-पैक से जुड़े कोयला घोटाले की जांच में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट में अनुच्छेद 32 के तहत याचिका दाखिल की है। एजेंसी ने पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग की है। वहीं, पश्चिम बंगाल सरकार ने शीर्ष कोर्ट में एक केविएट दायर कर अनुरोध किया है कि आई-पैक के खिलाफ ईडी की छापेमारी के सिलसिले में उसका पक्ष सुने बिना कोई आदेश पारित न किया जाए।

ईडी ने गुरुवार को करोड़ों रुपये के कोयला चोरी घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत कोलकाता में आई-पैक और उसके निदेशक प्रतीक जैन से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की। जांच एजेंसी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उन परिसरों में प्रवेश किया, जहां तलाशी ली जा रही थी और कई दस्तावेज तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सहित महत्वपूर्ण साक्ष्य अपने साथ ले गईं। ममता ने ईडी पर अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। ईडी ने शुक्रवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया।

बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करे ब्रिटेन

लंदन। ब्रिटेन की विपक्ष की नेता प्रीति पटेल ने सरकार से बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याओं सहित हिंसा में वृद्धि के मामले में हस्तक्षेप करने और देश में स्थिरता लाने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने का आह्वान किया है। विपक्षी दल कंजर्वेटिव पार्टी की सांसद पटेल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर विदेश मंत्री यवेट कूपर को लिखा अपना पत्र पोस्ट किया, जिसमें लेबर पार्टी सरकार से हाउस ऑफ कॉमन्स में इस मुद्दे पर बयान देने का भी आह्वान किया गया है।

भारतवंशी पटेल ने कहा कि बांग्लादेश की स्थिति बेहद चिंताजनक है। धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा की जानी चाहिए और हिंदुओं की हत्याएं और उन पर हो रहे अत्याचार गलत हैं और इन्हें रोकना होगा। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन सरकार को बांग्लादेश में स्थिरता लाने और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करने तथा हिंदुओं को सुरक्षित रखने के लिए अपने प्रभाव और समन्वय शक्तियों का उपयोग करना चाहिए।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्रम सं.–1, ई–प्रापण निविदा संख्या: उप मु0इ0–नि0–सा0–जीकेपी–08–2025 दिनांक 03.02.2026, **कार्य का नाम:** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के अन्तर्गत पाँच फुल लेन्थ स्टेबलिंग लाइन के सम्बन्ध में मिट्टी का कार्य, रिटेनिंगवाल, ड्रेन एवं पी0वे0 कार्य के साथ–साथ अन्य विविध कार्य तथा आर0ओ0बी0 सं0 157ए के निर्माण के सम्बन्ध में ड्रेन, रोड, बाऊड्रीवाल एवं भवन का निर्माण एवं साथ–साथ अन्य विविध कार्य। अनुमानित निविदा मूल्य: ₹ 303653004.70, बयाना राशि (रू.): ₹ 1668300.00, निविदा प्रपत्र का मुल्य (रू) : 0.00, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 12 (बारह) माह।

बिड प्रारम्भ करने की तिथि:–दिनांक 20.01.2026, उपरोक्त ई–निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि:– दिनांक 03.02.2026, 15.00 बजे तक। उपरोक्त ई–निविदा खुलने की तिथि:– दिनांक 03.02.2026, 15.00 बजे।

निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इंजी0/निर्माण/सामान्य मुजाधि/डब्लू–407 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय ग्राम पंचायत बरौर वि. खं. नवाबगंज (बरेली)

निविदा आमंत्रण सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में ग्राम पंचायत बरौर में मनरेगा योजना से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है– प्रथम श्रेणी ईट, सीमेंट, रेत, बजरी, बजरफुट, सरिया व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है आदि।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत	योजना का नाम
1.	जलीस अहमद के घर से बारिस के घर तक सीसी नाली निर्माण	477533/–	मनरेगा
2.	मालियों की पुलिया से जयलाल गिरी मंदिर तक सीसी नाली निर्माण	885720/–	मनरेगा
3.	यामीन के घर से पूरनलाल के घर तक सीसी नाली निर्माण	979500/–	मनरेगा
4.	सीसी रोड से देवेंद्र के घर तक जाफरपुर में सीसी नाली निर्माण	160000/–	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदायें दिनांक 11.01.2026 से दिनांक 15.01.2026 को दोपहर 1 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं, जो उसी दिनांक 15.01.2026 को दोपहर 3 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष ग्राम पंचायत सचिवालय पर खोली जायेगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है।

प्रधान–कमलेश कुमारी सचिव–पुष्पेंद्र शाक्य

कार्यालय ग्राम पंचायत उल्लिया, ब्लाक सिंधौली, शाहजहांपुर

निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत उल्लिया विकास खंड सिंधौली जनपद शाहजहांपुर में वर्ष 2025–26 में मनरेगा/ग्राम निधि के अन्तर्गत ग्राम पंचायत में निम्न कार्य कराये जाने है। जिसके लिए सामग्री क्रय हेतु सीलबंद निविदायें ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 13.01.2026 को दोपहर 12 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 2 बजे प्रधान/सचिव के द्वारा अधिकृत फर्म/विक्रेताओं/प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी। कार्य का नाम व लागत संबंधी जानकारी कार्य दिवस में पूर्वान्ह 10 बजे से अपरान्ह 05:00 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	अन्नपूर्णा भवन	8.5 लाख
2	सी.एल.एफ. भवन	15.25 लाख

प्रमोद यादव (ग्राम प्रधान) मो. अकरम (सचिव)

कार्यालय, खण्ड विकास अधिकारी, भदैयाँ – सुल्तानपुर

पत्रांक 1934/2–लेखा/क्षेत्र पं0/निविदा सूचना/ 2025–26 दिनांक – 09/01/2026

अल्प कालीन निविदा सूचना

महामाहिम राज्य पाल, उत्तर प्रदेश कि ओर से खण्ड विकास अधिकारी–भदैयाँ, सुल्तानपुर द्वारा पंचम राज्य वित्त एवं पन्द्रहवां वित्त आयोग योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 मे स्वीकृत निम्न कार्यो पर किसी भी विभाग मे A,B,C एवं D श्रेणी मे कार्य की लागत की सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदा दाताओ से मैन्युल विधि के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गए गए कार्यो को कराये जाने हेतु निम्न शर्तो के अधीन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म दिनांक 12.01.2026 से दिनांक 02.02.2026 तक कार्यालय दिवस मे प्रातः 11 बजे से सायं काल 01.00 बजे तक निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किए जा सकते है एवं निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 02.02.2026 को सायं 2.00 बजे तक कार्यालय के टेण्डर बाक्स मे जमा किया जा सकता है। प्राप्त निविदा दिनांक 02.02.2026 को सायं 3.00 बजे विकास खण्ड भदैयाँ के सभा कक्ष मे अधोहस्ताक्षरी एवं निविदा समिति के सदस्यो द्वारा निविदा दाताओ के समक्ष खोली जाएगी।

क्र0	पंचम वित्त आयोग / पन्द्रहवां वित्त आयोग (अनटाइड/टाइड)	कार्य का नाम	स्वीकृत लागत लाख (रू0 में)	जमानत की धनराशि 10 प्रतिशत	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	पंचम राज्य वित्त आयोग	श्रीपुर पिचरोड से अमरनाथ वर्मा के घर तक अरर0सी0सी0 निर्माण कार्य	6.00	6,00000	1000	03 माह
2	पंचम राज्य वित्त आयोग	बभनगवां जगदीशपुर सम्पर्क मार्ग से विचित्र . नारायन पाण्डेय के घर तक इंटरलाकिंग कार्य	9.99	9,99,000	1000	03 माह
3	पंचम राज्य वित्त आयोग	भपटा मे विवेक विक्रम के घर से हरिजन बस्ती तक आर0सी0सी0 निर्माण कार्य	9.99	9,99,000	1000	03 माह
4	पंचम राज्य वित्त आयोग	हरीपुर बनवा मे मेन रोड से सत्य नारायण पाण्डेय के घर तक इंटरलाकिंग कार्य	5.50	5.50,000	1000	03 माह
5	पंचम राज्य वित्त आयोग	अलीपुर भारसारे मे राधेश्याम सिंह के घर से शम्भूगंज शिवगढ़ रोड तक इंटलॉकिंग कार्य	9.99	9,99,000	1000	03 माह
6	पंचम राज्य वित्त आयोग	खजुरी मे इंटरलॉकिंग से कल्याणपट्टी पंचायत भवन तक इंटरलाकिंग कार्य	9.99	9,99,000	1000	03 माह
7	पंचम राज्य वित्त आयोग	भदैयों मे पक्की सड़क से अखंड प्रताप सिंह के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	7.00	7,00000	1000	03 माह
8	पंचम राज्य वित्त आयोग	ग्राम पंचायत मीरानपुर मे पक्की सड़क से राम किशोर यादव के घर तक मिट्टी खड़ंजा कार्य	2.50	2,50,000	1000	03 माह
9	पंचम राज्य वित्त आयोग	असवा पक्की सड़क से शिवपुर मे भगवान बक्स सिंह के घर तक इंटरलाकिंग कार्य	8.00	8,00000	1000	03 माह
10	पंचम राज्य वित्त आयोग	सलाहपुर मे मिश्रपुर ग्राम मे हरीनारायन शर्मा के घर से पी0एस0 तक इंटरलॉकिंग कार्य	9.99	9,99,000	1000	03 माह
11	पंचम राज्य वित्त आयोग	करोमी मे कपिल के घर से तिरवा तक इंटरलाकिंग कार्य	9.99	9,99,000	1000	03 माह
12	पंचम राज्य वित्त आयोग	संसारीपुर मे ज्ञानोदय यू0पी0एस0 से महाराजा बिजली पासी के द्वार तक सी0सी0 निर्माण कार्य	8.50	8,50,000	1000	03 माह
13	पंचम राज्य वित्त आयोग	रामगढ़ पक्की सड़क से अशोक सरोज के घर तक इंटरलाकिंग कार्य	9.98	9,80,000	1000	03 माह
14	पंचम राज्य वित्त आयोग	जगदीशपुर सलाहपुर राम सजीवन के घर से सलाहपुर तक इंटरलाकिंग कार्य	4.00	4,00000	500	03 माह
15	पंचम राज्य वित्त आयोग	मुरारपुर मे आर0सी0सी0 रोड से सुधीर दूबे के चक तक सी0सी0 मरम्मत कार्य	8.00	8,00000	1000	03 माह
16	पंचम राज्य वित्त आयोग	सौराई बसंतपुर मे माताफेर सिंह के घर से मोहम्मद हारून के घर तक मिट्टी खड़ंजा मरम्मत कार्य	6.00	6,00000	1000	03 माह
17	पंचम राज्य वित्त आयोग	रामगढ़ खानीपुर मे पी0एच0सी0 शम्भूगंज कायाकल्प कार्य	8.50	8,50,000	1000	03 माह
18	पंचम राज्य वित्त आयोग	बेलसौना मे दिलीप वर्ना के घर से क़ज़ियापुर तक खड़ंजा मरम्मत कार्य	3.50	3,50,000	500	03 माह
19	पंचम राज्य वित्त आयोग	गौरा में बड़का कुआ तक जीर्णोद्धार कार्य	3.90	3,90,000	1000	03 माह
20	पंचम राज्य वित्त आयोग	मीरानपुर मे रतनपुर कुआ जीर्णोद्धार कार्य	3.90	3,90,000	500	03 माह
21	पंचम राज्य वित्त आयोग	मुरारपुर मे राममिलन शर्मा के घर से हनुमानगंज शम्भूगंज पुलिया तक खड़ंजा मरम्मत कार्य	6.00	6,00000	1000	03 माह
22	पंद्रहवाँ वित्त आयोग	मीरानपुर मे सुरेन्द्र वर्मा के घर से तालाब तक नाली निर्माण कार्य	7.50	7,50,000	1000	03 माह
23	पंद्रहवाँ वित्त आयोग	कैभा माधवपुर मे अवधराज के घर से बड़इला तालाब तक नाली निर्माण कार्य	9.00	9,00000	1000	03 माह
24	पंद्रहवाँ वित्त आयोग	शिवपुर मे शिवम सिंह के घर से असवा तालाब तक नाली निर्माण कार्य	7.50	7,50,000	1000	03 माह
25	पंद्रहवाँ वित्त आयोग	मीरानपुर में शौचालय निर्माण कार्य	8.00	8,00000	1000	03 माह
26	पंद्रहवाँ वित्त आयोग	अभियाकलाँ विकास खण्ड परिसर मे शौचालय निर्माण कार्य	4.00	4,00000	500	03 माह
27	पंद्रहवाँ वित्त आयोग	पखरौली कस्तूरबा स्कूल शौलचालय निर्माण कार्य	4.86	4,86,000	500	03 माह
28	पंद्रहवाँ वित्त आयोग	ग्राम पंचायत रहायकपुर मे ग्राम धनूपुर मे विजय मिश्रा के घर से देवनाथ पाण्डेय के नलकूप तक नाली निर्माण कार्य	8.50	8,50,000	1000	03 माह
29	पंद्रहवाँ वित्त आयोग	मीरानपुर क्षेत्र पंचायत इंटरलाकिंग से ज्ञानीपुर बार्डर तक इंटरलाकिंग कार्य	8.50	8,50,000	1000	03 माह
30	पंद्रहवाँ वित्त आयोग	रुदौली पीथीपुर पलिया पुल से कुँवर बहादुर चौबे के घर तक मिट्टी खड़ंजा कार्य	3.60	3,60,000	500	03 माह
31	पंद्रहवाँ वित्त आयोग	ज्ञानीपुर नीलेश श्रीवास्तव के घर से अंसारी मोहल्ला तक इंटरलाकिंग कार्य	3.50	3,50,000	500	03 माह
32	पंद्रहवाँ वित्त आयोग	औझी पुल से पप्पू दूबे के फार्म तक मिट्टी खड़ंजा कार्य	6.00	6,00000	1000	03 माह
33	पंद्रहवाँ वित्त आयोग	असरवन पिच रोड से असरवन में प्राथमिक विद्यालय असरवन तक इंटरलाकिंग कार्य	9.99	9,99,000	1000	03 माह
34	पंचम राज्य वित्त आयोग	अभियाकलों मे सिप्तापुर ग्राम में आनन्द के बाग से जीत लाल के घर तक इंटरलाकिंग कार्य	9.98	9,98,000	1000	03 माह

शर्ते:– सन्दर्भित कार्य स्वीकृत लागत के अन्तर्गत ही कराये जायेंगे। निविदा दाता अपनी अधिकृत क्षमता के अनुसार किसी एक अथवा एक से अधिक कार्यो हेतु निविदा दे सकते है निविदा दाताओ को सलाह दी जाती है कि वे कार्यस्थल का भालिभांति निरीक्षण कर ले। कोई सशर्त निविदा स्वीकार नहीं होगी। निर्धारित कार्य एवं स्वीकृत प्राक्कलन दर के अतिरिक्त अन्य कोई भी व्यय अथवा चार्जेज देय नहीं होगा। कार्य कराने के उपरान्त प्रस्तुत बिल से नियनानुसार आयकर, जी0एस0टी0 एवं लेबर सेस कटौती के पश्चात ही बिल भुगतान किया जाएगा। निविदा दाता को निविदा के कार्य के साथ कार्य कि लागत के सापेक्ष दो प्रतिशत कि धनराशि अर्नेस्ट मनी एफ0डी0 अथवा एन0एस0सी0 के रूप मे जो खण्ड विकास अधिकारी भदैयाँ के पक्ष मे बन्धक करके जमा किया जाना अनिवार्य है। कार्यादेश प्राप्ति के समय रु0 100 के स्टाम्प पर अनुबन्ध पत्र दाखिल करना होगा । अधोहस्ताक्षरी को किसी भी निविदा को बिना कारण बताए निरस्त किए जाने का पूर्ण अधिकार होगा। निर्धारित समय मे कार्य न कराने अथवा मानक एवं गुणवत्ता के विपरीत होने की स्थिति मे कार्यादेश निरस्त कर दिया जाएगा एवं संबन्धित से वसूली अपेक्षित होगी।

नोट :– उक्त कार्यो को कराने हेतु कार्यादेश धनराशि की उपलब्धता के आधार पर कार्यालय के समय समय पर जारी किया जाएगा।

खण्ड विकास अधिकारी
भदैयाँ – सुल्तानपुर

आईपीओ से 500 करोड़ जुटाएगी टेक्नो पेंट्स

हैदराबाद। टेक्नो पेंट्स एंड केमिकल्स अगले वित्त वर्ष में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 500 करोड़ जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी सूत्रों ने शनिवार को बताया कि टेक्नो पेंट्स ने तीन साल के लिए सचिन तेंदुलकर को ब्रांड एंबेसडर बनाया है। इस कदम से कंपनी को आपने विस्तार में मदद मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने कहा कि मास्टर ब्लास्टर के साथ जुड़कर उसका लक्ष्य अपनी राष्ट्रीय उपस्थिति को मजबूत करना है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 11 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1840, फ़ॉर्चून कि . 2305, रविन्द्रा 2425, फॉर्चुन 13 किग्रा 2035, जय जवान 2035, सचिन 2040, सूरज 2035, अवसर 1885, उजाला 1950, गृहणी 13 किग्रा 1895, क्लासिक (किग्रा) 2205, मोर 2230, चक्र टिन 2315, ब्लू 2125, आशीर्वाद मस्टर्ड 2315, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि .) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1किग्रा,5किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8400, गौरी प्रीमियम 9800, सूमो 4000, गौरी रॉयल 8600, मंसूरी पनघट 4050,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9700, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200-12500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4260, बहेड़ी 4200

क्रेडिट कार्ड पर 10% ब्याज करने की मांग

वाशिंगटन। राष्ट्रपति ट्रंप ने 20 जनवरी से क्रेडिट कार्ड पर एक साल के लिए 10% ब्याज लगाने की मांग करते हुए कहा कि क्रेडिट कार्ड कंपनियां अमेरिकियों को लूट रही हैं। यह तारीख व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति की वापसी की पहली सालगिरह है। लेकिन ट्रंप ने स्पष्ट नहीं किया कि यह सीमा कर्ज देने वालों के लिए स्वैच्छिक होगी या सरकारी तंत्र के माध्यम से लागू की जाएगी। उन्होंने कहा, कंपनियों को जनता को लूटने नहीं देंगे जो 20 से 30% ब्याज दरें वसूल रही हैं।

भारत-ईयू में व्यापार समझौता होगा शीघ्र : गोयल

केंद्रीय मंत्री ने ब्रुसेल्स यूरोपीय संघ के साथ की उच्चस्तरीय व्यापार समझौते को लेकर चर्चा

- दोनों देश के नेताओं ने टीमों को लंबित मुद्दों को हल कर समझौते को आगे बढ़ाने के लिए कहा

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर ब्रुसेल्स में दो दिन की चर्चा आधुनिक, व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौता शीघ्र संपन्न करने पर दोनों पक्षों की ओर से नए सिरे से दृढ़ संकल्प व्यक्त करने के साथ सम्पन्न हुई है। वाणिज्य मंत्री 8-9 जनवरी को एफटीए वार्ताओं के लिए ब्रुसेल्स में थे।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को गोयल की इस यात्रा समझौते की दिशा में महत्वपूर्ण बताया गया है। इस यात्रा के दौरान गोयल ने ईयू के व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस शेफकोविच के साथ कई बार बाचतीत की और दोनों नेताओं ने वार्ता टीमों को लंबित मुद्दों को हल करने और समझौते को शीघ्रता से आगे बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। मंत्रालय ने कहा है कि वाणिज्य मंत्री की इस यात्रा के साथ दोनों पक्षों के बीच ब्रुसेल्स में एक सप्ताह तक चला गहन राजनयिक और तकनीकी बैठकों का दौर पूरा हुआ। यह बातचीत भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित व्यापक एफटीए को साकार करने के लिए दोनों पक्षों के राजनीतिक संकल्प को रेखांकित करता है।

गोयल और शेफकोविच के बीच मंत्रिस्तरीय बैठक से पहले, वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और यूरोपीय आयोग की व्यापार महानिदेशक सबाइन वेयंड के बीच 6-7 जनवरी को उच्च स्तरीय चर्चाएं हुईं विभिन्न मुद्दों पर व्यापार वार्ताओं में हुई प्रगति का जायजा लिया गया।

अधिकारियों ने मतभेदों को कम करने और लंबित मुद्दों पर स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए काम किया, जिससे मंत्रिस्तरीय वार्ता का मार्ग प्रशस्त हुआ। गोयल और शेफकोविच ने प्रस्तावित समझौते के प्रमुख विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। दोनों पक्षों ने वस्तुओं के लिए बाजार में प्रवेश, माल की उत्पत्ति के नियम, सेवाओं आदि सहित विभिन्न वार्ता क्षेत्रों में हुई प्रगति पर गौर किया। दोनों पक्षों ने एक निष्पक्ष, संतुलित और महत्वाकांक्षी समझौते को अंतिम रूप देने के रणनीतिक महत्व पर बल दिया जो उनके साझा मूल्यों, आर्थिक प्राथमिकताओं और नियम-आधारित व्यापार ढांचे के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप हो।

दोनों देशों के बीच कार्बन कर और इस्पात बाजार जैसे मुद्दों को सुलझाने का प्रयास तेज

नई दिल्ली। भारत पर शुल्क और ऊंचा करने तथा ग्रीनलैंड अधिग्रहण जैसे अमेरिका की धमकियों के बीच भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने मुक्त व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत में कार्बन कर और स्टील बाजार को उदार बनाने जैसे कुछ जैसे मुद्दों पर मतभेद पाटने और समझौते को अंतिम रूप देने का प्रयास तेज कर दिया है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और शेफचोविच के साथ लंबी और गहन व्यापार चर्चाओं में यूरोप के विवादास्पद कार्बन कर और कृषि सब्सिडी पर भारत की आपत्ति जैसे संवेदनशील मुद्दे शामिल थे। वाणिज्य मंत्रालय ने बताया कि हमें भी यह समझौता चाहिए और उन्हें भी, क्योंकि दोनों पक्ष मजबूत बाजार की इच्छा रखते हैं, जो शुल्क की धमकियों से सुरक्षित हों। साथ ही, हम दोनों चीन पर बहुत अधिक निर्भर आपूर्ति श्रृंखलाओं के विकल्पों की ओर भी बढ़ना चाहते हैं। भारत और यूरोपीय संघ का प्रयास है कि एफटीए वार्ता गणतंत्र दिवस से पहले सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुंच जाए। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) में डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र के पूर्व प्रमुख प्रो . बिस्वजीत धर ने कहा कि यूरोपीय संघ के कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म (सीबीएएम) टैक्स (कार्बन कर) और भारत की श्रम आवाजाही से जुड़ी मांगों पर समझौते के रास्ते निकल रहे हैं।

क्रेडिट गारंटी योजना के तहत निर्यातकों के लिए 3,362 करोड़ स्वीकृत

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्रीय मंत्रिमंडल से मिली मंजूरी के बाद ऋणदाताओं ने लिया निर्णय

अमेरिकी शुल्क के भारी प्रभावों का सामना कर रहे निर्यातकों को समर्थन देने के लिए ऋणदाताओं ने 20,000 करोड़ की क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीएसई) के तहत एक महीने में 774 आवेदकों को 3,361.83 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 नवंबर 2025 को इस योजना को मंजूरी दी थी।

इसके तहत पात्र निर्यातकों को 20,000 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त ऋण सुविधाएं देने के लिए राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड (एनसीजीटीसी) ऋण संस्थानों (एमएलआई) को 100 प्रतिशत ऋण गारंटी देती है। सीजीएसई की शुरुआत एक दिसंबर, 2025 को हुई। यह बैंकों और वित्तीय संस्थानों को कुछ प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान भारतीय निर्यातकों को अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाती है, जिससे उनके बाजारों में विविधता आएगी और उनकी वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। वित्त मंत्रालय के अधीन वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने एक बयान में कहा कि दो जनवरी, 2026 तक ''''8,764.81 करोड़ रुपये के लिए 1,840 आवेदन मिले, जिनमें से ऋणदाताओं ने 3,361.83 करोड़ रुपये के 774 आवेदनों को मंजूरी दी।

बजट पूर्व सीतारमण ने किया विचार-विमर्श

- राज्यों , केंद्र शासित प्रदेशों संग हुई बैठक, वित्तीय प्राथमिकताओं, विकास संबंधी जरूरतों पर चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

बजट से पहले राज्य के मंत्रियों के साथ बैठक में चर्चा करतीं केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी बजट की तैयारियों को लेकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ शनिवार को उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक् में उनकी वित्तीय प्राथमिकताओं, विकास संबंधी जरूरतों को सुना। वित्त मंत्री ने उनसे 2026-27 के बजट को लेकर उनके सुझाव प्राप्त किए।

बैठक में मणिपुर के राज्यपाल, दिल्ली, गोवा, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, मेघालय और सिक्किम के मुख्यमंत्री, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री तथा अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वित्त मंत्री शामिल थे। केंद्रीय वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री पंकज चौधरी, मंत्रालय के आर्थिक कार्य, व्यय और राजस्व विभागों के सचिव और कुछ अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। सीतारमण ने देश के विकास में राज्यों की भूमिका को रेखांकित किया और कहा कि केंद्र जमीनी स्तर की प्राथमिकताओं को प्रतिबिंबित करने वाले बजट के निर्माण में राज्य सरकारों के रचनात्मक और व्यावहारिक सुझावों को महत्व देता है। कई राज्यों ने पूंजीगत व्यय के लिए बढ़े हुए समर्थन, उधारी सीमा में लचीलापन, और सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के लिए अधिक आवंटन जैसे मुद्दे उठाए। वित्त मंत्री सीतारमण बजट 1 फरवरी (रविवार) को संसद में पेश करेंगी। यह उनका लगातार आठवां बजट होगा।

ग्राहकों से सेवा शुल्क वसूलने वाले 27 रेस्तरां पर कार्रवाई

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने कानून का उल्लंघन करते हुए अनिवार्य रूप से सेवा शुल्क वसूलने वाले 27 रेस्तरां के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है।

इन रेस्तरां पर 50,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया गया है और उन्हें ग्राहकों को सेवा शुल्क की राशि वापस करने और अपनी बिलिंग प्रणाली में संशोधन करने के लिए कहा गया है, क्योंकि सेवा शुल्क का अनिवार्य रूप से वसूलना अनुचित व्यापार प्रथा घोषित किया गया है। सीसीपीए ने हेल्पलाइन नंबर पर उपभोक्ताओं की शिकायतों पर कार्रवाई की। इन रेस्तरां ने अनिवार्य सेवा शुल्क वसूलने जैसी अन्यायपूर्ण प्रथाओं को अपनाया है।

मध्यम आय के जाल से बचने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- ईएसी-पीएम के चेयरमैन देव बोले- भारत ने कई मोर्चों पर प्रगति की
- 104वें स्कॉच शिखर सम्मेलन में जीएसटी सुधारों का किया उल्लेख

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने शनिवार को कहा कि भारत ने कई मोर्चों पर प्रगति की है और देश को मध्यम आय के जाल से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक समृद्ध और समावेशी समाज एवं अर्थव्यवस्था बनाने के लिए देश को अपनी उपलब्धियों को आगे बढ़ाना चाहिए।

देव ने 104वें स्कॉच शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने जीएसटी सुधारों, रेरा, आईबीसी, बीमा में 100 प्रतिशत एफडीआई, परमाणु ऊर्जा में निजी भागीदारी, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश और कारोबारी सुगमता की पहल सहित कई सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने कई मोर्चों पर प्रगति की है। विभिन्न क्षेत्रों में संसाधनों के सही आवंटन, मजबूत सुधारों और उच्च वृद्धि दर के साथ भारत अपनी वैश्विक आर्थिक हिस्सेदारी में उल्लेखनीय बढ़त दर्ज कर सकता है। प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा कि राजनीतिक स्थिरता, व्यापक आर्थिक स्थिरता और एक बड़ा घरेलू बाजार भारत की प्रमुख ताकतें हैं। उन्होंने कहा कि भारत को मध्यम आय के जाल से बचना चाहिए और एक ऐसा समाज और अर्थव्यवस्था बनाने के लिए काम करना चाहिए जो समृद्ध, समावेशी और प्रकृति के अनुकूल हो। मध्यम आय का जाल ऐसी स्थिति है, जहां एक मध्यम आय वाला देश बनने के बाद आर्थिक वृद्धि स्थिर हो जाती है और वह उच्च आय वाला देश नहीं बन पाता है। उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र केवल 11-12 प्रतिशत लोगों को रोजगार देता है, जिसकी जीडीपी में 17 प्रतिशत हिस्सेदारी है। विनिर्माण और सेवाओं को बढ़ाना आवश्यक है। देव ने कहा कि बजट और पूंजी निर्माण के माध्यम से सरकारी निवेश महत्वपूर्ण है, लेकिन निजी पूंजी में उल्लेखनीय वृद्धि होनी चाहिए।

राष्ट्रीय

सोमनाथ सभ्यतागत साहस का प्रतीक : प्रधानमंत्री

तीन दिवसीय यात्रा के दौरान देखा ड्रोन शो, मोदी ने की श्री सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक की अध्यक्षता

- मंदिर परिसर में बुनियादी ढांचे के उन्नयन से संबंधित विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की

वेरावल (गुजरात), एजेंसी

सोमनाथ मंदिर में मंदिर में पूजा-अर्चना करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए शनिवार को प्रसिद्ध शहर पहुंचे और सोमनाथ को हमारी सभ्यतागत साहस का प्रतीक बताया। गुजरात की अपनी तीन दिवसीय यात्रा की शुरुआत करते हुए उन्होंने ड्रोन शो देखा और श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में उसकी बैठक की अध्यक्षता की।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा, सोमनाथ में आकर धन्य महसूस कर रहा हूं, जो हमारी सभ्यतागत साहस का गौरवशाली प्रतीक है। यह यात्रा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के दौरान हो रही है, जब पूरा देश 1026 में सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले हमले के 1000 वर्ष पूरे होने पर एकजुट हुआ है। लोगों के गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए आभारी हूं। उन्होंने बैठक के बाद एक अन्य पोस्ट में लिखा, आज शाम सोमनाथ में मैंने श्री सोमनाथ ट्रस्ट की बैठक की अध्यक्षता की। हमने मंदिर परिसर में बुनियादी ढांचे के उन्नयन से संबंधित विभिन्न पहलुओं और सोमनाथ की तीर्थयात्रा को और भी यादगार बनाने के तरीकों की समीक्षा की। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी भी न्यासियों और अधिकारियों के साथ बैठक में उपस्थित थे। प्रधानमंत्री शाम में गिर सोमनाथ जिले के प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर के पास स्थित हेलीपैड पर उतरे।

सर्किट हाउस की ओर जाते समय उनके काफिले को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़क के किनारे खड़े थे। राज्य सरकार द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, सर्किट हाउस में एक बैठक के बाद मोदी मंदिर की ओर रवाना हुए, जहां उन्होंने सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के हिस्से के रूप में ओंकार मंत्र के जाप में भाग लिया। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर में ड्रोन शो देखा। 3,000 ड्रोन ने अरब सागर के ऊपर आकाश में मंदिर से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं को दर्शाने वाली विभिन्न छवियां बनाईं। स्वाभिमान पर्व के अंतर्गत 8 से 11 जनवरी तक कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी तीन-दिवसीय गुजरात यात्रा के दौरान यहां सोमनाथ स्वाभिमान पर्व एवं राजकोट में वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन सहित कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

बलिदान के प्रतीक होंगे शौर्य यात्रा में शामिल 108 घोड़े

पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के अनुसार, रविवार को सुबह 9 :45 बजे प्रधानमंत्री शौर्य यात्रा में भाग लेंगे, जो सोमनाथ मंदिर की रक्षा में प्राणों की आहुति देने वालों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए शोभा यात्रा है। शौर्य यात्रा में 108 घोड़ों शामिल होंगे, जो वीरता और बलिदान का प्रतीक होगा। मोदी सुबह 10 :15 बजे सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे और फिर सुबह 11 बजे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। महमूद गजनी ने 1026 ईस्वी में सोमनाथ मंदिर पर हमला किया था, जिसके एक हजार वर्ष पूरे होने की पृष्ठभूमि में यह कार्यक्रम हो रहा है। सोमनाथ मंदिर नष्ट करने के कई प्रयासों के बावजूद आज आस्था और राष्ट्रीय गौरव के एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में खड़ा है, यह सब मंदिर की प्राचीन महिमा को बहाल करने के सामूहिक संकल्प और प्रयासों के कारण संभव हुआ है। स्वतंत्रता के बाद सरदार वल्लभभाई पटेल ने मंदिर के जीर्णोद्धार का प्रयास किया। इस पुनरुद्धार यात्रा में सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक 1951 में हासिल हुई, जब तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में जीर्णोद्धार किए गए सोमनाथ मंदिर को औपचारिक रूप से भक्तों के लिए खोल दिया गया। इस वर्ष ऐतिहासिक जीर्णोद्धार के 75 वर्ष पूरे होने से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का महत्व और भी बढ़ गया है। इस समारोह में देश भर से सैकड़ों संत भाग लेंगे और मंदिर परिसर में 72 घंटे तक लगातार 'ओम्' का जाप होगा।

कांग्रेस शासन की प्रश्नपत्र लीक संस्कृति खत्म

जयपुर, एजेंसी

कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

- केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने नवचयनित आरक्षकों को दिया नियुक्ति पत्र
- बोले- राज्य तभी विकास करता है जब कानून व्यवस्था अच्छी हो

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि कोई राज्य तभी विकास कर सकता है जब वहां कानून व्यवस्था की स्थिति अच्छी हो। राज्य की भाजपा सरकार ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के शुरू किए प्रश्नपत्र लीक की संस्कृति को खत्म कर दिया है। राज्य सरकार के दो साल के कार्यकाल में अपराध में 14% की कमी आई है। वे राजस्थान पुलिस अकादमी में नवचयनित आरक्षकों को नियुक्ति पत्र देने को आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि इन नौ हजार युवाओं को बिना किसी खर्चे के उनके दम-खम पर नौकरी देने का काम राज्य सरकार ने किया है। कोई भी राज्य तभी आगे आ सकता है जब वह प्रतिभाशाली युवाओं को आगे बढ़ाए। कोई प्रदेश तभी आगे आ सकता है जब वहां लोकसेवकों की भर्ती पारदर्शी से हो, उसमें भ्रष्टाचार न हो।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किया प्रश्नपत्र लीक का सिलसिला समाप्त कर दिया है। ये भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी, तकनीकी आधार पर और निष्पक्ष तरीके से हुई है। शाह ने कहा कि राजस्थान में भाजपा सरकार बनने के बाद दो साल में कुल अपराध में 14 प्रतिशत की कमी आई है। गंभीर प्रकार के अपराध में 19% की कमी आई है। हत्या के मामलों में 25, हत्या के प्रयास में 19, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार में 10 प्रतिशत कमी आई है। इसी तरह एससी/एसटी के खिलाफ अपराध में 28, डकैती में 47 व लूट के मामलों में 51% की कमी लाने का काम राज्य सरकार ने किया है।

स्वदेशी और स्वभाषा को करें प्रोत्साहित

जोधपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्वदेशी और स्वभाषा को प्रोत्साहित करने की जरूरतों पर जोर देते हुए लोगों से स्थानीय उत्पादों का निर्माण और उपयोग करने तथा घर पर अपनी मातृभाषा में बातचीत करने का आग्रह किया। शाह ने कहा कि किसी भी समाज, संस्कृति और धर्म को संरक्षित रखने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि हालांकि दुनिया में प्रगति के लिए आवश्यकतानुसार कोई भी भाषा सीखी या बोली जा सकती है, लेकिन घर पर बच्चों से बातचीत के लिए केवल हिंदी और स्थानीय भाषाओं का ही इस्तेमाल करना चाहिए, क्योंकि इससे उनकी जड़ों से उनका जुड़ाव मजबूत होगा। मंत्री जोधपुर में आयोजित माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन को संबोधित कर रहे थे, जहां माहेश्वरी समुदाय के सदस्य देश और विदेश के कई हिस्सों से एकत्र हुए हैं। शाह ने कहा, यदि आप बच्चों से उनकी भाषा में बात करेंगे, तो वे इतिहास से, राज्य से स्वत: जुड़ जाएंगे।

मतदाताओं के नाम काटने की प्रक्रिया है एसआईआर : ममता

कोलकाता, एजेंसी

- पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त को पत्र लिखकर लगाया आरोप

प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया रिकॉर्ड सही करने के बजाय मतदाताओं के नाम हटाने की कवायद बना दी गई है। बनर्जी ने आयोग पर राजनीतिक पक्षपात और चुनाव प्रक्रिया के दौरान मनमानी करने का आरोप लगाया।

उन्होंने तीन पन्नों के पत्र में कहा कि सुनवाई की प्रक्रिया काफी हद तक यांत्रिक हो गई है, जो पूरी तरह से तकनीकी आंकड़ों द्वारा संचालित है और इसमें विवेक, संवेदनशीलता एवं मानवीय दृष्टिकोण का अभाव है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य न तो सुधार है और न ही नाम जोड़ना...बल्कि नाम काटना है। बनर्जी ने दावा किया कि वर्तनी या उम्र संबंधी मामूली त्रुटियों से लोगों को जबरन सुनवाई, उत्पीड़न और वेतन हानि हो रही है। मुख्यमंत्री ने शादी के बाद उपनाम बदलने वाली महिलाओं की दिक्कतों को भी रेखांकित करते हुए कहा कि उन्हें अपनी पहचान साबित करने के लिए बुलाया जा रहा है।

लिव-इन पार्टनर को पेंशन में शामिल करने पर विचार करे केंद्र सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी की उस याचिका पर विचार करे, जिसमें उसने 40 वर्षों से साथ रह रही अपनी लिव-इन पार्टनर और उसके बच्चों का नाम पारिवारिक पेंशन तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए पेंशन भुगतान आदेश में शामिल करने का अनुरोध किया है।

न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता सरकारी कर्मचारी ने कभी भी अपने संबंध को नहीं छिपाया, ऐसे में अपने पार्टनर और बच्चों के नाम को परिवार के रूप में शामिल कराने के प्रयास को गंभीर कदाचार मानते हुए सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाले लाभों से वंचित करना त्रुटिपूर्ण है। पीठ ने 2018 के केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) के आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें 2012 में सेवानिवृत्त कर्मचारी को मासिक पेंशन और ग्रेच्युटी लाभ का 50 प्रतिशत रोकने के अधिकारियों के फैसले को बरकरार रखा गया था।

हमें हर क्षेत्र में भारत को बनाना है मजबूत : डोभाल

- विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद में एनएसए ने मजबूत नेतृत्व के महत्व का किया जिक्र

नई दिल्ली, एजेंसी

विकसित भारत युवा नेता संवाद के दौरान एनएसए अजीत डोवाल और युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने शनिवार को कहा कि भारत को सुरक्षा सिर्फ सीमाओं पर मजबूत नहीं करनी है, बल्कि आर्थिक और तकनीकी तौर पर भी देश को इतना मजबूत बनाना है कि हमलों और पराधीनता के इतिहास का प्रतिशोध ले सकें। विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद के उद्घाटन समारोह में डोभाल ने स्वतंत्रता के संघर्षों, भारत की सभ्यता पर हुए हमलों और मजबूत नेतृत्व के महत्व का जिक्र किया ।

उन्होंने तीन दिवसीय कार्यक्रम में शामिल तीन हजार युवाओं से कहा कि मैं गुलाम भारत में पैदा हुआ था। आप भाग्यशाली हैं कि स्वतंत्र भारत में पैदा हुए। सदियों तक हमारे पूर्वजों ने इसके लिए बहुत कुर्बानियां और अपमान सहे हैं। भगत सिंह को फांसी हुई, सुभाष चंद्र बोस को जीवन भर संघर्ष करना पड़ा, महात्मा गांधी को सत्याग्रह करना पड़ा और अनगिनत लोगों को जानें देनी पड़ीं। भारत के खुफिया ब्यूरो के पूर्व प्रमुख 81 वर्षीय डोभाल ने कहा कि हमारे गांव जले, हमारी सभ्यता को समाप्त किया गया, हमारे मंदिरों को लूटा गया और हम एक मूक दर्शक असहाय होकर देखते रहे। यह इतिहास हमें चुनौती देता है कि भारत के हर युवक के अंदर आग होनी चाहिये । हमें अपने इतिहास का प्रतिशोध लेना है और हमें इस देश को फिर वहां पहुंचाना है, जहां हम अपने हक, अपने विचार और अपनी आस्थाओं के आधार पर एक महान भारत का निर्माण कर सकें। हमें अपने आपको हर रूप में आर्थिक, रक्षात्मक, तकनीकी तौर मजबूत बनाना है ।

राउरकेला में विमान हादसा

राउरकेला के पास शनिवार को निजी एयरलाइन का छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में छह लोग घायल हो गए। नौ सीटों वाले एक निजी ए-1 विमान में छह यात्री सवार थे। यह दुर्घटना राउरकेला से 10 किलोमीटर दूर जलदा में हुई।

महंगाई से विद्रोह की ओर बढ़ रहा

ईरान में महंगाई को लेकर पिछले कई दिनों से सरकार विरोधी प्रदर्शन हो रहे हैं। देशभर में फैला यह आंदोलन हाल के वर्षों में इस्लामिक शासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। महंगाई से शुरू हुआ गुस्सा अब सीधे ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई और पूरे शासन तंत्र के खिलाफ विद्रोह में बदल चुका है। सरकार ने हालात काबू में करने के लिए इंटरनेट और अंतर्राष्ट्रीय फोन सेवाएं बंद कर दी हैं, जिससे ईरान लगभग बाहरी दुनिया से कट गया है। मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में अब तक 65 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 2300 से अधिक लोग घायल हैं। हजारों लोगों को हिरासत में लिया गया है।

ईरान में प्रदर्शन

ऐसे हुई विरोध की शुरूआत

● विरोध प्रदर्शन 28 दिसंबर को तब शुरू हुए थे, जब ईरान की मुद्रा रियाल बुरी तरह निचले स्तर पर पहुंच गई थी और एक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इसकी कीमत 14 लाख से भी ज्यादा हो गई थी। व्यापारियों ने आसमान छूती महंगाई के खिलाफ दुकानें बंद कर प्रदर्शन शुरू किया। हालात तब और बिगड़े जब खाने के तेल, चिकन जैसी जरूरी चीजों की कीमतें रातोंरात बढ़ गईं और कई सामान बाजार से गायब हो गए। सरकार द्वारा सस्ती डॉलर व्यवस्था खत्म करने के फैसले ने आग में घी डालने का काम किया। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण देश की अर्थव्यवस्था पहले से ही दबाव में है, जिनमें से कुछ प्रतिबंध परमाणु कार्यक्रम की वजह से हैं।

बड़ा आंदोलन

● यह आंदोलन 2022 के वूमन, लाइफ, फ्रीडम आंदोलन के बाद सबसे बड़ा माना जा रहा है। अब तक 100 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन हो चुके हैं। पश्चिमी ईरान के कुर्द बहुल इलाकों में हालात सबसे ज्यादा तनावपूर्ण हैं। प्रदर्शनकारियों के नारे अब सीधे सत्ता के केंद्र पर हैं- खामेनेई मुर्दाबाद, तानाशाह का नाश हो और रजा पहलवी के नेतृत्व में राजशाही की वापसी जैसे नारे तेहरान, मशहद और अन्य प्रमुख शहरों में लगाए जा रहे हैं।

कारोबारी बने आंदोलन के अगुवा

● सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आंदोलन की शुरुआत व्यापारियों ने की, जिन्हें इस्लामिक गणराज्य का समर्थक माना जाता रहा है। ईरान में बाजारी और धार्मिक नेतृत्व के बीच पुराना गठबंधन रहा है। 1979 की इस्लामिक क्रांति में भी कारोबारियों के आर्थिक समर्थन ने मौलवियों को मजबूती दी, जिससे शाह की सत्ता का पतन संभव हो पाया। इस बार गिरती अर्थव्यवस्था ने उनके व्यापार को इतना प्रभावित किया कि वे सड़कों पर उतर आए। सरकार आर्थिक मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों और शासन परिवर्तन की मांग करने वालों के बीच फर्क तलाश रही है। शासन विरोधी प्रदर्शनकारियों को विदेशी ताकतों का एजेंट बताकर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई का संकेत दिया गया है।

अमेरिका-खामेनेई का विरोधी रुख

● अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई बार ईरान को चेतावनी दी है कि अगर प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई गई तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने तेहरान को साफ संदेश दे दिया है कि प्रदर्शन के दौरान लोगों की हत्या बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने दोहराया कि ईरानी सुरक्षा बलों को फायरिंग से बचना चाहिए। वहीं, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने ट्रंप की चेतावनियों को खारिज किया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान लौटने की तैयारी में प्रिंस रजा पहलवी

तेहरान। ईरान में चल रहे सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच निर्वासित क्राउन प्रिंस रज़ा पहलवी ने कहा है कि वह अब अपने वतन वापसी की तैयारी कर रहे हैं। पहलवी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर जारी एक संदेश में यह बात कही। उन्होंने कहा कि मैं भी अपने वतन लौटने की तैयारी कर रहा हूँ ताकि मैं अपने लोगों के साथ, महान देश ईरान के साथ रह सकूँ, हमारी राष्ट्रीय क्रांति जीतेगी। मुझे विश्वास है कि वह दिन बहुत करीब है। ईरान के शाह पहलवी, देश में धार्मिक क्रांति का बिगुल बजने से पहले देश के प्रमुख थे पर इस्लामिक क्रांति के बाद उन्होंने भागकर अमेरिका की शरण ली थी। क्राउन प्रिंस उन्हीं के बेटे हैं। ईरान में शाह के परिवार को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। मुख्य वजह छतों का गिरना रही है।

पाकिस्तान ने किया मिसाइल का परीक्षण

इस्लामाबाद। पाकिस्तान नौसेना ने शनिवार को उत्तरी अरब सागर में एक युद्धाभ्यास के दौरान सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया। सेना ने एक बयान में कहा कि विस्तारित दूरी पर वर्टिकल लॉन्चिंग सिस्टम से सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल एलवाई-80(एन) का परीक्षण किया। कहा गया कि सतह से हवा में मार करने वाली एलवाई-80(एन) मिसाइल ने एक हवाई लक्ष्य को निशाना बनाया।

मुफ्ती नूर बने भारत में अफगान के राजदूत

काबुल। तालिबान ने मुफ्ती नूर अहमद नूर को नई दिल्ली स्थित अफगान दूतावास का कार्यवाहक राजदूत नियुक्त किया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, नूर पहले विदेश मंत्रालय में राजनीतिक मामलों के विभाग के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। भारत पिछले साल अक्टूबर में तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी की भारत यात्रा के दौरान इस राजनयिक को स्वीकार करने पर सहमत हुआ था। नूर मुत्तकी के साथ भारत आए थे।

सीरिया में हुई झड़पों में 23 नागरिकों की मौत

दमिश्क। उत्तरी सीरियाई शहर अलेप्पो में रिहायशी इलाकों पर हमलों में मंगलवार से अब तक मारे गए नागरिकों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है और 104 अन्य नागरिक घायल हुए हैं। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि कई दिनों की झड़पों के बाद सरकारी सेनाओं ने शहर के आखिरी कुर्द-बहुल इलाकों में घुसना शुरू कर दिया है।

ग्रीनलैंड पर कब्जा हमारी मजबूरी नहीं तो चीन-रूस हो जाएंगे काबिज

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, हम अपने पड़ोस में इन देशों को नहीं देखना चाहते

● ट्रंप बोले-आसानी से नहीं कर पाए तो इसे मुश्किल तरीके से करेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका को रुस और चीन को ग्रीनलैंड पर कब्जा करने से रोकने के लिए उस पर अपना नियंत्रण करना चाहिए। ट्रंप व्हाइट हाउस में तेल इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक में कहा कि अगर हम ग्रीनलैंड नहीं लेते हैं, तो रूस या चीन आपके पड़ोसी बन जाएंगे। हम अपने पड़ोस में इन देशों को नहीं देखाना चाहते। मैं मामले को आसानी से डील करना चाहता हूं। लेकिन अगर हम इसे आसानी से नहीं करते हैं, तो हम इसे मुश्किल तरीके से करेंगे।

उन्होंने डेनमार्क के एक स्वायत्त क्षेत्र ग्रीनलैंड पर डेनमार्क की संप्रभुता पर सवाल उठाया और इस विशाल, संसाधन से भरपूर द्वीप पर ऐतिहासिक दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, मैं डेनमार्क का प्रशंसक हूं, लेकिन, आप जानते हैं, सिर्फ इसलिए कि 500 साल पहले उनका एक जहाज वहां उतरा था, इसका मतलब यह नहीं है कि वे उस ज़मीन के मालिक हैं। ये टिप्पणियां अमेरिका और कई नाटो सहयोगियों के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई हैं।

ट्रंप आर्कटिक में बढ़ती रूसी और चीनी गतिविधियों से जुड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए बार-बार यह कह रहे हैं कि अमेरिका को ग्रीनलैंड पर कब्जा कर लेना चाहिए। डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने ऐसे किसी भी कदम को साफ तौर पर खारिज कर दिया है। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसेन ने चेतावनी दी है कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी हमला नाटो और दूसरे विश्व युद्ध के बाद की सुरक्षा व्यवस्था का अंत होगा। ट्रंप ने कहा कि नाटो को यह समझना होगा। मैं नाटो के साथ हूं। मैंने नाटो को बचाया। अगर मैं नहीं होता, तो अभी नाटो नहीं होता। कोपेनहेगन और ग्रीनलैंड की स्थानीय सरकारों ने बार-बार कहा है कि यह इलाका बिक्री के लिए नहीं है और इसका भविष्य इसके लोग तय करेंगे।

मादुरो के मामले में पैरवी को लेकर तकरार

न्यूयॉर्क। वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर मादक पदार्थ तस्करी के मामले में अमेरिका की अदालत में आरोप तय होने के कुछ दिनों बाद इस बात को लेकर तकरार शुरू हो गई है कि इस अहम मामले में अदालत में मादुरो का प्रतिनिधित्व कौन बनेगा। मादुरो के साथ अदालत में मौजूद बचाव पक्ष के वकील बैरी पोलाक ने आरोप लगाया कि वकील ब्रूस फाइन बिना अनुमति के इस मामले में शामिल होने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रॉनाल्ड रीगन के कार्यकाल में उप-अटॉर्नी जनरल रह चुके ब्रूस फाइन ने कहा कि एक न्यायाधीश ने उनसे मादुरो से यह विवाद सुलझाने को कहा था।

वेनेजुएला में तेल कंपनियों के अधिकारियों को पूर्ण सुरक्षा देगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को तेल कंपनियों के अधिकारियों से वेनेजुएला में जल्द से जल्द वापस लौटने का आह्वान किया। व्हाइट हाउस देश के विशाल पेट्रोलियम भंडार का पूरी तरह से दोहन करने की क्षमता को बहाल करने के लिए 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश को तेजी से सुरक्षित करने की कोशिश कर रहा है। वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए शनिवार को अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद से ट्रंप ने तुरंत इस कदम को अमेरिका के लिए एक नए आर्थिक अवसर के रूप में प्रस्तुत करना शुरू कर दिया है। अमेरिका ने वेनेजुएला से तेल ले जा रहे टैंकरों को जब्त कर लिया है और अमेरिका पहले से प्रतिबंधित तीन करोड़ से पांच करोड़ बैरल वेनेजुएला के तेल की बिक्री अपने नियंत्रण में ले रहा है तथा भविष्य में भी दुनियाभर में इसकी बिक्री को नियंत्रित करेगा। ट्रंप ने तेल उद्योग के अधिकारियों के साथ बैठक शुरू करते हुए उन्हें आश्वस्त करने की कोशिश की कि उन्हें दक्षिण अमेरिकी देश में तेजी से निवेश करने और कुछ मामलों में वहां लौटने के बारे में संशय करने की आवश्यकता नहीं है। मादुरो के अपदस्थ होने के बाद से अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंध और मौजूदा राजनीतिक हालातों के कारण अनिश्चितता बनी हुई है। ट्रंप ने तेल कंपनियों के अधिकारियों को कहा कि आप बिल्कुल सुरक्षित हैं। अब आप हमसे सीधे बातचीत कर रहे हैं, वेनेजुएला से बिल्कुल भी नहीं। हम नहीं चाहते कि आप वेनेजुएला से बातचीत करें। ट्रंप ने कहा कि हमारी विशाल तेल कंपनियां अपना कम से कम 100 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च करेंगी, न कि सरकार का। उन्हें सरकारी धन की जरूरत नहीं है। लेकिन उन्हें सरकारी संरक्षण की जरूरत है।

ईरान में विरोध प्रदर्शन जारी, सरकार ने प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई तेज की

● हिंसा में अब तक कम से कम 65 की मौत, 2300 से अधिक लोग हुए घायल

दुबई, एजेंसी

ईरान में इंटरनेट और टेलीफोन सेवा पर प्रतिबंध के बीच शनिवार को भी विरोध प्रदर्शन जारी रहे और देश का बाकी दुनिया से संपर्क लगभग कटा हुआ है। पाबंदियों के कारण वहां हो रहे प्रदर्शनों की सही जानकारी मिलना मुश्किल हो गया है। लेकिन अमेरिका में स्थित समाचार एजेंसी ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स के अनुसार, इन प्रदर्शनों में अब तक कम से कम 65 लोगों की मौत हो चुकी है और 2,300 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है।

सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिका की चेतावनियों के बावजूद प्रदर्शनकारियों पर सख्त कार्रवाई जारी रखने का संकेत दिया है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को एक्स पर लिखा कि ईरान के बहादुर लोगों का अमेरिका समर्थन करता है। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने अलग से चेतावनी देते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खेल मत खेलिए, जब वह कुछ कहते हैं तो कर गुजरते हैं। ईरान के सरकारी टीवी पर प्रसारित एक वीडियो में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी को दरकिनार करते हुए कहा कि अमेरिका के हाथ ईरानियों के खून से सने हैं। इस फुटेज में खामेनेई के समर्थक अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए दिखे। ईरान की सरकारी मीडिया ने प्रदर्शनकारियों को आतंकवादी बताया। ईरान में हालिया कुछ वर्षों की तरह प्रदर्शनकारियों पर हिंसक कार्रवाई किए जाने की आशंका बढ़ गई है। खामेनेई (86) ने तेहरान में अपने परिसर में समर्थकों से कहा कि प्रदर्शनकारी अमेरिका के राष्ट्रपति को खुश करने के लिए अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान में प्रदर्शनकारियों को मारा गया तो अमेरिका ईरान पर हमला करेगा। वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई के बाद ट्रंप की इस चेतावनी को काफी गंभीरता से लिया जा रहा है। एपी को मिले एक वीडियो में उत्तरी तेहरान के सादत आबाद इलाके में विरोध प्रदर्शन होते दिख रहे हैं और सड़कों पर हजारों लोग नजर आ रहे हैं। इस दौरान एक व्यक्ति को खामेनेई मुर्दाबाद कहते हुए सुना गया है। ईरान के निर्वासित युवराज रजा पहलवी ने विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। अब लोगों से शनिवार, रविवार को भी सड़कों पर उतरने को कहा है।

ईरान में फौजें जमीन पर नहीं उतारेगा अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि अगर ईरान वर्तमान अशांति के इस दौर में लोगों को मारना शुरू कर देता है तो अमेरिका इसमें हस्तक्षेप करेगा, हालांकि वह जमीन पर अपने सैनिकों की तैनाती नहीं करेगा। ईरान की स्थिति पर ट्रंप ने कहा कि अगर वे लोगों को मारना शुरू करते हैं, तो ऐसा होने पर अमेरिका अपनी भूमिका निभायेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका मतलब यह नहीं है कि अमेरिका अपनी फौजें, ईरान की जमीन पर उतार देगा। इसका अर्थ यह है कि उन्हें वहां बहुत जोर से मारना है, जहां सबसे ज्यादा दर्द होता है। ट्रंप और अन्य वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने बार-बार चेतावनी दी है कि यदि ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को मारता है, तो वॉशिंगटन कार्रवाई करेगा।

प्रदर्शनकारियों को दी मृत्युदंड की चेतावनी

दुबई। ईरान ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ अपनी धमकियां और तेज कर दीं और अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने चेतावनी दी कि विरोध-प्रदर्शनों में हिस्सा लेने वाले किसी भी व्यक्ति को अल्लाह का शत्रु माना जाएगा, जो मृत्युदंड योग्य अपराध है। अटॉर्नी जनरल की ये टिप्पणियां ईरान के सरकारी टेलीविजन के जरिये प्रसारित की गईं। इससे पहले, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई एवं अन्य अधिकारियों ने संकेत दिया था कि ईरान दमनकारी कार्रवाई शुरू करने जा रहा है। दो सप्ताह से जारी ये प्रदर्शन हाल के दिनों में और तेज हो गए हैं।

ओएनजीसी ने तेल कुएं के रिसाव पर नियंत्रण पाया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) ने आंध्र प्रदेश के मोरी-5 तेल कुएं में नियंत्रण हासिल कर लिया है। कंपनी ने शनिवार को बताया कि इस कुएं को बंद करने का काम रिकॉर्ड पांच दिन में पूरा कर लिया गया। आंध्र प्रदेश में ओएनजीसी के अपतटीय क्षेत्र में स्थित मोरी-5 कुएं में पांच जनवरी 2026 को ब्लोआउट हो गया यानी तेल और गैस अचानक अनियंत्रित तरीके से बाहर निकलने लगी। यह तब हुआ जब कंपनी डीप इंडस्ट्रीज लिमिटेड कुएं की सामान्य मरम्मत कर रही थी।

भारत-अमेरिका के लिए अपार मौके

● रिश्तों में तनाव के बीच बोले अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अमेरिका के रिश्तों में तनाव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जाने वाले नामित अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर नई दिल्ली पहुंच गए हैं। गोर (38) ने नवंबर के मध्य में भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में शपथ ली।

शुक्रवार रात नई दिल्ली पहुंचने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि भारत में आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हमारे दोनों देशों के लिए आगे अपार अवसर हैं। भारत में उनका आगमन ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक के एक दावे के बाद दोनों पक्षों के बीच नया विवाद खड़ा हो गया है। लटनिक ने कहा था कि दोनों देशों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौता पिछले साल इसलिए नहीं हो सका, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन नहीं किया। गोर व्हाइट हाउस के कार्मिक निदेशक के रूप में कार्यरत थे, जब राष्ट्रपति ट्रंप ने अगस्त में उन्हें भारत में अगले अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित किया था। ट्रंप द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क (टैरिफ) को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध गंभीर तनाव में है।

जिनमें पिछले साल मई में ट्रंप द्वारा भारत-पाकिस्तान संघर्ष को समाप्त करने का दावा और अमेरिका की नई आव्रजन नीति शामिल है। अमेरिकी सीनेट ने अक्टूबर में गोर को भारत में अमेरिका के अगले राजदूत के रूप में नियुक्त करने की मंजूरी दी। ट्रंप ने कहा था कि मुझे सर्जियो गोर पर भरोसा है कि वह हमारे देश के भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में मदद करेंगे।

मणिपुर में पेट्रोल पंप बेमियादी बंद

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में एक पेट्रोल पंप पर बम फेंके जाने के दो दिन बाद शनिवार से पूरे प्रदेश के पेट्रोल पंप अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिए गए। मणिपुर पेट्रोलियम डीलर्स फ्रेटरनिटी (एमपीडीएफ) ने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को लिखे एक पत्र में कहा कि राज्य अधिकारियों के आश्वासन और उठाए गए कदमों के बावजूद पेट्रोल पंप मालिकों को गंभीर सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ रहा है।

एमपीडीएफ ने मोइरांग में मेसर्स एलिडास पेट्रोल पंप पर गुरुवार रात हुए बम धमाके को मौजूदा असुरक्षा का सबूत करार दिया।

बंगाल में पटाखा फैक्ट्री में हुआ भीषण विस्फोट, चार घायल

कोलकाता, एजेंसी

● धमाके से आसपास की कई इमारतों को भारी नुकसान

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में शनिवार को पटाखा निर्माण करने वाली एक इकाई में भीषण विस्फोट में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह धमाका चम्पाहाटी इलाके में स्थित एक फैक्टरी में हुआ।

बरुईपुर पुलिस जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे चाम्पाहाटी स्थित एक फैक्टरी में विस्फोट हुआ, जिससे कारखाने और आसपास के घरों को भारी नुकसान पहुंचा। उन्होंने बताया कि घायल हुए चार लोगों में से तीन की पहचान गौर गांगोपाध्याय, किशन मंडल और राहुल मंडल के रूप में हुई है जबकि तीसरे व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। अधिकारी ने बताया, वे बुरी तरह जल गए थे और उन्हें इलाज के लिए तुरंत बारुईपुर और कोलकाता के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। धमाके के कारण लगी आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कई गाड़ियों को लगाया गया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 11 जनवरी, रविवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, अष्टमी 10.20 तक तत्पश्चात नवमी।

आज का पंचांग

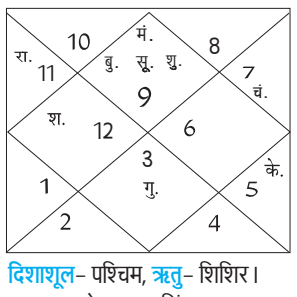

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- चित्रा 18.12 तक तत्पश्चात स्वाती।

मेष - आज आर्थिक मामलों को लेकर भाग्यशाली रहेंगे। विपरीत परिस्थितियों के बीच आपका वर्चस्व बढ़ेगा। व्यापार में गति तीव्र होने के योग बन रहे हैं। प्रेमीजन के माध्यम से आपको उपहार मिल सकता है। पारिवारिक जीवन आनंद और उल्लास से भरपूर रहेगा।

वृष - आज दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। प्रेम संबंधों के बीच आई गलतफहमियों को दूर करने के लिए दिन अच्छा है। व्यवसाय में अच्छा लाभ होगा। सभी कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से करें। विद्यार्थी पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करेंगे।

मिथुन - आज परिजनों के साथ आप घूमने जा सकते हैं। आपके अच्छे कार्यों की सराहना करने के बजाय लोग उनकी आलोचना कर सकते हैं। जल्दबाजी में किए गए कार्यों से नुकसान हो सकता है। समय का सदुपयोग करें। कार्यक्षेत्र के वातावरण में कुछ तनाव हो सकता है।

कर्क - आज रक्तचाप के रोगियों को विशेष सावधानी रखनी चाहिए। वरिष्ठ लोगों की अवहेलना न करें। पारिवारिक रिश्तों में सम्वादहीनता के कारण समस्या हो सकती है। मित्रों के साथ कहीं जाने की योजना बना सकते हैं। भाई-बहनों की चिंता रहेगी।

सिंह - आज प्रबंधन से जुड़े लोगों के ऊपर काम का दबाव रहेगा। प्रेम संबंधों में तनाव हो सकता है। शाम के समय किसी समारोह का निमंत्रण मिल सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के लिए योजना बना सकते हैं। व्यापार में लाभ होगा। लेकिन आपको थोड़ी सावधानी भी बरतनी होगी।

कन्या - आज कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का वातावरण रहेगा। जिन लोगों का स्वास्थ्य खराब था उनके स्वास्थ्य में सुधार आयेगा। अपने काम के प्रति निष्ठावान रहें। प्रेमीजन की भावनाओं का अनादर न करें। मन में वैराग्य के भाव उत्पन्न हो सकते हैं। विद्यार्थियों का मन पढ़ाई से उचट सकता है।

तुला - आज आप रुके हुए कार्यों को निपटाने में व्यस्त रहेंगे। आपका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा। जीवनसाथी आपका मानसिक और आर्थिक रूप से काफी सहयोग करेगा। काम के प्रति सकारात्मक रवैया रखें। मित्रों के साथ आपके संबंध और मधुर होंगे।

वृश्चिक - आज आपके काम की लोग उपेक्षा कर सकते हैं। व्यर्थ के कार्यों में आपका धन बर्बाद होगा। आज आवश्यक न हो तो यात्रा न करें। आय की अपेक्षा आपके खर्चों में अधिकता रहेगी। सहकर्मियों से अपनी व्यक्तिगत बातें शेयर करना उचित नहीं है।

धनु - आज नया काम आरंभ करना हर दृष्टिकोण से उत्तम है। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। कला जगत से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है। कार्यक्षेत्र की तनावयुक्त परिस्थितियों को हल करने में सफल होंगे। आपकी नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा होगी।

मकर - आज आपकी दिनचर्या में सुधार आयेगा। धर्म-कर्म के प्रति आपका रूझान बढ़ेगा। महत्वपूर्ण लोगों के साथ आपका समय बीतेगा। दाम्पत्य सम्बन्धों को गहरा और मजबूत करने के लिये रोमान्टिक डेट पर जा सकते हैं। बच्चों की समस्याओं को हल्के में न लें।

कुंभ - आज आय के साधनों में कमी आ सकती है। आज भविष्य के लिए कोई काम न छोड़ें। थायराइड से पीड़ित महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी कष्ट हो सकता है। अपने अनुभवों को दूसरों पर थोपने से बचें। दूसरों पर अधिक निर्भर न रहें।

मीन - आज किसी उत्सव और मांगलिक कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। बिगड़ी हुई बात या डील को आप समझदारी से संभाल लेंगे। किसी प्रोजेक्ट में आ रही आर्थिक बाधा दूर होगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आपको शानदार सफलता मिल सकती है।

सुडोकू-29

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	4				3			
	8		7		2		1	
9		7		5	1		8	6
		2	3	9			5	
	3			4	7	8		
6	1		5	2		7		9
	5		8		9		4	
			1				2	

सुडोकू - 28 का हल

1	5	6	2	7	8	9	3	4
2	8	3	4	9	6	1	5	7
7	9	4	5	3	1	2	8	6
3	2	5	9	6	4	8	7	1
4	7	9	1	8	3	5	6	2
8	6	1	7	2	5	3	4	9
9	3	8	6	4	2	7	1	5
6	1	2	3	5	7	4	9	8
5	4	7	8	1	9	6	2	3

देश की नजरें 2036 ओलंपिक की मेजबानी पर हैं, वहीं आईओए यह पक्का करने के लिए कदम उठा रहा है कि देश के एथलीट ओलंपिक गेम्स में ज्यादा से ज्यादा मेडल जीतें। ओलंपिक स्पोर्ट्स एसोसिएशन्स को जो रकम पहले दी जाती थी, उसे अब बढ़ाकर 20 लाख कर दिया गया है।
–पीटी उषा

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 11 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सामान्य दिखने की कोशिश कर रही बांग्लादेशी टीम : शांतो

ढाका। बांग्लादेश के टेस्ट कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने कहा है कि अगले महीने भारत में होने वाले टी20 विश्व कप में टीम की भागीदारी को लेकर बनी अनिश्चितता खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है, लेकिन टीम हालात को ऐसे संभाल रही है जैसे सब कुछ ठीक है। शांतो ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक एम. नजमुल इस्लाम पर भी निशाना साधा। उन्होंने पूर्व कप्तान तमीम इक़बाल को भारत का एजेंट बताए जाने की कड़ी आलोचना की। तमीम ने मौजूदा गतिरोध को सुलझाने के लिए संयमित और व्यावहारिक रवैये की वकालत की थी।

आईसीसी से जवाब नहीं मिला : बीसीबी

सिलहट (बांग्लादेश)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने शुक्रवार को कहा कि बोर्ड को आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारत में होने वाले मैचों को लेकर अपनी चिंताओं के बारे में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है और उन्होंने दोहराया कि बीसीबी के रुख में कोई बदलाव नहीं होगा। हम वहीं खड़े हैं जहां हम कुछ दिन पहले थे।

फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी भारत पहुंची

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 ट्रॉफी शनिवार को भारत पहुंची, इसका अनावरण शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में ब्राजील के पूर्व इंटरनेशनल खिलाड़ी गिल्बर्टो सिल्वा ने खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष कल्याण चौबे की मौजूदगी में किया। फीफा वर्ल्ड कप 12 साल बाद ट्रॉफी टूर पर भारत लौटा है, इसे दो दिनों तक दिल्ली में रखा जाएगा फिर गुवाहाटी ले जाया जाएगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की निगाहें कोहली व रोहित पर

तीन वनडे मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला दोपहर 1:30 बजे से

वडोदरा, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में रविवार को यहां खेले जाने वाले शुरुआती मैच में भारतीय टीम विराट कोहली और रोहित शर्मा की शानदार लय के साथ आगे बढ़ने की उम्मीद करेगी।

न्यूजीलैंड की टीम नये और युवा खिलाड़ियों की भरमार है लेकिन पूरी ताकत के साथ उतर रही भारतीय टीम के लिए रोहित और कोहली के नजरिये से शृंखला अहम है। अगले महीने वाली टी20 विश्व कप के कारण वनडे शृंखला की अहमियत थोड़ी कम है लेकिन अगले सात दिनों में होने वाले तीन वनडे मैचों में कोहली और रोहित आकर्षण का केंद्र रहेंगे। दोनों दिग्गजों को हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी के लीग चरण में अच्छा मैच अभ्यास मिला है। उन्होंने इस घरेलू टूर्नामेंट में बड़े स्कोर बनाकर यह जता दिया कि उनका दौर अभी खत्म नहीं हुआ है। यह देखना दिलचस्प होगा कि टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद कप्तान शुभमन गिल कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। उनकी फॉर्म पहले से ही चिंता का विषय रही है, वहीं पिछले साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे शृंखला में वह चोट के कारण बाहर रहे थे। गिल की वापसी से यशस्वी जायसवाल को शीर्ष क्रम से बाहर बैठना पड़ सकता है। जायसवाल ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में अपना पहला वनडे शतक जमाया था।

श्रेयस अय्यर की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में चल रहे प्रयोगों पर विराम लगने की उम्मीद है और 31 वर्षीय इस बल्लेबाज का एक बार फिर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करना लगभग तय है। केएल राहुल की निचले क्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर के रूप में भूमिका जारी रहने से ऋषभ पंत के अंतिम एकादश में शामिल होने की संभावना कम है। अय्यर, पंत और मोहम्मद सिराज विजय हजारे ट्रॉफी में व्यस्तता के कारण शुक्रवार तक वनडे टीम की यहां चल रही तैयारियों का हिस्सा नहीं थे, लेकिन रविंद्र जडेजा ने पूरे दमखम के साथ अभ्यास किया, जिससे उनकी उपलब्धता के संकेत मिले। जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को टी20 प्रतिबद्धताओं के मद्देनजर एकदिवसीय शृंखला से आराम दिया गया है। ऐसे में तेज गेंदबाजी का दारोमदार मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा पर रहेगा। कुलदीप यादव, वॉशिंगटन सुंदर और जडेजा स्पिन विभाग संभालेंगे। शाम की ओस और सपाट पिचों की प्रकृति को देखते हुए इस प्रारूप में आक्रामक विकेट लेने की बजाय रन रोकने पर अधिक जोर रहेगा यह पहला मौका होगा जब कोटाम्बी स्थित बड़ौदा क्रिकेट संघ के नये स्टेडियम में पुरुषों का कोई अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले यह मैदान भारत और वेस्टइंडीज के बीच महिला वनडे शृंखला की मेजबानी कर चुका है।

न्यूजीलैंड के कप्तान माइकल ब्रेसवेल। एजेंसी

तेज गेंदबाजी आक्रमण पर भरोसा करेगा न्यूजीलैंड

वडोदरा। न्यूजीलैंड के कार्यवाहक कप्तान माइकल ब्रैसवेल ने शनिवार को कहा कि उनकी टीम भारत के खिलाफ तीन वनडे मैच की श्रृंखला में तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई के लिए ऑलराउंडर काइल जैमीसन पर भरोसा करेगी जबकि रविवार को यहां होने वाले पहले मैच में 24 वर्षीय क्रिस्टियन क्लार्क वनडे में पदार्पण करेंगे। वनडे रैंकिंग में शीर्ष दो स्थान पर काबिज भारत और न्यूजीलैंड के बीच इस सीरीज में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा हमारे पास काइल जैमीसन हैं, जो लंबे समय से क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास काफी अनुभव है। कप्तान के तौर पर गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करने के लिए मैं उन पर काफी भरोसा करूंगा।

रोहित शर्मा ने सिराज को दिए बल्लेबाजी के टिप्स

वडोदरा। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने अपनी बल्लेबाजी में सुधार करके वनडे टीम में अपनी जगह पक्की करने के इरादे से न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली वनडे सीरीज से पहले शनिवार को यहां पूर्व कप्तान रोहित शर्मा से बल्लेबाजी के टिप्स लिए जबकि ऋषभ पंत को अभ्यास सत्र के दौरान चोट लगने के बाद थोड़ी देर के लिए उपचार लेने की जरूरत पड़ी। बल्लेबाजी करने के लिए उतरे सिराज गेंद को जोर से मारने की कोशिश में चूक गए। भारतीय सलामी बल्लेबाज ने फिर तेज गेंदबाज को कुछ टिप्स दिए।

टीम

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (विकेटकीपर) विराट कोहली, रोहित शर्मा, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड : माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), मिचेल हे (विकेटकीपर), निक केली, हेनरी निकोल्स, विल यंग, जोश क्लार्कसन, जैक फॉल्क्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, आदित्य अशोक, क्रिस्टियन क्लर्क, काइल जैमीसन, जेडन लेनॉक्स, माइकल रे।

शुभमन गिल।

किस्मत में जो होगा उसे कोई मुझसे छीन नहीं सकता : गिल

वडोदरा। टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने शनिवार को कहा कि वह चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करते हैं और जब भी मौका मिलेगा अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान देने की कोशिश करेंगे।

गिल को अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए नहीं चुना गया, लेकिन 26 साल का यह खिलाड़ी खेल के दो अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में भारत का नेतृत्व करता रहेगा। गिल ने भारत के लिए 36 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 869 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका औसत 28.03 और स्ट्राइक रेट 138.59 का रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की शृंखला के शुरुआती वनडे से पहले गिल ने कहा मेरा मानना है कि मैं वहीं हूं जहां मुझे होना चाहिए। मेरी तकदीर में जो लिखा है उसे कोई मुझसे नहीं छीन सकता। गिल ने कहा जाहिर है एक खिलाड़ी के तौर पर आपको यह विश्वास होता है कि अगर आप विश्व कप में खेलते हैं। तो आप अपनी टीम के लिए और अपने देश के लिए जीत हासिल करेंगे। गिल ने कहा मैं चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करता हूं और टी20 टीम को मेरी शुभकामनाएं। मुझे पूरी उम्मीद है कि वे हमारे लिए विश्व कप जीतेंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या टीम से बाहर किए जाने का उन पर मानसिक रूप से बुरा असर पड़ सकता है, तो गिल ने कहा कि चीजों को सरल रखना जरूरी है। भारतीय कप्तान ने कहा एक खिलाड़ी होने के नाते सब कुछ वर्तमान में जीने के बारे में है। आप जितना अधिक वर्तमान में रहेंगे जीत की उतनी संभावनाएं बढ़ जायेंगी। आप मैदान में भी अगर वर्तमान में रहते हैं तो सफलता की संभावना बढ़ जाती है। मैं यह देखने की कोशिश करता हूं कि मुझे अभी क्या करना है और क्या महत्वपूर्ण है। हम जितना अधिक वर्तमान में रह सकते हैं, हमारा जीवन उतना ही सरल हो जाता है। कप्तान बनने के बाद यह गिल के लिए वनडे में सिर्फ दूसरी सीरीज है। गिल नवंबर में कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट के दूसरे दिन गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट और उसके बाद की वनडे शृंखला में नहीं खेले थे।

गुजरात जायंट्स ने यूपी वारियर्स को 10 रनों से हराया

नवी मुंबई, एजेंसी

आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज फीबी लिचफील्ड के 40 गेंद में 78 रन बेकार गए और गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग के मैच में शनिवार को यूपी वारियर्स को 10 रन से हरा दिया।

पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर कप्तान एशले गार्डनर के 65 रन और जॉर्जिया वेयरहैम के 10 गेंद में नाबाद 27 रन की मदद से गुजरात जाइंट्स ने चार विकेट पर 207 रन बनाए। जवाब में लिचफील्ड ने यूपी को दौड़ में बनाये रखा लेकिन 16वें ओवर में उनके आउट होने के बाद गुजरात ने मैच पर शिकंजा कस लिया। लिचफील्ड ने अपनी पारी में आठ चौके और पांच छक्के लगाए। यूपी वारियर्स ने आठ विकेट पर 197 रन बनाए। आशा शोभना ने 10 गेंद में नाबाद 27 रन बनाये जिसमें तीन चौके और दो छक्के शामिल थे लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। गुजरात जायंट्स के लिए आस्ट्रेलिया की लेग स्पिनर जॉर्जिया वेयरहैम ने 30 रन देकर दो विकेट लिए। रेणुका सिंह और सोफी डेवाइन को भी दो दो विकेट मिले जबकि गार्डनर और राजेश्वरी ने एक-एक विकेट लिया।

यूपी की शुरुआत खराब रही और सलामी बल्लेबाज किरन नवगिरे को रेणुका ने पांचवीं गेंद पर आउट कर दिया। कप्तान और सलामी बल्लेबाज मेग लैनिंग (27 गेंद में 30 रन) और लिचफील्ड ने दूसरे विकेट के लिये 70 रन जोड़े। यूपी ने पांच गेंद और एक रन के भीतर लैनिंग, हरलीन देयोल (0) और दीप्ति शर्मा (1) के विकेट गंवा दिए। यूपी का स्कोर नौवे ओवर में एक विकेट पर 73 रन था लेकिन दसवें ओवर में चार विकेट पर 74 रन हो गया। लिचफील्ड और श्वेता सहरावत (25) ने 69 रन की साझेदारी की लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। इससे पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई गुजरात की टीम की तरफ से अनुष्का शर्मा (44) और गार्डनर ने तीसरे विकेट के लिये 103 रन की साझेदारी की। अनुष्का ने 30 गेंद में 44 रन बनाये जबकि गार्डनर ने 41 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और तीन छक्के लगाए। इससे पहले सलामी बल्लेबाज सोफी डेवाइन छठे ओवर में 38 के स्कोर पर आउट हो गई थी।

आस्ट्रेलिया की अनुभवी बल्लेबाज गार्डनर 18वें ओवर में सोफी एक्लेस्टोन का शिकार बनी, लेकिन वेयरहैम ने एक चौके और तीन छक्के समेत आक्रामक पारी खेलकर गुजरात जायंट्स को 200 रन के पार पहुंचाया। भारती फुलमाली सात गेंद में 14 रन बनाकर नाबाद रही। यूपी वारियर्स के लिये एक्लेस्टोन ने 32 रन देकर दो विकेट लिये जबकि शिखा पांडे और डिएंड्रा डोटिन को एक एक विकेट मिला। भारत की स्टार गेंदबाज दीप्ति शर्मा को विकेट नहीं मिला और उन्होंने तीन ओवर में 32 रन दिए।

जीत का जश्न मनातीं गुजरात जाइंट्स की खिलाड़ीं। एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग

हरमनप्रीत व साइवर चमकीं मुंबई ने दिल्ली को मात दी

नवी मुंबई, एजेंसी

कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 74) के अर्धशतक, नटाली साइवर ब्रंट (70 रन, दो विकेट) के हरफनमौला प्रदर्शन और निकोला कैरी की शानदार गेंदबाजी से मुंबई इंडियंस ने शनिवार को यहां महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 50 रनों से हरा दिया। मुंबई इंडियंस के चार विकेट पर 195 रन के प्रतिस्पर्धी स्कोर के जवाब में दिल्ली कैपिटल्स की टीम चिनेली हेनरी (33 गेंद में 56 रन) के अर्धशतक के बावजूद 19 ओवर में 145 रन पर सिमट गई। कैरी और अमेलिया केर के तीन तीन विकेट झटके।

साइवर ब्रंट ने अर्धशतकीय पारी खेलने के अलावा दो विकेट भी अपने नाम किए। शबनीम इस्माइल को एक विकेट मिला जबकि संस्कृति गुप्ता ने अपने एकमात्र ओवर में अंतिम विकेट झटका। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खराब प्रदर्शन के एक दिन बाद 33 वर्षीय ऑलराउंडर साइवर ब्रंट ने शानदार वापसी करते हुए 46 गेंद की पारी में 13 चौके जड़े। उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत के साथ मिलकर मौजूदा चैंपियन की पारी को संभाला। हरमनप्रीत ने भी आक्रामक बल्लेबाजी की और अपनी नाबाद 42 गेंद की पारी में आठ चौके और तीन छक्के लगाए। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी से टीम के प्रतिस्पर्धी स्कोर की नींव बनी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स ने पावरप्ले में चार अहम विकेट गंवा दिए थे जिससे टीम उबर ही नहीं सकी जिसमें निकोला कैरी (37 रन देकर तीन विकेट) के दो विकेट महत्वपूर्ण साबित हुए। चौथे ओवर में लिजेल ली (10) के आउट होने के बाद कैरी ने पांचवें ओवर में शेफाली वर्मा (08) और लौरा वोलवार्ट (09) को बोल्ड कर दिया। कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स (01) को शबनीम इस्माइल (14 रन देकर एक विकेट) ने अपना शिकार बनाया। इससे 5.2 ओवर में टीम का स्कोर चार विकेट पर 33 रन था। मरिजान काप (10) और निकी प्रसाद (12) शुरूआत के बावजूद जल्दी विकेट गंवा बैठीं।

हरमनप्रीत कौर। एजेंसी

केरल और रेलवे के बीच दोनों वर्गों में खिताबी मुलाकात तय

राष्ट्रीय वॉलीबॉल

संवाददाता, वाराणसी

अमृत विचार : केरल व भारतीय रेलवे की टीमों ने यहां 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैम्पियनशिप में अपना पराक्रमी प्रदर्शन जारी रखते हुए दोनों वर्गों के फाइनल में जगह सुरक्षित कर ली है।

महिला खिताब के लिए तो गत चैम्पियन केरल व गत उपजेता रेलवे के बीच एक बार फिर खिताबी मुलाकत करेगी। केरल के पुरुषों ने पंजाब को सीधे सेटों में शिकस्त दी डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम (सिगरा) में नगर निगम के सहयोग से वाराणसी में पहली बार आयोजित प्रतियोगिता के सातवें दिन देर शाम पुरुष वर्ग के पहले सेमीफाइलन में रेलवे ने जबर्दस्त संघर्ष के बीच 3-2(22-25,25-23,21-25,25-17,15-13की जीत हासिल की और गत उपजेता सर्विसेज की चुनौती तोड़ दी। फाइनल में रेलवे की टक्कर केरल से होगी, जिसने दिन के अंतिम सेमीफाइनल में पंजाब को सीधे सेटो में 3-0(25-23,25-23,25-22) से परास्त किया। हरियाणा व राजस्थान की महिला टीमें सेमीफाइनल में परास्त उधर लगातार छठी उपाधि जीतने के लिए प्रयासरत केरल की महिला टीम ने दिन में खेले गए सेमीफाइनल में हरियाणा को जहां 3-0(25-19, 25-21, 35-33) की आसान शिकस्त दी।

एक दिन पहले क्वार्टर फाइनल में मेजबान उत्तर प्रदेश की चुनौती तोड़ने वाली केरल की अब रेलवे से टक्कर होगी, जिसने एक सेट गंवाने के बाद राजस्थान को 3-1(25-13, 25-16, 24-26, 25-19) से परास्त किया।

मलेशिया ओपन में सिंधु सेमीफाइनल में वांग से हारीं

कुआलालंपुर। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु का शानदार सफर शनिवार को यहां सत्र के पहले मलेशिया ओपन सुपर 1000 के महिला एकल सेमीफाइनल में चीन की वांग झियी से सीधे गेम में हार के साथ समाप्त हो गया।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु विश्व नंबर दो खिलाड़ी के दबाव को झेल नहीं पाई और 6-21, 15-21 से हार गई। उन्होंने मुकाबले में कई गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा पिछले साल अक्टूबर से पैर की चोट के कारण मैदान से बाहर रहीं सिंधु अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही थीं। वह दूसरे गेम में एक समय 11-6 की बढ़त के साथ वापसी कर रही थी लेकिन उन्होंने इसे गंवा दिया। इस हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का सफर भी समाप्त हो गया। सिंधु ने कहा मुझे लगता है कि 11-6 पर मैंने ब्रेक लिया, शायद मुझे वहां 2-3 अंक ले लेने चाहिए थे।

महिला हॉकी इंडिया लीग | फाइनल में श्राची बंगाल टाइगर्स को हराया

एसजी पाइपर्स ने शूटआउट में जीता खिताब

रांची, एजेंसी

एसजी पाइपर्स ने शनिवार को यहां नियमित समय में 1-1 की बराबरी के बाद हुए शूटआउट में श्राची बंगाल टाइगर्स को 3-2 से हराकर महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 का खिताब जीत लिया। नियमित समय में एसजी पाइपर्स की ओर से प्रीति दुबे (53वें मिनट) और श्राची बंगाल टाइगर्स की ओर से ललरेमसियामी (16वें मिनट) ने गोल किए।

शूटआउट में कप्तान नवनीत कौर, जुआना कास्तेलारो और लोला रिएरा ने गोल किए और बंसारी सोलंकी ने अहम बचाव किए जिससे एसजी पाइपर्स फाइनल जीतने में सफल रही। हॉकी इंडिया लीग ने एसजी पाइपर्स के लिए 1.5 करोड़ रुपये, श्राची बंगाल टाइगर्स के लिए एक करोड़ रुपये और तीसरे स्थान पर रहने वाली रांची रॉयल्स के लिए 50 लाख रुपये का पुरस्कार राशि की घोषणा की। श्राची बंगाल टाइगर्स की ऑगस्टिना गॉर्जेलानी टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर रहीं और उन्हें पांच लाख रुपये दिए गए जबकि एसजी पाइपर्स की कप्तान नवनीत कौर को 'टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' का खिताब मिला और उन्हें 20 लाख रुपये पुरस्कार राशि मिली। रांची रॉयल्स को 'फेयरप्ले' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एसजी पाइपर्स की बंसारी सोलंकी को टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया।

खिताब के साथ एसजी पाइपर्स के खिलाड़ी। एजेंसी